राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, गुरुवार 27 अगस्त 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 102 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

केरल में ओणम उत्सव के दौरान हर्षोल्लास के साथ मनाया गया तिरुवोणम

नीट पीजी परीक्षा को लेकर सख्ती, 200 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची में 30 अगस्त को होने वाली नीट-पीजी परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। परीक्षा को कदाचारमुक्त, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए चारों परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, पुलिस पदाधिकारियों और दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। परीक्षा केंद्रों के आसपास किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। परीक्षा केंद्रों पर असामाजिक तत्वों के जुटने और विधि-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए रांची सदर के अनुमंडल दंडाधिकारी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की है। यह आदेश 30 अगस्त को सुबह 6 बजे से अपराह्न 3:30 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में कई गतिविधियों पर प्रतिबंध रहेगा। निषेधाज्ञा के तहत पांच या उससे अधिक लोगों के एक स्थान पर एकत्र होने, किसी भी प्रकार की बैठक या आमसभा करने और ध्वनि विस्तारक यंत्रों के इस्तेमाल पर रोक रहेगी। इसके अलावा लाठी-डंडा, तीर-धनुष, गड़ासा, भाला समेत अन्य अस्त्र-शस्त्र तथा बंदूक, राइफल, रिवॉल्वर और बम आदि रखने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। प्रशासन का उद्देश्य परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा या कानून-व्यवस्था की स्थिति को रोकना है। रांची जिले में नीट-पीजी परीक्षा के लिए चार परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। जिला प्रशासन ने परीक्षा के दौरान केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा के दौरान शांति और विधि-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

एमएमडीआर संशोधन बिल से माइक्रो लेवल पर होगा झारखंड को नुकसान : सुबोधकांत सहाय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। एमएमडीआर संशोधन बिल को लेकर पूर्व सीएम रघुवर दास द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए आरोपों पर पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री सुबोधकांत सहाय ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अगर रघुवर दास, कानून की थोड़ी बहुत जानकारी भी रखते, तो इस तरह की बयानबाजी नहीं करते। सुबोधकांत सहाय ने कहा कि एमएमडीआर संशोधन बिल, 2026 का सबसे ज्यादा नुकसान माइक्रो लेवल पर झारखंड को होगा। झारखंड विधानसभा से पेसा कानून नियमावली पारित हुई थी, उसमें रेवेन्यू कलेक्शन का अधिकार ग्राम सभा को था, जो रेवेन्यू आता है, उससे गांव विकसित होता है, वहां के लोगों को संसाधन का लाभ मिलता। अपने गांव को विकसित करने का अधिकार गांवों को मिला था, अब उसका क्या होगा? सुबोधकांत सहाय ने बताया कि झारखंड के वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में 14000 करोड़ का जो बजटीय प्रावधान, जो कुल बजट का 7.3% होता है, उस बजट की रिकवरी अब कहां से होगी? इससे लगा हुआ हमारा सवाल है कि जो सोशल सेक्टर को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाना था, उसके लिए पैसा कहां से मिलेगा? इसका जवाब रघुवर दास को देना चाहिए। पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रह चुके व्यक्ति को यह बताना चाहिए कि पहली बार स्टेट पुलिस के अधिकार भी सीमित कर दिए गए हैं। राज्य पुलिस का काम जब सीपीओ करेगी तो राज्य के लिए क्या कुछ रह जाएगा। सुबोधकांत सहाय ने कहा कि झारखंड, रघुवर दास की लड़ाई से नहीं बना है, क्योंकि वो तो छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे। जिन लोगों ने आजादी के पहले से अलग झारखंड की लड़ाई लड़ी है, उनके कलेजे पर आज क्या लोट रहा होगा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ 14000 करोड़ रुपए का मामला नहीं है, यह साढ़े तीन करोड़ झारखंडियों का भविष्य का मामला है, जिनका मेजर माइनर माइंस पर अधिकार नहीं होगा। जब हेमंत सरकार राज्य को विकास के पथ पर ले जाना चाहती है, औद्योगीकरण के बल पर राज्य में रोजगार पैदा करना चाहती है। वैसे में जब हमारा ना कोयला होगा ना लोहा होगा, तो फिर राज्य विकास कैसे करेगा? उन्होंने आरोप लगाया कि जो शख्स मुख्यमंत्री रहते हुए राज्य का नुकसान और अपने आदमियों को फायदा पहुंचाता है, उन्हें यह बात समझ में नहीं आएगी कि पेसा कानून के तहत मिले अधिकार को कैसे एमएमडीआर कानून से खत्म किया जा रहा है, वो इसे बढ़िया बता रहे हैं।

रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा

जमशेदपुर(नबिटा ब्यूरो)। भारत और कनाडा के बीच महत्वपूर्ण धातुओं, उन्नत तकनीक और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाएं तलाशने की दिशा में बुधवार को एक अहम पहल हुई। कनाडा के उच्चायोग के वाणिज्यिक मंत्री एड जेगर ने सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (सीएसआईआर-एनएमएल), जमशेदपुर का आधिकारिक दौरा किया। इस दौरान दोनों देशों के बीच रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा हुई। दौरे के दौरान एड जेगर ने सीएसआईआर-एनएमएल के निदेशक डॉ. संदीप घोष चौधरी और वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में महत्वपूर्ण धातुओं के निष्कर्षण, पुर्नप्राप्ति और पुनर्चक्रण से जुड़ी तकनीकों पर विशेष रूप से चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने इस क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। माना जा रहा है कि महत्वपूर्ण धातुएं दोनों देशों की भविष्य की औद्योगिक और तकनीकी जरूरतों के लिहाज से अहम भूमिका निभा सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

बिहार होमगार्ड परीक्षा पेपर लीक मामले में शिक्षिका गिरफ्तार

नवादा(नबिटा ब्यूरो)। नवादा पुलिस ने गृह रक्षा वाहिनी में अधिनायक लिपिक पद की भर्ती परीक्षा का प्रश्नपत्र वायरल होने के मामले में एक शिक्षिका को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी गोविंदपुर स्थित बीआरसी से हुई। गिरफ्तार शिक्षिका की पहचान अंजू रानी के रूप में हुई है। वह नालंदा जिले के वेना थाना क्षेत्र के देव बिगहा गांव निवासी चंद्रशेखर कुमार की पत्नी हैं और नारदीगंज के मध्य विद्यालय दोहड़ा में शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं।

युवक का शव बरामद होने से सनसनी

रांची(नबिटा ब्यूरो)। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित औघड़ बाबा आश्रम के पास बुधवार को एक युवक का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की तहकीकात में जुट गई। मृतक की पहचान उपेंद्र कुमार मिश्रा के रूप में हुई है, जो सुखदेवनगर थाना क्षेत्र का रहने वाला था। रांची के कोतवाली एएसपी निखिल राय ने बताया कि प्रथम दृष्टया युवक की हत्या किए जाने की आशंका है। हालांकि हत्या के वास्तविक कारण और घटना में इस्तेमाल हथियार के संबंध में पुलिस की जांच जारी है।

रेलवे ट्रैक से सिर कटी लाश बरामद

बोकारो(नबिटा ब्यूरो)। बोकारो रेलवे स्टेशन से करीब पांच किलोमीटर दूरी पर रेलवे ट्रैक से पुलिस ने एक सिर कटी लाश बरामद की है। बोकारो जीआरपी थाना के इंस्पेक्टर अमरेंद्र प्रसाद ने बताया कि घटनास्थल बालीडीह थाना क्षेत्र में पड़ता है। जीआरपी व बालीडीह थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। मृतक की पहचान बिहार के जमुई जिला अंतर्गत धर्मपुर गांव निवासी संदीप कुमार (22 वर्ष) के रूप में हुई है। वह बोकारो में रह रहा था।

बिजली तार की चपेट में आने से युवक की मौत

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नीचे पहाड़ीडीह गांव में ईद-ए-मिलाद-उन्नबी पर्व की तैयारी के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। घर की छत पर झंडा लगाने गये 19 वर्षीय युवक सब्बीर अंसारी की हाई वोल्टेज बिजली तार की चपेट में आने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सब्बीर अपने घर की छत पर पर्व के लिए झंडा लगाने गया था। इसी दौरान छत के ऊपर से गुजर रहे हाई वोल्टेज बिजली तार की चपेट में आ गया।

झारखंड की आर्थिक स्वायत्तता पर हमला कर रही केंद्र सरकार : कुमार गौरव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को लेकर केंद्र और राज्य के बीच टकराव अब सड़क पर उतर आया है। कांग्रेस पार्टी का तर्क है कि इस नए कानून से राज्यों के राजस्व में भारी कमी आएगी जिसका सीधा असर झारखंड की कल्याणकारी योजनाओं और महिलाओं के लिए चलाई जा रही 'मंईयां सम्मान' जैसी योजनाओं पर पड़ेगा। केंद्र सरकार द्वारा लाया गया 'खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक-2026' और चुनावी चंदे में हो रही कथित 'चंदा चोरी' सीधे तौर पर देश के संघीय ढांचे और झारखंड की आर्थिक रीढ़ पर प्रहार है। केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों और झारखंड के हितों पर लगातार हो रहे हमलों के खिलाफ कांग्रेस ने आक्रामक रुख अपना लिया है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के सख्त निर्देशों के तहत, रामगढ़ जिला कांग्रेस कमेटी ने केंद्र के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया है। इसी सिलसिले में रामगढ़ कैंट स्थित ब्लॉक चौक के होटल 'ला मैरिटल' में एक विशेष प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता और युवा आयोग के अध्यक्ष कुमार गौरव ने एक प्रेस वार्ता में केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि केंद्र सरकार खान और खनिज कानूनों में जो बदलाव कर रही है, वह सीधे तौर पर झारखंड के अधिकारों और आर्थिक स्वायत्तता पर हमला है। कुमार गौरव ने जोर देकर कहा कि झारखंड की खनिज संपदा यहां की जनता की जीवन-रेखा है। जल-जंगल-जमीन, पर्यावरण की सुरक्षा और स्थानीय युवाओं के रोजगार पर मंडरा रहे इस खतरे को कांग्रेस पार्टी कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। केंद्र सरकार को राज्य के संवैधानिक अधिकारों को कुचलने की छूट नहीं दी जाएगी। उन्होंने ऐलान किया कि यदि केंद्र ने मनमानी नहीं छोड़ी तो कांग्रेस पार्टी चुप नहीं बैठेगी। इन जनविरोधी नीतियों के खिलाफ पार्टी सड़कों पर उतरेगी और जनता के साथ मिलकर पूरी ताकत से लोकतांत्रिक विरोध दर्ज कराएगी। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सेस से झारखंड की आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है। मंईयां सम्मान योजना और पेंशन पर सीधा असर पड़ेगा। गरीब, महिलाएं और बुजुर्ग परेशान होंगे। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और पानी के काम प्रभावित हो सकते हैं। रामगढ़ विधायक ममता देवी ने चुनावी चंदे में पारदर्शिता की मांग की है। कांग्रेस इसके खिलाफ जनता के बीच जाएगी। उन्होंने कहा कि झारखंड के प्राकृतिक संसाधनों और खनिज संपदा पर स्थानीय जनता का प्राथमिक हक है, न कि बाहरी नीतियों का। केंद्र के नए सेस बिल से राज्यों की आर्थिक स्वतंत्रता कमजोर होने की आशंका है जिससे विकास कार्य बाधित हो सकते हैं। राजस्व घटने पर मंईयां सम्मान योजना और सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी जनहित योजनाओं का भविष्य खतरे में पड़ सकता है। कांग्रेस पार्टी ने इस नीति के खिलाफ जिला से लेकर प्रांतीय स्तर पर लोकतांत्रिक और मजबूत आंदोलन चलाने का संकल्प लिया है।

एक अपराधी जिला बदर, तीन को हर हफ्ते थाने में हाजिरी लगाने का आदेश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। जिला प्रशासन लगातार अपराधियों पर शिकंजा कस रहा है। इसी कड़ी में एक कुख्यात अपराधी को तीन महीने के लिए जिला बदर किया गया है। वहीं तीन अन्य अपराधियों को अगले तीन महीने तक हर सप्ताह संबंधित थाने में हाजिरी लगाने का निर्देश दिया गया है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी के न्यायालय ने रामगढ़ एसपी की अनुशंसा पर यह कार्रवाई की है। प्रशासन के मुताबिक जिले में कानून-व्यवस्था और शांति बनाए रखने के साथ-साथ आपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी के आदेश के अनुसार कुख्यात अपराधी रियाज अंसारी को तीन महीने के लिए रामगढ़ जिले की सीमा से बाहर रहने का आदेश दिया गया है। उसे आदेश जारी होने के 24 घंटे के भीतर रामगढ़ जिला छोड़ना होगा। इस अवधि में रियाज अंसारी के रामगढ़ जिले में प्रवेश करने पर रोक रहेगी। प्रशासन ने उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए भी आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। वहीं निशांत सिंह, प्रभात कुमार सिंह उर्फ सिक्कू सिंह और गुलशन कुमार सिंह को अगले तीन महीने तक हर सप्ताह एक दिन संबंधित थाने में उपस्थित होकर हाजिरी लगानी होगी। इन अपराधियों की गतिविधियों पर पुलिस की निगरानी भी रखी जाएगी। प्रशासन ने चारों अपराधियों के लिए हथियारों को लेकर भी सख्त निर्देश जारी किए हैं। अगर किसी के पास लाइसेंसी हथियार है तो उसे तुरंत स्थानीय थाने में जमा करना होगा। जिला बदर या हाजिरी की अवधि के दौरान वे किसी भी तरह का हथियार नहीं रख सकेंगे।

नीलांबर-पीतांबर विवि के परीक्षा नियंत्रक ने दिया इस्तीफा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। नीलांबर-पीतांबर यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक गौरव श्रीवास्तव ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि गौरव श्रीवास्तव का इस्तीफा मंजूर नहीं हुआ है। गौरव श्रीवास्तव ने अपना इस्तीफा रजिस्ट्रार को भेजा है। इससे पहले नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ नफीस अहमद भी इस्तीफा दे चुके हैं। गौरव श्रीवास्तव नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफ़ेसर है। उन्हें एग्जामिनेशन डिपार्टमेंट के कोऑर्डिनेटर के पद पर तैनात किया गया था। उनपर परीक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई थी। परीक्षा के रूटिंग और रिजल्ट की जिम्मेदारी गौरव श्रीवास्तव पर थी। गौरव श्रीवास्तव ने बताया कि वे निजी कारणों से इस्तीफा दिए हैं लेकिन अभी स्वीकार नहीं हुआ है। वे यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफ़ेसर के पद पर तैनात हैं और वापस लौटना चाह रहे हैं। पिछले कुछ दिनों के अंदर नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी में दूसरे बड़े अधिकारी ने इस्तीफा दिया है। यूनिवर्सिटी के अंतर्गत पलामू, गढ़वा और लातेहार के सभी डिग्री कॉलेज आते हैं, जिनमें हजारों छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी में समय पर परीक्षा और रिजल्ट जारी करना एक बड़ी चुनौती है। गौरव श्रीवास्तव के इस्तीफा से परीक्षा प्रभावित होने की संभावना है। आपसू छात्र संगठन का कहना है कि एग्जामिनेशन कोऑर्डिनेटर के इस्तीफा दिए जाने के बाद से यूनिवर्सिटी में परीक्षाएं प्रभावित होगी। साथ ही समय पर परीक्षा को करवाना एक बड़ी चुनौती रहेगी।

एक-दूसरे से मुहब्बत करने का संदेश देता है हर धर्म : बैद्यनाथ राम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम ने कहा कि हर धर्म हमें एक-दूसरे से मुहब्बत करने का संदेश देता है। किसी भी धर्म में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। चाहे वह हिंदू हो, मुसलमान या ईसाई हो, हर धर्म का सम्मान करना चाहिए। बैद्यनाथ राम बुधवार को ईद मिलादुन्नबी के मौके पर लातेहर जिला स्टेडियम में आयोजित समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। यह आयोजन अंजुमन इस्लामिया ने किया था। सर्वधर्म समभाव की चर्चा करते हुए उन्होंने आपसी एकता और भाईचारे पर बल दिया। सांसद ने कहा कि हमें हजरत मोहम्मद साहब के बताए मार्ग पर चलना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंजुमन इस्लामिया के सदर आफताब आलम व सचिव रिजवान अली ने की। मंच संचालन हाफिज बरकत आलम ने किया। अंजुमन के सदर आफताब आलम व सचिव रिजवान अली ने सांसद को बुके व पौधा भेंट कर सम्मानित किया। मुफ्ती मोदस्सीर अमजदी, मौलाना वारिश जमाल, मौलाना रजाउल्लाह व मौलाना परवेज अशरफ ने समाज के लोगों से पैगंबर हजरत मोहम्मद के बताये रास्ते पर चलने की अपील की। मौके पर हाफिज वसीम, गुलाम जाबिर, महबूब हसन, खुशनूर, मौलाना मकसूद, जावेद खान, सुदामा प्रसाद गुप्ता, विशाल कुमार, दीपक कुमा व अन्य मौजूद थे। इससे पहले विभिन्नग इंतजामिया कमेटियों ने शहर में जश्न-ए-मिलादुन्नरवी जुलूस निकाला।

पिता ने छह माह के बच्चे को पटककर मार डाला

हजारीबाग(नबिटा ब्यूरो)। जिले के कटकमसांडी थाना क्षेत्र में एक पिता ने घरेलू विवाद के दौरान अपने छह वर्षीय बेटे की कथित तौर पर हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। मृतक बच्चे की पहचान अंश कुमार के रूप में हुई है। बच्चे की मां निराली कुमारी ने कटकमसांडी थाना में आवेदन देकर अपने पति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। आवेदन के अनुसार घर में सास के साथ उनके विवाद के दौरान पति आकाश कुमार वहां पहुंचे। आरोप है कि आकाश कुमार ने कमरे में बेड पर सो रहे अंश को उठाया और घर के पीछे कुएं के पास ले गए। वहां ढलाई किए हुए फर्श पर बच्चे को पटक दिया। इससे अंश गंभीर रूप से घायल हो गया। निराली कुमारी ने घायल अंश को लेकर हजारीबाग पहुंचीं जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बच्चे को रिम्स, रांची रेफर कर दिया। हालांकि रांची पहुंचने से पहले ही अंश की मौत हो गई।

नए कानून से देश में खनिज का एक रेट हो जाएगा : रघुवर दास

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में इन दिनों एमएमडीआर विधेयक को लेकर पक्ष-विपक्ष के बीच घमासान मचा हुआ है। एक तरफ राज्य सरकार ने इसे मालिकाना हक छीनने वाला बताया तो दूसरी ओर विपक्ष का कहना है कि नए कानून से एक देश में खनिज का एक रेट हो जाएगा। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने हेमंत सरकार को आड़े हाथों लिया है। एमएमडीआर की सराहना करते हुए रघुवर दास ने हेमंत राज में चल रहे अवैध कोल माइनिंग से लेकर डीएमएफटी में लूट पर सवाल खड़ा करते हुए झारखंड को लूटखंड बनाने का आरोप लगाया है। बीजेपी प्रदेश कार्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि झामुमो इसको गलत बताकर जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने मीडिया में आई खबर का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में किस तरह अवैध रूप से कोयला का उत्खनन हो रहा है, वह जगजाहिर है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने झारखंड को लूटखंड बना दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने एमएमडीआर संशोधन को राज्यहित में बताते हुए कहा कि माइनिंग टैक्स और वैधानिक भुगतान का लगभग 90% राशि राज्यों को जाता है, जो आगे भी जारी रहेगा। एमएमडीआर संशोधन विधेयक से जनजाति क्षेत्र में विकास होने का दावा करते हुए रघुवर दास ने कहा कि केंद्र सरकार लगातार जनजाति क्षेत्र के विकास के लिए कई योजना संचालित कर रही है। उन्होंने अपने कार्यकाल में चलाए गए लोकहित से जुड़ी कई योजनाओं को हेमंत सरकार द्वारा बंद किए जाने पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए हमारी सरकार ने एक रुपए में 50 लाख तक की संपत्ति की रजिस्ट्री की व्यवस्था की थी, मगर इसे भी बंद कर दिया गया। इसके अलावा इस सरकार ने किसानों के सम्मान के लिए शुरू की गई प्रति एकड़ पांच हजार रुपए देने की योजना को भी बंद कर दिया और जब चुनाव आया तो उन्हें मंईयां याद आने लगी। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि इस सरकार ने महिलाओं, युवाओं और किसानों के साथ विश्वासघात किया है। आज राज्य में विश्वास का संकट है। हालत यह है कि आज राज्य में इस सरकार पर न तो व्यवसायी विश्वास कर रहे हैं न ही किसान विश्वास कर रहे हैं और न ही छात्र विश्वास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार 1100 करोड़ रुपए के सेस का रोना रो रही है लेकिन आंकड़े सरकार की नीयत में खोट को उजागर करते हैं। उन्होंने कहा कि डीएमएफटी फंड में किस तरह से लूट हुआ है, वह सबके सामने है।

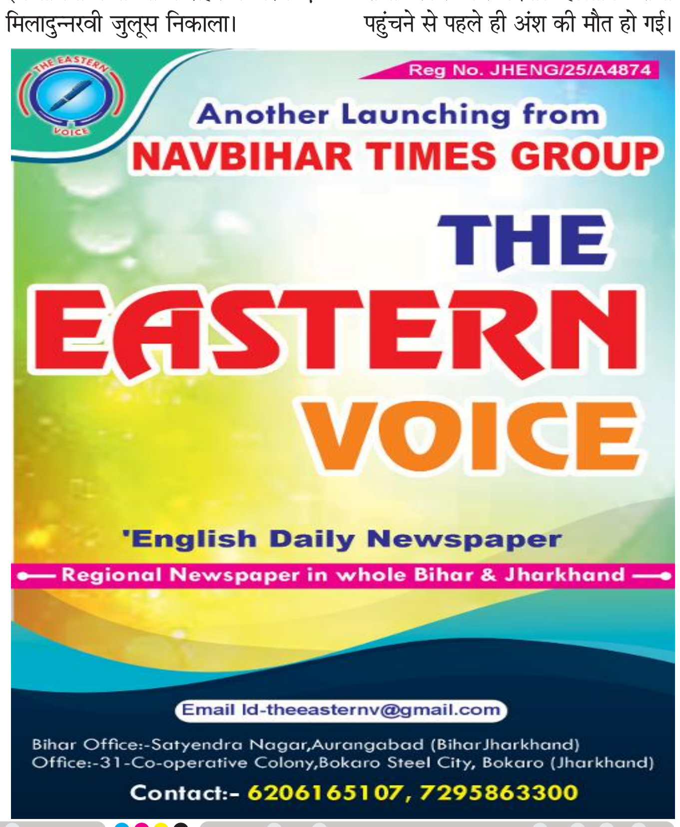

C M Y K

मजदूरों के हितों की अनदेखी नहीं होने देंगे : सुरजीत नागवाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। एनटीपीसी केरेडारी माइंस के एमडीओ बीजीआर माइंस परिसर में मजदूरों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के प्रतिनिधियों और बीजीआर प्रबंधन के बीच उच्चस्तरीय वार्ता आयोजित की गई। वार्ता में मजदूरों के वेतन वृद्धि, स्किल अपग्रेडेशन और हाई पावर कमेटी (लढउ) की सिफारिशों को लागू करने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। वार्ता में प्रबंधन की ओर से एचआर प्रोजेक्ट प्रमुख श्रीनिवास राव मौजूद थे। वहीं क्छळ्वउ एवं कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व क्छळ्वउ के प्रदेश प्रवक्ता सह झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव सुरजीत नागवाला, क्छळ्वउ के प्रदेश सचिव धीरज सिंह, बीजीआर यूनिट अध्यक्ष परमेश्वर कुमार और कांग्रेस के जिला प्रवक्ता मनोज नारायण भगत ने किया। बैठक के दौरान सुरजीत नागवाला ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मजदूरों के हितों की अनदेखी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि मजदूरों की जायज मांगों को पूरा करना प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और यूनियन मजदूरों के अधिकारों की लड़ाई मजबूती से जारी रखेगी। वहीं कांग्रेस कमेटी के जिला प्रवक्ता मनोज नारायण भगत ने प्रबंधन से मजदूरों के कल्याण एवं अधिकारों के प्रति गंभीरता दिखाने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए विशेष पहल करने का आग्रह किया। वार्ता के मुख्य बिंदु वेतन वृद्धि एवं लढउ लागू करना, मजदूरों को नियमानुसार हाई पावर कमेटी की दर के अनुरूप वेतन भुगतान सुनिश्चित करने की मांग रखी गई। इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई। स्किल अपग्रेडेशन पर सहमतिः मजदूरों की कार्यकुशलता बढ़ाने, बेहतर अवसर उपलब्ध कराने और पदोन्नति में सहयोग के उद्देश्य से नियमित प्रशिक्षण एवं स्किल अपग्रेडेशन पर सहमति बनी। प्रबंधन का सकारात्मक आश्वासन : बीजीआर प्रबंधन की ओर से एचआर प्रोजेक्ट प्रमुख श्रीनिवास राव ने सभी मांगों को गंभीरता से सुना और विश्वास दिलाया कि प्रबंधन मजदूरों की समस्याओं का जल्द सकारात्मक समाधान निकालने की दिशा में आवश्यक कदम उठाएगा। बैठक में सुनील कुमार, तथागत विजित, रॉकी सिन्हा, मंटू सिंह, रामधारी यादव, जितेंद्र गोस्वामी, संदीप सिंह, प्रमोद सिंह, मणिलाल वर्मा, संतोष गुप्ता, गुड्डू गुप्ता, दिलीप यादव, पंकज पासवान, मनोज कुमार सहित केरेडारी क्छळ्वउ के अमरजीत कुमार, अनिल कुमार, विनय कुमार, महेश प्रजापति, रविंद्र कुमार, दिलेश्वर कुमार, प्रदीप कुमार, नारायण कुमार और दिनेश कुमार समेत सैकड़ों मजदूर एवं यूनियन प्रतिनिधि उपस्थित थे। वार्ता के बाद यूनियन प्रतिनिधियों ने कहा कि मजदूरों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रबंधन के साथ आगे भी संवाद जारी रहेगा और किसी भी स्थिति में मजदूरों के हितों की अनदेखी नहीं होने दी जाएगी।

श्रावण मास में भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता के आवास पर जैन समाज के पदाधिकारियों का आगमन

जैन समाज की मंत्राणी श्रीमती आशा जी एवं मीडिया प्रभारी श्री विजय जैन का हुआ आत्मीय स्वागत, श्रावण मास के उपहार के लिए शेफाली गुप्ता ने जताया आभार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। श्रावण मास के पावन एवं धार्मिक अवसर पर जैन समाज की मंत्राणी आदरणीय श्रीमती आशा जी एवं मीडिया प्रभारी श्री विजय जैन जी का भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता के आवास पर स्नेहपूर्ण आगमन हुआ। इस अवसर पर शेफाली गुप्ता ने दोनों अतिथियों का आत्मीयता के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुलाकात के दौरान श्रावण मास की धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्ता पर चर्चा हुई। वातावरण आपसी स्नेह, सम्मान और सौहार्द से परिपूर्ण रहा। जैन समाज के पदाधिकारियों के आगमन से शेफाली गुप्ता ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आत्मीय मिलन सामाजिक समरसता, आपसी सहयोग और पारिवारिक संबंधों को और मजबूत करते हैं। इस अवसर पर आदरणीय श्रीमती आशा जी ने श्रावण मास के पावन अवसर पर स्नेहपूर्वक उपहार भेंट किया। उपहार स्वीकार करते हुए शेफाली गुप्ता ने हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि यह स्नेह एवं आत्मीयता उनके लिए अत्यंत सम्मान और प्रसन्नता का विषय है। शेफाली गुप्ता ने जैन समाज के सभी सदस्यों के प्रति शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए श्रावण मास की पवित्र भावना को जीवन में अपनाने तथा समाज में प्रेम, शांति, सेवा और सद्भावना को बढ़ावा देने का संदेश दिया। वहीं, जैन समाज के पदाधिकारियों ने भी सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में आपसी सहयोग और सहभागिता को आगे बढ़ाने की भावना व्यक्त की। इस आत्मीय मुलाकात ने सामाजिक सौहार्द और आपसी संबंधों की मजबूती का संदेश दिया। मौके पर उपस्थित लोगों ने भी अतिथियों का स्वागत करते हुए श्रावण मास की शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त समाचार

अभिजीत जीवन केयर मेडिकल व लघु अस्पताल का हुआ उद्घाटन, क्षेत्रवासियों को मिलेगी स्वास्थ्य सुविधा

चौपारण/हजारीबाग (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सुबोध प्रजापति के घर ह्यअभिजीत जीवन केयरह्व मेडिकल एवं लघु अस्पताल का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में मुखिया जानकी यादव, भाजपा नेता विकास यादव, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि बैजनाथ साव, मुखिया प्रतिनिधि हेलाल अख्तर तथा उपमुखिया प्रतिनिधि मो. मतीन सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। अस्पताल के उद्घाटन से क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल देखा गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने कहा कि ग्रामीण एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता बेहद जरूरी है। स्थानीय स्तर पर चिकित्सा सुविधा मिलने से लोगों को छोटी-बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए दूर-दराज के अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा। इससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी। अस्पताल प्रबंधन की ओर से बताया गया कि अभिजीत जीवन केयर में मानव जीवन से जुड़ी विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। लघु अस्पताल के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को प्राथमिक स्तर की चिकित्सा, स्वास्थ्य जांच एवं जरूरत के अनुसार उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है। अस्पताल का उद्देश्य लोगों को सुलभ और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित लोगों ने अस्पताल के सफल संचालन और क्षेत्रवासियों के लिए उपयोगी साबित होने की शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने कहा कि किसी भी क्षेत्र के विकास में शिक्षा के साथ स्वास्थ्य सुविधाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर अस्पताल और चिकित्सा केंद्र का संचालन निश्चित रूप से लोगों के लिए लाभकारी साबित होगा। कार्यक्रम में समाजसेवी डॉ. सकलदेव पोद्दार, राजेश चौधरी, सुबोध प्रजापति, राजेश कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने अस्पताल के संचालक को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि अभिजीत जीवन केयर क्षेत्र के लोगों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

लगातार प्रकाशित खबरों का असर, डॉ. नफीस अंजुम को केरेडारी सीएचसी के प्रभारी पद से हटाया गया

केरेडारी/हजारीबाग (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। केरेडारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था और मरीजों के इलाज में कथित लापरवाही को लेकर लगातार प्रकाशित हो रही खबरों का असर अब दिखाई देने लगा है। डॉ. नफीस अंजुम को केरेडारी सीएचसी के प्रभारी पद से हटा दिया गया है। हाल ही में केरेडारी क्षेत्र में सर्पदंश के दो मरीजों की मौत के बाद सीएचसी की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे थे। 15 अगस्त की रात चट्टी पेटो निवासी छह वर्षीय राजन कुमार और बड़का आम निवासी सुमन देवी को सांप के डंसने के बाद केरेडारी सीएचसी लाया गया था। परिजनों और ग्रामीणों का आरोप था कि अस्पताल में समय पर समुचित उपचार और एंटी-वेनम उपलब्ध नहीं कराया गया, जिसके बाद दोनों मरीजों को हजारीबाग रेफर किया गया। हजारीबाग पहुंचने पर दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सीएचसी के बाहर विरोध प्रदर्शन करते हुए स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की थी। मामले को लेकर जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम ने भी केरेडारी सीएचसी पहुंचकर अस्पताल की व्यवस्था का जायजा लिया था। सर्पदंश से हुई मौतों के बाद ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने सीएचसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए प्रभारी डॉ. नफीस अंजुम समेत संबंधित चिकित्सकों की भूमिका की जांच की मांग की थी। अब डॉ. नफीस अंजुम को प्रभारी पद से हटाए जाने के बाद लोगों को उम्मीद है कि केरेडारी सीएचसी में 24 घंटे चिकित्सकीय सेवा, एंटी-वेनम समेत आवश्यक दवाओं की उपलब्धता और मरीजों को बेहतर उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित होगी। लगातार खबरों के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई को लेकर स्थानीय लोगों में चर्चा है। हालांकि, सर्पदंश से हुई मौतों में चिकित्सकीय लापरवाही की जिम्मेदारी जांच के निष्कर्ष के बाद ही स्पष्ट होगी।

हजरत मोहम्मद (स) साहब के जन्म दिवस पर निकला जुलूस व प्रभात फेरी

अररिया (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बुधवार को इस्लाम धर्म के प्रवर्तक व आखरी पैगंबर हजरत मोहम्मद (स०) साहब के जन्मदिवस के मौके पर जिले भर से भव्य जुलूस निकला । पंद्रह सौ साला जश्न ईद मिलादुन्नबी जिले के जोकीहाट थाना क्षेत्र के चिरह गांव के दरगाह चिरह शरीफ से चलकर जिला मुख्यालय स्थित सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम पहुंचा, जहां जुलुश एक सभा में परिणत हो गया। इस मौके पर रामपुर, डुमरिया, रामपुर कोदरकट्टी, अररिया सदर वगैरह गांव से जुलूस जिला मुख्यालय पहुंचा और प्रोग्राम का आगाज हाफिज नईम द्वारा कुरान पाक की तिलावत से शुरू हुआ ,उसके बाद नात पाक पढ़ा गया। जबकि प्रोग्राम का संचालन मौलाना मनोव्वर रेजा साहब रामपुर ने किया और ईद मिलादुन्नबी के आमद पर तकरीर मुफ्ती हबीबुर रहमान, जुबैर आलम साहब, मौलाना जफर, मौलाना कैसर,मौलाना माजिद मौलाना रईस उद्दीन, मौलाना शफीक ने किया। प्रोग्राम का समापन सलाम व दरूद पाक अदा कर दुआ से किया तथा पूरे संसार के लिए शांति , अमन चैन और मुहब्बत, भाई चारा कायम करने के लिए दुआ की गई। मौके पर चिरह के मुखिया शाहिद आलम, पूर्व मुखिया शहजाद, मो मुशाहिद आदि युवा जुलूस के साथ साथ शामिल थे । मिली जानकारी अनुसार अहले सुबह बुधवार को इस जुलूस को जिले के गांव, शहर, गली मोहल्लों में भ्रमण कराया गया। वहीं जोकिहाट प्रखंड के चिरह, उदा, तुरकैली, अररिया प्रखंड से रामपुर कदरकट्टी, गाछी टोला आदि जगहों से जुलूस शान्ति पूर्वक निकाला गया। इधर इस्लामिक जानकार व उलेमाओं ने कहा के मिलादुन्नबी यानी इस्लाम धर्म के संस्थापक पैगंबर मोहम्मद साहब का जन्म दिन रविअव्वल महीने की 12 तारीख को मनाया जाता है । हजरत मोहम्मद साहब का जन्म मक्का (सऊदी अरब) में हुआ था, उनके वालिद साहब का नाम अब्दुल्लाह बिन अब्दुल मुख्तलिब था और वाल्दा का नाम आमेना था।

छात्रों के अधिकार को लेकर देवेंद्र महतो के समर्थन में उतरा प्रेस क्लब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण हजारीबाग। छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो के आंदोलन को बुधवार को चौपारण में प्रेस क्लब का समर्थन मिला। प्रेस क्लब चौपारण के अध्यक्ष शंकर यादव ने अपनी टीम के साथ देवेंद्र महतो एवं उनके समर्थकों का स्वागत किया और छात्र हित से जुड़े मुद्दों पर समर्थन जताया। इस दौरान उन्होंने अपनी बाइक से समर्थकों के साथ चौपारण चतरा मोड़ से केंदुआ मोड़ तक रैली में भाग लिया। रैली के दौरान शंकर यादव ने कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा कोई भी मामला बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए। छात्र-छात्राएं बेहतर भविष्य की उम्मीद के साथ वर्षों तक मेहनत करते हैं। ऐसे में किसी प्रकार की लापरवाही, मनमानी या विवाद का असर उनके शैक्षणिक भविष्य पर पड़ना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि छात्रों से जुड़े मामलों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। जांच में यदि किसी की गलती सामने आती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर उचित समाधान निकालने की मांग की। देवेंद्र महतो के समर्थकों ने कहा कि आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि छात्रों के अधिकार और न्याय की मांग को लेकर है। उन्होंने कहा कि मामले का समाधान होने तक लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाई जाती रहेगी। शंकर यादव ने कहा कि पत्रकारिता से जुड़े लोगों की जिम्मेदारी है कि विद्यार्थियों और समाज से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से सामने लाया जाए। उन्होंने अधिकारियों से जल्द सकारात्मक पहल करने की मांग की, ताकि किसी भी छात्र का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित न हो। रैली में अजय ठाकुर, शशि शेखर, उमेश पासवान, वीरेंद्र शर्मा, अरविंद कुमार सिंह, अभिमन्यु सिंह, कृष्णा पासवान, चंदन कुमार, मोनू सिंह, मो. फैजान अजमेरी, संतोष कुमार, मिथुन कुमार समेत बड़ी संख्या में छात्र एवं समर्थक शामिल हुए।

उपायुक्त पलामू के नाम से फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट, जिला प्रशासन ने किया सतर्क

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। जिला प्रशासन, पलामू के संज्ञान में आया है कि उपायुक्त पलामू श्री दिलीप प्रताप सिंह शेखावत के नाम से फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट बनाकर पदाधिकारियों एवं कर्मियों से संपर्क किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने सभी पदाधिकारियों, कर्मियों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं आमजनों को सतर्क एवं सचेत रहने की अपील की है। किसी भी अनजान नंबर से उपायुक्त अथवा जिला प्रशासन के नाम से प्राप्त कॉल, मैसेज अथवा व्हाट्सएप चैट की प्रामाणिकता की पूरी तरह जांच एवं अधिकृत माध्यम से सत्यापन करने के बाद ही जवाब दें। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आधिकारिक संवाद अधिकृत एवं आधिकारिक माध्यमों से ही किया जाता है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, यूट्यूब अथवा अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से उपायुक्त अथवा जिला प्रशासन के नाम से प्राप्त किसी भी संदिग्ध संदेश या संपर्क पर बिना सत्यापन के विश्वास न करें। ऐसे किसी भी संदिग्ध अकाउंट अथवा संदेश की जानकारी तत्काल जिला प्रशासन अथवा संबंधित साइबर थाना को दें।

विधायक ने किया आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण हजारीबाग। सिंघरावां पंचायत के टीटही गांव में नवनिर्मित आयुष्मान आरोग्य मंदिर सह उप स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन बुधवार को बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने फीता काटकर किया। केंद्र के शुरू होने से टीटही सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि ग्रामीण और सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि उप स्वास्थ्य केंद्र के संचालन से ग्रामीणों को सामान्य बीमारियों के इलाज और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दूर-दराज के अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों से भी ग्रामीणों को बेहतर सेवा उपलब्ध कराने की अपील की। उद्घाटन के अवसर पर एएनएम, स्वास्थ्य सहिया और आसपास के महिला मंडलों की महिलाओं ने शिव चर्चा एवं विशेष पूजा-अर्चना की। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच नवनिर्मित भवन का गृह प्रवेश कराया गया। इस दौरान पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में नजर आया। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि सहदेव प्रसाद यादव, मुखिया संघ अध्यक्ष बीरेंद्र रजक, स्थानीय मुखिया संतोष सिंह, पंचायत समिति सदस्य विजय मधेसिया, भाजपा नेता देवल यादव, राजेंद्र चंद्रवंशी, राजेश रवानी, प्रकाश चंद्रवंशी, दिनेश यादव, राजेश यादव, संजू साव, बबलू साव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। ग्रामीणों ने गांव में स्वास्थ्य केंद्र शुरू होने पर खुशी जताते हुए इसे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण सुविधा बताया।

विभावि के गृह विज्ञान विभाग में गुरुवार को होगी एक दिवसीय संगोष्ठी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर गृह विज्ञान विभाग में गुरुवार को एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। यह जानकारी गृह विज्ञान विभाग के अध्यक्ष सह समाज विज्ञान के संकायाध्यक्ष डॉ रेणु बोस ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि संगोष्ठी का विषय हैः "रोजगार के माध्यम से महिला सशक्तिकरण और भारत में उनकी रोजगार की स्थिति"। बताया किया संगोष्ठी 'डुएल मॉड' अर्थात ऑफलाइन और ऑनलाइन, दोनों ही मोड में आयोजित की जाएगी। डॉ बॉस ने बताया की संगोष्ठी में भारत के सुप्रसिद्ध "अविनाशीलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर वूमेन" के "द स्कूल आफ होम साइंस" में गृह विज्ञान के संकायाध्यक्ष डॉ एम सिल्विया शुभप्रिया ने ऑनलाइन संगोष्ठी को संबोधित करने हेतु सहमति प्रदान की है। डॉ बॉस ने आगे बताया कि इस संबंध में फूड साइंस एंड न्यूट्रिशन विभाग के अध्यक्ष प्रो पी ए राजेश्वरी, रिसोर्स मैनेजमेंट विभाग के अध्यक्ष प्रो आर जयागौरी तथा टेक्सटाइल और क्लॉथिंग विभाग के अध्यक्ष, प्रो एन वासुगी राजा से भी उनकी बातचीत हुई है। बताया कि समय मिलने पर इनमें से कई वक्ता संगोष्ठी को संबोधित कर सकते हैं। ज्ञात हो कि अविनाशीलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस भारत में गृह विज्ञान का सबसे बड़ा और ख्याति प्राप्त संस्थान है। इसकी स्थापना 1957 में पद्मभूषण डॉ टिएस अविनाशीलिंगम के द्वारा की गई थी तथा 1988 में इसे डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त हुआ। यह भारत का पहला 'गृह विज्ञान पर समर्पित संस्थान' है तथा गृह विज्ञान के सभी विधाओं के अध्ययन की उच्च स्तरीय व्यवस्था यहां की गई है। इसे नैक ए-प्लस-प्लस ग्रेड प्राप्त है तथा यहां से प्रकाशित शोध पत्रिका भारत में गृह विज्ञान का आधार पत्रिका के रूप में स्थापित है। डॉ बॉस ने बताया कि संगोष्ठी में विभागीय प्राध्यापक डॉ गायत्री साहू, डॉ ममता कश्यप तथा डॉ मृदुला भारती बढ़ चढ़कर योगदान कर रही हैं।

निकला मोहम्मदिया जुलूस, गूंजे सरकार की आमद मरहबा के नारे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। ईद मिलाद उन नबी के अवसर पर बुधवार को गिरिडीह शहरी क्षेत्र से लेकर मुफस्सिल इलाकों तक मोहम्मदिया जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हुए। इस दौरान पूरा क्षेत्र धार्मिक उत्साह और जश्न के माहौल में नजर आया। जुलूस में झारखंड सरकार के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू भी शामिल हुए। लोगों ने उन्हें ईद मिलाद-उन-नबी की मुबारकबाद दी। जुलूस में शामिल लोग हाथों में धार्मिक झंडे और बैनर लेकर चल रहे थे। इस दौरान ह्यसरकार की आमद मरहबाह्व सहित विभिन्न नारों से पूरा इलाका गूंजता रहा।शहरी क्षेत्र के साथ मुफस्सिल इलाकों में भी जुलूस को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। प्रशासन और पुलिस की ओर से सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के लिए आवश्यक तैयारियां की गई थीं। इस अवसर पर लोगों ने पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब की शिक्षाओं और उनके बताए रास्ते को याद किया। जुलूस शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। आयोजन के दौरान आपसी भाईचारे, प्रेम और शांति का संदेश दिया गया।

खनिज संसाधनों पर झामुमो युवा मोर्चा की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । झारखंड मुक्ति मोर्चा युवा मोर्चा की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को परिषद भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष गौरव पटेल ने की, जबकि संचालन झामुमो के केंद्रीय सदस्य सह युवा मोर्चा जिला सचिव सुनील कुमार शर्मा ने किया। बैठक में खनिज एवं खनन विकास और विनियमन (एमएमडीआर) से जुड़े प्रावधानों तथा झारखंड के खनिज संसाधनों से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। जिला अध्यक्ष गौरव पटेल ने कहा कि झारखंड के जल, जंगल, जमीन और खनिज संसाधनों पर यहां की जनता के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि झारखंड खनिज संपदा से समृद्ध राज्य है और इन प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग राज्य के विकास, रोजगार सृजन तथा स्थानीय लोगों के हित में किया जाना चाहिए। खनिज संपदा से मिलने वाले लाभ में झारखंड की जनता का अधिकार सुनिश्चित होना आवश्यक है। वहीं केंद्रीय सदस्य सह युवा मोर्चा जिला सचिव सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा खनिज संसाधनों से संबंधित ऐसे किसी भी निर्णय का विरोध किया जाएगा, जिससे झारखंड के अधिकारों और हितों का हनन होता हो। उन्होंने बताया कि सात सितंबर को प्रस्तावित प्रखंड स्तरीय धरना-प्रदर्शन से पूर्व युवा मोर्चा के कार्यकर्ता सभी प्रखंडों में जाकर कार्यकताओं और आम लोगों से संवाद करेंगे। इस दौरान एमएमडीआर से झारखंड को होने वाले संभावित नुकसान की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाएगी। बैठक में कार्यकताओं से एमएमडीआर और खनिज संसाधनों से जुड़े मुद्दों को गांव-गांव तक पहुंचाने तथा लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया गया। साथ ही झारखंड के अधिकारों की आवाज को मजबूती से उठाने का संकल्प लिया गया। बैठक में इचाक प्रमुख प्रतिनिधि सिकेंद्र कुमार दास, कटकमदाग प्रखंड अध्यक्ष पप्पू कुमार, तुलसी मेहता, मनोज मेहता, धर्मेंद्र ठाकुर, सुशील ओझा, सोनू गोस्वामी, विकास यादव, अभिषेक कुमार सहित विभिन्न प्रखंडों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

धूमधाम से मनाया गया पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब का जन्मदिन

जुलूस में दिखा सामाजिक सद्भाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजी नगर/रसूलपुर। प्रखंड क्षेत्र में पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन के अवसर पर धार्मिक श्रद्धा, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ जुलूस निकालकर जश्न मनाया गया इस अवसर पर क्षेत्र के बंधार पंचायत अंतर्गत समीरा सुन्नी जमा मस्जिद, परशुराम, नूरगंज, हबका, रहटौली, शाहिद सहित आसपास के कई गांवों में धार्मिक माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में बच्चे, नौजवान एवं अन्य लोग जुलूस में शामिल हुए। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन के मौके पर निकाले गए जुलूस में लोगों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

जुलूस विभिन्न गांवों से गुजरते हुए निर्धारित मार्गों पर निकाला गया। इस दौरान क्षेत्र में आपसी भाईचारे और धार्मिक सौहार्द का माहौल बना रहा कार्यक्रम को लेकर समीर सनी जमा मस्जिद, परशुराम में लंगर का भी आयोजन किया गया। लंगर में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया।

आयोजन में स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी निभाई। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मौलाना मोहम्मद मुराद ने बताया कि पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन के अवसर पर जुलूस निकाला गया, जिसमें काफी संख्या में बच्चे और नौजवानों के साथ क्षेत्र के अन्य लोग भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि लोगों ने पूरे धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के साथ इस अवसर को मनाया जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हथौड़ी थाना अध्यक्ष मौसम पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन द्वारा जुलूस पर नजर रखी गई। और शांतिपूर्ण तरीके से कार्यक्रम संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्था की गई मौके पर मोहम्मद आजम, मोहम्मद आहिल, मोहम्मद अजहर, मोहम्मद अयान, चांद बाबू, मोहम्मद सोनू, मोहम्मद परवेज, राजा बाबू, मोहम्मद गुड्डू, मोहम्मद एजाजुल मियां, मोहम्मद करमान, कारी गुफरान, मोहम्मदपुर, मोहम्मद बच्ची, मोहम्मद मोहसिन, मोहम्मद नबील सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे पूरे कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में उत्सवी माहौल बना रहा और लोगों ने अमन, शांति, भाईचारे एवं आपसी सौहार्द का संदेश दिया।

लंगर का भी किया गया आयोजन

रसूलपुर से संवाददाता के अनुसार थाना क्षेत्र में मोहम्मद साहब का जन्मदिन सामाजिक सद्भाव के साथ बुधवार को मना। रसूलपुर चट्टी पर मुस्लिम समुदाय द्वारा निकले जुलूस में हिन्दू धर्म के लोग ने भी भाग लिया और एक दूसरे को बधाई दी।कादरी जामा मस्जिद से निकला जुलूस रसूलपुर मठिया पीर बाबा स्थान पहुंचा, जहां पहले से पहुंचे विभिन्न वर्गों के लोगों ने मुखिया प्रतिनिधि मिथिलेश प्रसाद, उपमुखिया,मनोज सोनी नन्हें ,सरपंच प्रतिनिधि विकास कुमार की अगुआई में स्वागत किया।मौके पर थानाध्यक्ष प्रिंस राज पुलिस बल के साथ मौजूद रहे और शांति व सद्भाव रूप से सम्पन्न जूलूस के लिए बधाई दी। जूलूस में मस्जिद के इमाम मौलाना मो शब्बीर मिस्बाही,वार्ड सदस्य फिरोज, पूर्व सरपंच मुर्तजा,सदर सेकेंड्री आरिफ मंसूर, सद्दाम सिद्दीकी, फिरोज सिद्दीकी ,बाबू राजा आदि ने जुलूस का नेतृत्व किया।

लोगों में दिखा गंगा-जमुनी संगम

नीट परीक्षा को लेकर सरकार सख्त

केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में लागू रहेगी निषेधाज्ञा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। आगामी 30 अगस्त को होने वाली नीट-पीजी परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। परीक्षा को कदाचारमुक्त, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए चारों परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, पुलिस पदाधिकारियों और दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। परीक्षा केंद्रों के आसपास किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

परीक्षा केंद्रों पर असामाजिक तत्वों के जुटने और विधि-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए रांची सदर के अनुमंडल दंडाधिकारी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की है। यह आदेश 30 अगस्त को सुबह 6 बजे से अपराह्न 3:30 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में कई गतिविधियों पर प्रतिबंध रहेगा।

निषेधाज्ञा के तहत पांच या उससे अधिक लोगों के एक स्थान पर एकत्र होने, किसी भी प्रकार की बैठक या आमसभा करने और ध्वनि विस्तारक यंत्रों के इस्तेमाल पर रोक रहेगी।

इसके अलावा लाठी-डंडा, तीर-धनुष, गड़ासा, भाला समेत अन्य अस्त्र-शस्त्र तथा बंदूक, राइफल, रिवॉल्वर और बम आदि रखने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। प्रशासन का उद्देश्य परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा या कानून-व्यवस्था की स्थिति को रोकना है। रांची जिले में नीट-पीजी परीक्षा के लिए चार परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं।

गंगा में नाव पलटी, 6 लोग लापता

मची चीख-पुकार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। नवगछिया पुलिस जिला अंतर्गत खरीक प्रखंड के राघोपुर इलाके में गंगा नदी में बड़ा नाव हादसा सामने आया है। मजदूरों को लेकर नदी पार कर रही नाव गंगा की तेज धारा के बीच अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। नाव पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई और देखते ही देखते कई मजदूर गंगा की तेज धार में बहने लगे।

जानकारी के मुताबिक, नाव पर कुल 18 मजदूर सवार थे, जो मजदूरी के लिए नदी पार कर रहे थे। हादसे के बाद 12 मजदूर किसी तरह तैरकर सुरक्षित घाट तक पहुंचने में कामयाब रहे। वहीं, करीब छह मजदूरों के लापता होने की आशंका जताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम मोटरबोट के साथ मौके पर पहुंची। इसके बाद गोताखोरों की मदद से लापता मजदूरों की तलाश में सघन रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। स्थानीय ग्रामीण और गोताखोर भी बचाव अभियान में सहयोग कर रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नाव पलटने के दौरान कुछ मजदूरों के नाव के नीचे दबे होने की भी आशंका है। ऐसे में रेस्क्यू टीम नदी की तेज धारा के बीच नाव के आसपास भी लगातार तलाश कर रही है।

वहीं, हादसे का खौफनाक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें नाव पलटने के

बाद गंगा की तेज धारा में मची अफरा-तफरी और लोगों को अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष करते देखा जा सकता है। फिलहाल प्रशासन की निगरानी में राहत और बचाव अभियान जारी है। सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि गंगा की तेज धार में लापता मजदूरों को रेस्क्यू टीम कितनी जल्द सुरक्षित बाहर निकाल पाती है।

बच्चों से भरी स्कूल वैन पानी में पलटी

मझौलिया। रेनबो इंटरनेशनल एकेडमी की वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पानी में पलट गई। हादसे के समय वैन में करीब 11 बच्चे सवार बताए जा रहे हैं। वाहन के पानी में पलटते ही बच्चों में चीख-पुकार मच गई और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बच्चों की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और अपनी जान की परवाह किए बिना पानी में उतरकर रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला और उन्हें उनके घर पहुंचाया। हादसे में कुछ बच्चों के चोटिल होने की बात सामने आई है। हालांकि, राहत की बात रही कि किसी बच्चे की जान नहीं गई।

ग्रामीणों ने पानी में गिरे बच्चों के टिफिन और स्कूल बैग को भी काफी प्रयास के बाद बाहर निकाला। स्थानीय ग्रामीण मोहम्मद अमानुल्लाह ने बताया कि करीब 11 बच्चों को सुरक्षित निकालकर उनके घर पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया।

नेपाल में बाढ़ के बाद बिहार में खतरे के संकेत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बगहा। नेपाल में भारी भूस्खलन और बाढ़ की सूचना के बाद गंडक नदी में अचानक पानी बढ़ने की आशंका को देखते हुए बगहा अनुमंडल प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। गंडक नदी के किनारे और निचले इलाकों में बसे लोगों को सतर्क करते हुए प्रशासन की ओर से लगातार माइकिंग कराई जा रही है।

लोगों से अपील की जा रही है कि वे अपने पशुओं समेत गंडक नदी के आसपास के निचले इलाकों को तत्काल खाली कर सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं।बगहा अनुमंडल के नगर क्षेत्र में प्रशासन की ओर से विभिन्न इलाकों में माइकिंग कर लोगों को संभावित खतरे से अवगत कराया जा रहा है।

खासकर गंडक नदी के किनारे बसे परिवारों को नदी से दूरी बनाए रखने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है। कैलाश नगर में बगहा दो के अंचलाधिकारी वसीम अकरम ने मौके पर पहुंचकर लोगों से जगह खाली करने की अपील की। उन्होंने लोगों को समझाते हुए कहा कि किसी भी तरह का जोखिम नहीं लें और प्रशासन के निर्देश का पालन करते हुए सुरक्षित स्थान पर चले जाएं।इधर, मंगलपुर में राजस्व अधिकारी रवि प्रकाश चौधरी की मौजूदगी में भी लोगों को समझाकर गंडक नदी के तट से हटाया जा रहा है। प्रशासनिक टीम लोगों से लगातार संपर्क कर रही है और उन्हें नदी के किनारे नहीं रहने की सलाह

नदी किनारे रहने वालों से सतर्क रहने की अपील

दी जा रही है। वहीं, चकदहवा में भी माइकिंग कर निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा जा रहा है।

प्रशासन की टीम संवेदनशील क्षेत्रों में पहुंचकर स्थिति पर नजर बनाए हुए है। प्रशासन की ओर से लोगों को विशेष रूप से अपने पशुओं को भी सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की अपील की गई है। प्रशासन ने संभावित स्थिति से निपटने के लिए जरूरत पड़ने पर सामुदायिक रसोई संचालित करने की व्यवस्था भी तैयार रखने की बात कही है। यदि लोगों को सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित करना पड़ता है तो उनके रहने और भोजन की व्यवस्था प्रशासन की ओर से की जाएगी।

संबंधित कर्मियों को भी संवेदनशील इलाकों पर नजर रखने और लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

बगहा दो के सीओ वसीम अकरम ने बताया कि बगहा दो प्रखंड क्षेत्र में गंडक नदी के किनारे माइकिंग करा दी गई है। लोगों से लगातार अपील की जा रही है कि वे गंडक नदी के किनारे से हटकर सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं। प्रशासन की ओर से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजने की व्यवस्था की जा रही है।

उन्होंने कहा कि नेपाल में भूस्खलन की स्थिति को देखते हुए किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा रही है और संवेदनशील इलाकों में प्रशासन की टीम लगातार निगरानी कर रही है।

महोत्सव का उद्घाटन आज

शेखपुरा। बरबीघा प्रखंड के कुशेढ़ी स्थित पंचवदन स्थान में इस वर्ष सावन की आस्था और लोकसंस्कृति का भव्य संगम देखने को मिलेगा। पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में यहां पहली बार राजकीय श्रावणी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

यह दो दिवसीय महोत्सव 27 और 28 अगस्त को होगा, जिसके लिए क्षेत्र के श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में विशेष उत्साह है। जिलाधिकारी शेखर आनंद महोत्सव की तैयारी की लगातार निगरानी कर रहे हैं।

महोत्सव का उद्घाटन 27 अगस्त को शाम पांच बजे होगा। पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर समाज कल्याण मंत्री डा. श्वेता गुप्ता और खाद्य व उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री डॉ. अशोक चौधरी भी अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। अशोक चौधरी ने मंदिर को सुसज्जित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आयोजन के दौरान दीप प्रज्ज्वलन, श्रावणी महोत्सव का उद्घाटन और अतिथियों का संबोधन होगा।

जलस्तर में वृद्धि को ले प्रशासन सतर्क

पानी की भयावहता ने लोगों को डराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीतामढ़ी। नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में अत्यधिक जलप्रवाह तथा संभावित ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (जीएलओएफ) से संबंधित सूचनाओं को देखते हुए जिला प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। प्रशासन ने संभावना जताई है कि नेपाल से आने वाली नदियों के जलप्रवाह में अगले 2-3 दिनों में अचानक वृद्धि हो सकती है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन, अंचल प्रशासन, पुलिस, आपदा प्रबंधन दल एवं संबंधित विभागों को नदी के जलस्तर, निचले इलाकों, संवेदनशील पुल-पुलियों एवं आवागमन मार्गों की लगातार निगरानी करने तथा आवश्यकता पड़ने पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन ने बैरगनिया, सुप्पी, मेजरगंज, बेलसंड, रुन्नीसैदपुर, रीगा एवं परसौनी क्षेत्र के नागरिकों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। लोगों से नदी के किनारे, नदी की धार, घाट, चचरी/अस्थायी पुल तथा निचले एवं कटाव-प्रवण क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से नहीं जाने को कहा गया है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि या तेज धारा दिखाई देने पर तत्काल सुरक्षित एवं ऊंचे स्थान की ओर चले जाएं। सुरक्षित स्थान जाने की सलाह मिलने पर किसी प्रकार की देरी न करें। बच्चों, वृद्धजनों, दिव्यांगों, गर्भवती महिलाओं एवं बीमार व्यक्तियों को प्राथमिकता के आधार पर पहले से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की अपील की गई है।

साथ ही लोगों से पशुओं को नदी किनारे अथवा निचले क्षेत्रों में खुला नहीं छोड़ने तथा प्रशासन एवं आपदा प्रबंधन विभाग से प्राप्त आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने की अपील की गई है। प्रशासन ने कहा है कि नदी के जलस्तर में तेजी से वृद्धि, सड़क अथवा पुल-पुलिया पर अत्यधिक पानी या किसी अन्य असामान्य स्थिति की जानकारी मिलने पर तत्काल स्थानीय प्रशासन, पंचायत प्रतिनिधि अथवा जिला आपदा नियंत्रण कक्ष संपर्क किया जा सकता है।

ईंट पत्थर से कूचकर युवक की हत्या

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से इस वक्त की एक बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आई है, जहां एक शख्स की ईंट-पत्थर से मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। घटनास्थल पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी है, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मृतक की पहचान 36 वर्षीय अशोक कुमार राय के रूप में की गई है। पूरा मामला मुजफ्फरपुर जिले के औराई थाना क्षेत्र के बेदौल ओपी इलाके का है। सुबह एक युवक का संदिग्ध स्थिति में शव देखा गया। शव पर जख्म के कई निशान मिले हैं, जिनसे प्रतीत होता है कि ईंट-पत्थर से मारकर युवक की हत्या की गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, कल रात करीब 7 बजे मृतक अपने घर से किसी काम को लेकर निकला था। लेकिन वापस नहीं लौटने के बाद परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका।

गंडक के जलस्तर में वृद्धि को ले तटबंधों की विशेष निगरानी

बुलाई गई हैं एसडीआरएफ की अतिरिक्त टीमें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। नेपाल में तिब्बत सीमा से लगे क्षेत्र में अचानक आई भीषण बाढ़ के बाद गंगा-गंडक नदी के जलस्तर में भारी वृद्धि की आशंका है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी कर गंडक तटबंध के साथ गंगा-गंडक के तटीय और निचले इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी है। तटीय क्षेत्रों में माइकिंग कर लोगों को अलर्ट रहने और ऊंचे स्थानों पर शरण लेने की अपील की जा रही है। विशेष परिस्थितियों में सूचना मिलते ही चिह्नित शरणस्थली पहुंचने के लिए तैयार रहने तथा शाम और रात में विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है।

गंडक एवं गंगा नदी के प्रमुख तटबंधों पर प्रति किलोमीटर के आधार पर दंडाधिकारियों एवं कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। संभावित रूप से प्रभावित अथवा विस्थापित परिवारों के लिए जिले में 100 बाढ़ राहत शिविर स्थल चिह्नित कर तैयार रखे गए हैं।

प्रभावित परिवारों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए 104 सामुदायिक रसोई केंद्र भी चिह्नित एवं तैयार रखे गए हैं। किसी भी आपात स्थिति, सहायता अथवा तटबंध से संबंधित सूचना के लिए जिला आपदा नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या-06224-260233 और 06224-260234 पर कॉल कर सकते हैं।

जिलाधिकारी वर्षा सिंह ने बुधवार को बताया कि गंडक के जलस्तर में करीब तीन मीटर तक संभावित वृद्धि को देखते हुए तिरहुत तटबंध की निगरानी बढ़ा दी गई है। विभागीय पदाधिकारियों के साथ होमगार्ड की भी प्रतिनियुक्ति की गई है।

बाढ़ नियंत्रण विभाग के अभियंता तटबंधों की सुरक्षा के लिए 24 घंटे सतत निगरानी एवं गश्ती कर रहे हैं, ताकि किसी भी संभावित स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। लालगंज बसंता जहानाबाद, हथसारगंज और बालादास मठ के समीप तटबंध पर विशेष निगरानी की जा रही है।

तेरसिया में भी सतर्कता बढ़ाई गई है। आपात स्थिति से निपटने के लिए शरणस्थली, सामुदायिक किचन, मेडिकल टीम, पालीथिन शीट, सूखा राशन, पशु चारा और पर्याप्त नाव की व्यवस्था की गई है। हर एक घंटे पर स्थिति की सूचना अपडेट की जा रही है। हर एक घंटे पर सूचना को अपडेट किया जा रहा है। नेपाल में भीषण बाढ़ के बाद गंडक में करीब ढाई लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से नदी उफान पर है। जिला प्रशासन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जनप्रतिनिधियों से लोगों को जागरूक करने की अपील की है। राघोपुर, महनार, हाजीपुर और लालगंज में एसडीआरएफ की टीमें तैनात हैं।

बंध्याकरण के बाद महिला की मौत, हंगामा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। जिले के अलीगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में बंध्याकरण ऑपरेशन के बाद एक महिला की तबीयत बिगड़ने और बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में ही मौत हो जाने का मामला सामने आया है।

मृतका की पहचान अलीगंज प्रखंड के कैथा गांव निवासी सुरेंद्र मांझी की 32 वर्षीय पत्नी किरण देवी के रूप में हुई है, जो छह बच्चों की मां थी।

घटना के बाद मंगलवार और बुधवार की मध्य रात्रि सदर अस्पताल परिसर में परिजनों ने जमकर हंगामा किया और स्वास्थ्यकर्मियों पर इलाज में घोर लापरवाही का आरोप लगाया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी कर बुधवार की दोपहर शव का पोस्टमार्टम कराया और उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

मृतका के आक्रोशित परिजनों ने गांव की ही आशा कार्यकर्ता आरती देवी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि आशा कार्यकर्ता किरण देवी को बहला-फुसलाकर और सरकारी योजना के तहत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि का प्रलोभन देकर बंध्याकरण कराने के लिए अलीगंज पीएचसी ले गई थी।

मंगलवार की शाम करीब चार बजे उसका ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद काफी समय बीत जाने पर भी जब उसे होश नहीं आया और हालत बिगड़ने लगी, तो स्वास्थ्यकर्मियों ने आनन-फानन में उसे जमुई सदर अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन जब तक अस्पताल पहुंचे, तब तक किरण ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया था।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस व स्वास्थ्य प्रशासन जांच में जुट गया है। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और चिकित्सकीय जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

विधायक की गिरफ्तारी पर अड़ा पुलिस एसोसिएशन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड पुलिस एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बुधवार को लगातार दूसरे दिन संवाददाता सम्मेलन कर डुमरी से झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के विधायक जयराम कुमार महतो की अगले पांच दिनों के भीतर गिरफ्तारी की मांग की है। सभी प्रक्रिया पूर्ण कर अविलंब गिरफ्तारी नहीं होने पर एसोसिएशन ने पूरे राज्य में आंदोलन की चेतावनी दी है। विधायक की अविलंब गिरफ्तारी को लेकर एसोसिएशन ने धनबाद के एसएसपी से पत्राचार किया है। एसोसिएशन के केंद्रीय अध्यक्ष राहुल कुमार मुर्मू ने अपने पत्र में बताया है कि झारखंड पुलिस एसोसिएशन की धनबाद शाखा ने केंद्रीय समिति को बताया कि 21 अगस्त की रात विधायक जयराम कुमार महतो ने वाट्सएप काल पर धनबाद के बरवाअड्डा थाना प्रभारी रवि कुमार से अभद्रता की।

गाली-गलौज की और अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हुए धमकी दी कि सरकार बदलने पर उन्हें खोजकर उनकी नौकरी बर्बाद करेंगे। इतना ही नहीं, विधायक अपने समर्थकों के साथ बरवाअड्डा थाना पहुंचकर थाना प्रभारी के टेबल पर रखे सामान को भी तितर-बितर करते हुए उनकी नाम पट्टिका को तोड़ दिया।

इस मामले में बरवाअड्डा थाने में 22 अगस्त को कांड संख्या 146/26 के तहत विधायक जयराम महतो व दस अन्य नामजद तथा 40-50 अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस घटना के बाद धनबाद सहित पूरे राज्य में पुलिस पदाधिकारी-पुलिसकर्मी आक्रोशित हैं।

झारखंड पुलिस एसोसिएशन की धनबाद शाखा ने उक्त घटना को विरोध में काला बिल्ला लगाकर विरोध जताया है और महासंघ से मांग किए हैं कि वे अनिश्चितकालीन अपने कर्तव्य पर नहीं लौटने पर सहमति दें। एसोसिएशन के अध्यक्ष राहुल मुर्मू ने यह भी बताया है कि विधायक जयराम कुमार महतो इंटरनेट मीडिया, प्रेस आदि के माध्यम से हर पल पुलिसकर्मियों के प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हुए वीडियो जारी कर रहे हैं।

तथ्य से परे बयान देकर वदीर्धारियों के सम्मान व गरिमा को ठेस पहुंचाया जा रहा है। संवैधानिक पद पर बैठे व संविधान के मंदिर में बैठने वाले का यह आचरण एसोसिएशन के सदस्यों को पीड़ा पहुंचा रही है।

विधायक ने जिस तरह से बरवाअड्डा थानेदार को धमकाया है, उससे यह प्रबंल आशंका है कि वे तथा उनके समर्थक बरवाअड्डा थानेदार व अन्य पदस्थापित पुलिसकर्मियों की जान-माल को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। प्रेस कांफ्रेंस के मौके पर अध्यक्ष राहुल कुमार मुर्मू के अलावा उपाध्यक्ष महताब आलम व रोहित कुमार रजक, संगठन सचिव मंटू कुमार, संयुक्त सचिव संतोष कुमार महतो व राकेश कमार पांडेय मौजूद थे।

जाम की समस्या को ले प्रतिनिधिमंडल मिला एसडीओ से

हिलसा। प्रखंड क्षेत्र में लगातार बढ़ रही जाम की समस्या को लेकर प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को एसडीओ अमित कुमार से मुलाकात कर समस्या के समाधान की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से रामबाबू हाई स्कूल के समीप लगने वाली सब्जी मंडी को अन्यत्र स्थानांतरित करने तथा नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने पर तत्काल रोक लगाने की मांग रखी। सदस्यों ने बताया कि स्कूल के समीप रेलवे की जमीन पर अवैध कब्जा कर सब्जी मंडी लगाई जाती है जिससे सुबह करीब तीन से चार घंटे तक आवागमन बाधित रहता है। इससे आम लोगों के साथ-साथ स्कूल जाने वाले बच्चों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। प्रतिनिधिमंडल ने तत्काल इस पर रोक लगाने और सब्जी मंडी को दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की।इसके अलावा नाबालिग वाहन चालकों पर भी सख्ती से कार्रवाई करने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि शहर में लगातार बढ़ती जाम की समस्या से लोगों को निजात दिलाने के लिए प्रशासन को स्थायी समाधान की दिशा में कदम उठाना चाहिए। एसडीओ ने आश्वस्त करते हुए कहा कि जाम की समस्या को लेकर प्रशासन गंभीर है। इसके लिए कमेटी गठित की गई है और जल्द ही आवश्यक कार्रवाई कर समस्या पर अंकुश लगाया जाएगा।

टहलने निकले युवक को अज्ञात हाइवा ने कुचला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन पर बुधवार सुबह करीब पांच बजे सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में आक्रोश का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, रोज की तरह टहलने निकले बहरामा गांव निवासी बालेंद्र यादव उर्फ बाला की अज्ञात हाइवा की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के मुताबिक, बालेंद्र यादव जैसे ही लाइन होटल के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार हाइवा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद चालक ने वाहन रोकने के बजाय बालेंद्र यादव को काफी दूर तक सड़क पर घसीटता हुआ ले गया। शरीर के बुरी तरह क्षत-विक्षत हो जाने के कारण उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

घटना से लोगों में रोष

हादसे के बाद चालक हाइवा समेत मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और स्थानीय ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने करीब तीन घंटे तक फोरलेन पर शव रखकर यातायात पूरी तरह बाधित कर दिया। लोगों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मृतक के परिवार को तत्काल उचित सरकारी सहायता एवं मुआवजा देने की मांग की। फोरलेन जाम होने के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे राहगीरों और आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मृतक के परिजन राजनीति यादव ने बताया कि बालेंद्र यादव परिवार के मुख्य कमाने वाले सदस्य थे।

रांची में 30 अगस्त को आदिवासी एकता महाजुटान रैली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। एसआईआर के बाद अब राज्य में विधानसभा और लोकसभा क्षेत्र के नये सिरे से होने वाले परिसीमन को लेकर सियासत तेज है। सियासी बयानबाजी के साथ साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों के बैनर तले प्रस्तावित परिसीमन का विरोध किया जा रहा है। इस मुद्दे पर आगामी 30 अगस्त को आदिवासी एकता महजुटान रैली के जरिए आदिवासियों को गोलबंद कर जनसंख्या आधारित परिसीमन की आवाज को बुलंद करने की तैयारी की गई है। रांची के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में दिन के 11 बजे से होने वाले इस आदिवासी एकता महाजुटान रैली में राज्यभर से जनजाति समाज से जुड़े लोग शामिल होंगे।

आदिवासी समाज की ये है मांग

झारखंड में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित विधानसभा एवं लोकसभा सीटों में किसी प्रकार की कमी स्वीकार नहीं होगी,

यदि परिसीमन की प्रक्रिया में विधानसभा एवं लोकसभा की कुल सीटों में वृद्धि की जाती है तो अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों में भी वर्तमान सीट के समान अनुपात में वृद्धि सुनिश्चित की जाए।

झारखंड की विशेष परिस्थितियों खासकर पांचवीं अनुसूची क्षेत्र, ऐतिहासिक स्थल, विस्थापन, पलायन, आदिवासी बहुल क्षेत्र एवं संवैधानिक संरक्षण को परिसीमन का विशेष आधार बनाया जाए एवं आदिवासी सीट संरक्षित किया जाए। परिसीमन की प्रक्रिया से पूर्व आदिवासी समाज, जनप्रतिनिधियों, संवैधानिक विशेषज्ञों एवं सामाजिक संगठनों से व्यापक परामर्श किया जाए। आदिवासी समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व एवं संवैधानिक अधिकारों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। राज्य में वर्तमान विधानसभा की संख्या 1971 की जनगणना के आधार पर है। केंद्र सरकार द्वारा पारित परिसीमन अधिनियम के तहत, झारखंड सहित पूरे देश में सीटों के पुनर्गठन को वर्ष 2026 तक के लिए यथावत रखा गया था। ऐसे में यह आशंका जताई जा रही है कि इस साल परिसीमन शुरू होगा, जाहिर तौर पर राज्य की वर्तमान विधानसभा की कुल 81 सीटों में बदलाव होंगे। वर्तमान में कुल 81 विधानसभा की सीटों में 28 सीटें अनुसूचित जनजाति और 9 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। नये परिसीमन में एसटी की आरक्षित सीटों की संख्या 28 से घटकर लगभग 21 होने की संभावना जताई जा रही है। इसी तरह राज्य में लोकसभा की 14 सीटें हैं जिसमें सामान्य -8, अनुसूचित जाति के लिए 1 सीट और अनुसूचित जनजाति के लिए 5 सीटें आरक्षित हैं। आदिवासी संगठन इसका विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि इससे राज्य में उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी कम हो जायेगी। सामाजिक कार्यकर्ता दयामनी बारला कहती हैं कि आदिवासियों की संख्या में कमी आई है। ऐसे में 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन होने से जनजाति सीटों में कमी आयेगी। यदि ऐसा होता है तो आदिवासी संगठन चुप नहीं बैठेगा और इसके विरोध में हम आंदोलन तेज करेंगे। उन्होंने केंद्र सरकार पर साजिश रचने का आरोप लगाते हुए कहा कि पहले एसआईआर के माध्यम से उसके बाद अब परिसीमन के बहाने आदिवासी हितों को कुचला जा रहा है जिसे हम किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे।

औघड़ बाबा आश्रम के पास युवक का शव बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राज्य की राजधानी रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित औघड़ बाबा आश्रम के पास बुधवार को एक युवक का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की तहकीकात में जुट गई। मृतक की पहचान उपेंद्र कुमार मिश्रा के रूप में हुई है, जो सुखदेवनगर थाना क्षेत्र का रहने वाला था। रांची के कोतवाली एएसपी निखिल राय ने बताया कि प्रथम दृष्टया युवक की हत्या किए जाने की आशंका है। युवक के शरीर पर खून के निशान मिले हैं। जिस स्थिति में शव बरामद हुआ है, उससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि चाकू से वार कर उसकी हत्या की गई है। हालांकि हत्या के वास्तविक कारण और घटना में इस्तेमाल हथियार के संबंध में पुलिस की जांच जारी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल की टीम को भी बुलाया है। टीम घटनास्थल से वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य एकत्र कर रही है।

झारखंड में तीन दिन बदला रहेगा मौसम, कई इलाकों में भारी बारिश और तेज हवा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय है। राज्य में अगले तीन दिनों तक बादल छाए रहने के साथ कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और मेघ गर्जन की संभावना है। इस दौरान कुछ जिलों में भारी बारिश के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। राज्य में आज से 28 अगस्त के बीच मौसम का असर अलग-अलग इलाकों में देखने को मिलेगा।

आज यानी 26 अगस्त को झारखंड के अधिकांश हिस्सों में आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। राज्य के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। मौसम केंद्र, रांची के मुताबिक दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों के कुछ इलाकों में भारी बारिश का असर देखने को मिल सकता है। सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इसके अलावा गुमला और खूंटी में भी कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। बारिश के दौरान गरज-चमक और तेज हवा को लेकर भी लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। 27 अगस्त को भी झारखंड में बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है। कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ मेघ गर्जन हो सकता है। हालांकि इस दिन भारी बारिश का असर मुख्य रूप से राज्य के मध्य, उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी हिस्सों में देखने को मिल सकता है। मौसम केंद्र के पूर्वानुमान के मुताबिक रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो और धनबाद में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं चतरा और गिरिडीह के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान गरज-चमक के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है।

भू-धंसान के बाद लंकास्टर अस्पताल होगा शिफ्ट, संवेदनशील क्षेत्रों के अध्ययन की मांग तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सीसीएल गिरिडीह कोलियरी स्थित लंकास्टर अस्पताल परिसर में मंगलवार सुबह हुए भू-धंसान के बाद परिसर को असुरक्षित घोषित कर दिया गया है। इसके बाद प्रबंधन ने अस्पताल को दूसरे भवन में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रबंधन स्तर पर महाप्रबंधक कन्हैया शंकर गैवाल, परियोजना पदाधिकारी गोपाल सिंह मीणा, चिकित्सा पदाधिकारी परिमल सिन्हा सहित सिविल व ईएंडएम विभाग के अधिकारी नई व्यवस्था को लेकर मंथन कर रहे हैं। इस बीच स्थानीय लोगों ने संवेदनशील क्षेत्रों का तकनीकी अध्ययन कराकर रिपोर्ट सार्वजनिक करने और प्रभावित इलाकों की सतत निगरानी की मांग उठाई है। घटना के बाद महुआपथारी, अकदोनी खुर्द, कबरीबाद-चिलगा, छह नंबर, सेंट्रलपीट, गिरिडीह-डुमरी पथ (स्टेडियम के समीप) तथा बरवाडीह-कबरीबाद-बनियाडीह से मुफस्सिल थाना तक के मार्ग को संवेदनशील माना जा रहा है। इन क्षेत्रों में पूर्व में भी कई बार जमीन धंसने की घटनाएं हो चुकी हैं। अवैध खनन के कारण एक नेशनल हाईवे और पथ निर्माण विभाग की दो प्रमुख सड़कों पर बारिश के दौरान लगातार गोफ बनने का खतरा बना रहता है। इनमें गिरिडीह-डुमरी सड़क सबसे अधिक प्रभावित है, जहां स्टेडियम से बीटा गड्ढा के बीच वर्ष 2003 में पहली बार सड़क धंसने का मामला सामने आया था।

झारखंड पुलिस एसोसिएशन ने दिया अल्टीमेटम, कहा-पांच दिनों के अंदर जयराम महतो की हो गिरफ्तारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। धनबाद के बरवाअड्डा थाना प्रभारी रवि कुमार के साथ कथित तौर पर फोन पर गाली-गलौज और धमकी दिए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। झारखंड पुलिस एसोसिएशन ने डुमरी विधायक जयराम महतो के खिलाफ दर्ज मामले में शीघ्र कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग की है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि पांच दिनों के भीतर गिरफ्तारी नहीं हुई तो राज्यभर के पुलिसकर्मी आंदोलन करेंगे।

झारखंड पुलिस एसोसिएशन की ओर से कहा गया है कि यदि मामले में कार्रवाई नहीं होती है तो राज्यभर के पुलिस पदाधिकारी और पुलिसकर्मी आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। एसोसिएशन की धनबाद शाखा ने घटना के विरोध में पुलिसकर्मियों द्वारा काला बिल्ला लगाकर ड्यूटी करने और अपने कर्तव्य पर नहीं लौटने के निर्णय के लिए संगठन से अनुमति मांगी है। एसोसिएशन ने सरकार और पुलिस प्रशासन से मामले में तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही कहा है कि यदि पांच दिनों के भीतर विधायक जयराम महतो व अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित नहीं की जाती है, तो राज्य के सभी शाखा पदाधिकारी और सदस्य सामूहिक रूप से आंदोलन करेंगे। शाखा-धनबाद के पत्र के माध्यम से घटना की जानकारी मिली कि 21 अगस्त की रात बरवाअड्डा थाना प्रभारी रवि कुमार को जयराम महतो ने फोन कर कथित रूप से धमकी दी कि उनका तबादला कराने के बावजूद वह राज्य के जिस थाने में रहेंगे, वहां उनकी नौकरी बर्बाद कर दी जाएगी। एसोसिएशन का आरोप है कि इसके बाद देर रात विधायक अपने समर्थकों के साथ थाना पहुंचे और थाना प्रभारी के टेबुल पर रखे सामान को इधर-उधर कर दिया गया। पुलिस एसोसिएशन ने इसे पुलिस पदाधिकारी के सम्मान और गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य बताया है।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या: ओ-एसी-टी-120 से 123-26-27 (खुली), दिनांक 24.08.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं. 1, केस संख्या** : ओ-एसी-टी-120-26-27, **कार्य का नाम**: आसनसोल मंडल में ठेकेदार के मोबाइल फ़्लैश बट वेल्डिंग प्लांट के साथ साइट पर 60केजी/52केजी (90/72 यूटीएस, आर-260), (नया/एसएच/एसआर/एसडब्ल्यूआर/एलडब्ल्यूआर) रेल की फ़्लैश बट वेल्डिंग के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु.1,30,87,732/-, **बयाना राशि :** रु. 2,61,800/-, **क्रम सं. 2, केस संख्या** : ओ-एसी-टी-121-26-27, **कार्य का नाम**: डीईएन/4/आसनसोल के कार्यक्षेत्र में ठेकेदार के मोबाइल फ़्लैश बट वेल्डिंग प्लांट के साथ साइट पर 60केजी/52केजी (90/72 यूटीएस, आर-260), (नया/एसएच एसआर/एसडब्ल्यूआर/एलडब्ल्यूआर) रेल की फ़्लैश बट वेल्डिंग के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु.1,11,95,875.80, **बयाना राशि :** रु. 2,23,900/-, **क्रम सं. 3,** केस संख्या : ओ-एसी-टी-122-26-27, **कार्य का नाम**: (i) आसनसोल मंडल में रोड अंडर ब्रिज नंबर 14, 14ए, 16, 528, 533, 456, 2, 655, 679, 706ए, 28ए, 30ए, 548, 560, 545, 1, 48 अप पर आरडीएसओ स्टैंडर्ड हाइट गेज का प्रावधान। (ii) आसनसोल मंडल में 16 लेवल क्रॉसिंग गेटों पर पुराने प्रकार के हाइट गेज की जगह आरडीएसओ स्टैंडर्ड हाइट गेज का प्रावधान। (iii) आसनसोल मंडल में रोड अंडर ब्रिज नंबर 533, 456, 2, 655, 679, 706ए, 545, 548, 560, 28ए, 30ए, 1, 48ण अप पर सड़क की मरम्मत समेत ड्रेनेज सिस्टम में सुधार के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु.6,77,77,620.40, **बयाना राशि :** रु. 13,55,600/-, **क्रम सं. 4,** केस संख्या : ओ-एसी-टी-123-26-27, **कार्य का नाम**: वरिष्ठ डीईएन/3/आसनसोल के कार्यक्षेत्र में पानागढ़ में नई क्रू लॉबी और रनिंग रूम तथा अण्डाल के रानीगंज रनिंग रूम और क्रू बुकिंग लॉबी के नवीनीकरण के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु.4,27,03,449.78, **बयाना राशि :** रु. 8,54,100/-, **कार्य समाप्त करने की अवधि:** 12 माह (क्रम सं. 1 से 4 प्रत्येक हेतु)। **बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 18.09.2026 को 12.00 बजे । संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

ASN-229/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

एमएमडीआर विधेयक पर घमासानः रघुवर दास ने हेमंत सरकार पर साधा निशाना, लगाया वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राज्य में खान एवं खनिज विकास एवं विनियमन (एमएमडीआर) संशोधन विधेयक को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने हैं। राज्य सरकार जहां इसे संसाधनों पर मालिकाना हक छीनने वाला कदम बता रही है, वहीं विपक्ष का तर्क है कि इससे देशभर में खनिजों की एकसमान दरें तय होंगी। भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने हेमंत सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने एमएमडीआर संशोधन को राज्यहित में बताते हुए कहा कि माइनिंग टैक्स और वैधानिक भुगतानों का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा राज्यों को ही मिलता है, जो आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने दावा किया कि इससे जनजातीय क्षेत्रों में विकास को गति मिलेगी। रघुवर दास ने राज्य में अवैध कोयला खनन और डीएमएफटी फंड में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार 1100 करोड़ रुपये के सेस का रोना रो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार ने महिलाओं, युवाओं और किसानों के साथ विश्वासघात किया है, जिससे राज्य में अविश्वास का माहौल बना है। पूर्ववर्ती योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए एक रुपये में 50 लाख तक की संपत्ति रजिस्ट्री और किसानों को प्रति एकड़ पांच हजार रुपये देने की योजना को बंद कर दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि चुनाव आते ही सरकार को 'मंईयां योजना' की याद आई है।

शराब के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अंबा (औरंगाबाद)। शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में अंबा और रिसियप थाना पुलिस ने एनएच-139 पर अलग-अलग कार्रवाई करते हुए 316.8 लीटर देसी व विदेशी शराब बरामद की। पुलिस ने शराब परिवहन में प्रयुक्त ऑटो व होंडा सिटी कार जब्त करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। अंबा थाना पुलिस ने मंगलवार को जनता कॉलेज के समीप वाहन जांच के दौरान एक बजाज आरई सीएनजी ऑटो की तलाशी ली। ऑटो से 200 एमएल की छबिली डीलक्स शराब की 184 बोतलें बरामद हुईं, जिसकी कुल मात्रा 36.8 लीटर है। मौके से रोहतास जिला के करकटपुर, अकोढ़ीगोला निवासी उपेंद्र राम (38) को गिरफ्तार किया गया। वहीं, रिसियप पुलिस ने गुप्त सूचना पर दोमुहान पुल के समीप घेराबंदी कर होंडा सिटी कार से 35 कार्टन झारखंड निर्मित छबिली ब्रांड की शराब बरामद की। इसमें करीब 280 लीटर शराब थी। पुलिस ने जम्होर निवासी अंकित कुमार और सोनू कुमार को गिरफ्तार कर कार जब्त कर लिया। पुलिस के अनुसार, दोनों झारखंड से शराब लाकर क्षेत्र में खपाने के नेटवर्क से जुड़े हैं। पुलिस अब तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

बच्चों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

ओबरा (औरंगाबाद)। प्राथमिक विद्यालय कुसाढ़ी के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रंजना देवी के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान के तहत परिसर एवं आसपास के विभिन्न स्थानों पर 25 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाध्यापिका रंजना देवी तथा शिक्षक प्रेम कुमार व भोला चौधरी ने उपस्थित छात्रों और अभिभावकों को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण ही एकमात्र प्रभावी उपाय है। शिक्षक वृंद ने कहा कि पेड़ न केवल हमें शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने, वर्षा चक्र को सुचारू रखने और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार और स्थानीय ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से हरित अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

जदयू सह एनडीए कार्यालय का विधायक प्रमोद कुमार सिंह ने किया उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। शहर के ब्लॉक रोड में बुधवार को दोपहर जदयू सह एनडीए कार्यालय का उद्घाटन विधायक प्रमोद कुमार सिंह, जदयू जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार सिंह, विधानसभा विधायक प्रतिनिधि प्रोफेसर डॉ संतोष कुमार सिंह, जदयू नेता रामानुज सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष संतोष कुमार साहू, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष बबलू सिंह, मदनपुर प्रखंड अध्यक्ष लव कुमार सिंह एवं भाजपा कासमा मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार यादव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू प्रखंड अध्यक्ष मधुकर लाल कुशवाहा ने की, जबकि संचालन पूर्व प्रखंड अध्यक्ष अर्जुन सिंह ने किया। जिसमें सर्वसम्मति से अर्जुन सिंह को एनडीए के संयोजक बनाया गया। विधायक ने कहा कि कार्यालय खुलने से विधानसभा क्षेत्र के लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। यहां एनडीए के विभिन्न घटक दलों के कार्यकर्ता उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने कहा कि वे प्रत्येक माह दो दिन कार्यालय में बैठकर जनता की समस्याएं सुनने का प्रयास करेंगे। रफीगंज में डिग्री कॉलेज के सवाल पर विधायक ने कहा कि विधानसभा में इस मुद्दे को मजबूती से उठाया गया है और अगले शैक्षणिक सत्र 2027-28 में कॉलेज शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि बरसात के बाद क्षेत्र में विकास कार्यों की गति तेज होगी। नगर पंचायत में भ्रष्टाचार के आरोपों पर विधायक ने कहा कि कागजात मांगे गए हैं। दस्तावेज मिलने के बाद योजनाओं की जांच कराई जाएगी और अनियमितता मिलने पर कार्रवाई होगी। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि भोला चौधरी, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि सोनू सिंह,महिला सेल प्रखंड अध्यक्ष संगीता कुमारी, अनिल मिश्रा, विनय पटेल, संजय यादव, सुनील सिंह, विजय विश्वकर्मा, अशोक मेहता, विकास यादव, मनोज सिंह, अखिलेश शर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में प्रखंड, पंचायत से लेकर बुध स्तर के एनडीए कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी के एग्जामिनेशन कोऑर्डिनेटर ने दिया इस्तीफा

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी के एग्जामिनेशन डिपार्टमेंट के कोऑर्डिनेटर गौरव श्रीवास्तव ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि गौरव श्रीवास्तव का इस्तीफा मंजूर नहीं हुआ है। गौरव श्रीवास्तव ने अपना इस्तीफा रजिस्ट्रार को भेजा है। इससे पहले नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ नफीस अहमद भी इस्तीफा दे चुके हैं। गौरव श्रीवास्तव नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर है। उन्हें एग्जामिनेशन डिपार्टमेंट के कोऑर्डिनेटर के पद पर तैनात किया गया था। उनपर परीक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई थी। परीक्षा के रूटिंग और रिजल्ट की जिम्मेदारी गौरव श्रीवास्तव पर थी। गौरव श्रीवास्तव ने बताया कि वे निजी करणों से इस्तीफा दिए हैं, लेकिन अभी स्वीकार नहीं हुआ है। वे यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर तैनात हैं और वापस लौटना चाह रहे हैं।

राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन ने समाज को संगठित करने पर जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन की बिहार इकाई के विस्तार को लेकर बुधवार को पटना स्थित होटल अप्सरा में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बिहार प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू ने की। इस दौरान संगठन के विस्तार, सामाजिक एकजुटता और समाज के लोगों को एक मंच पर लाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए बिहार प्रदेश संगठन मंत्री डॉ. जेपी कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन का उद्देश्य समाज के लोगों को संगठित कर उनके सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक विकास के लिए बेहतर माहौल तैयार करना है।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : एसजी.निविदा/डीएसटीई/एसडीएएच/637, दिनांक 25.08.2026, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, सियालदह, पूर्व रेलवे, दूसरी मंजिल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम ऑफिस, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **ई-निविदा सं.: एसडीएसटीई/एसआईजी/टी/29/26-27/एसएफ। कार्य का नाम एवं इसका स्थान:** दमदम-लालगोला-टीटीआर (एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी)-20 सेट (1:12-20 सेट) और रानाघाट-गेदे (अप एवं डाउन)-टीएसआर (पी)-11.498 टीकेएम के संबंध में सिग्नलिंग कार्य। **निविदा मूल्य :** रु.80,71,029.56, **निविदा कागजात का मूल्य :** शून्य। **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति जमा की जाएगी :** रु.1,61,400/-, **कार्य की समापन अवधि**: 06 माह। **निविदा जमा देने की प्रारंभिक तिथि**: 08.09.2026, **निविदा जमा देने की अंतिम तिथि**: 22.09.2026 को 14.00 बजे तक। **निविदा बोली के खोलने की तिथि**: 22.09.2026 को 14.30 बजे। **विवरण www.ireps.gov.in से देखा जा सकता है। तकनीकी पात्रता मानदंड:** निविदाकार ने निविदा आमंत्रण से पूर्व महीने के अंतिम दिन को समाप्त, पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान, निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी एक कार्य का सफलतापूर्वक पूरा या पर्याप्त रूप से निष्पादन किया है: (i) तीन समरूप कार्य जिनमें से प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 30% की समान राशि से कम न हो, या (ii) दो समरूप कार्य जिनमें से प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 40% की समान राशि से कम न हो, या (iii) एक समरूप कार्य जिसकी लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 60% की समान राशि से कम न हो। **वित्तीय पात्रता मानदंड:** निविदाकार का न्यूनतम औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार V/N या 'V' होना चाहिए, जो भी कम हो, जहाँ V = निविदा का विज्ञापित मूल्य करोड़ रुपये में, N = कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या जिसके लिए बोलियाँ आमंत्रित की गई हैं। औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार की गणना लेखापरीक्षित तुलन पत्र के अनुसार पिछले तीन वित्तीय वर्षों में "कुल ठेकाजनित भुगतान" के औसत के रूप में की जाएगी। तथापि, यदि पिछले वर्ष का तुलन-पत्र अभी तैयार किया जाना है/लेखापरीक्षित नहीं है, तो औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार की गणना के लिए चौथे पिछले वर्ष के लेखापरीक्षित तुलन-पत्र को विचार में लिया जाएगा। निविदाकार जीसीसी 2022 के अनेक्सर-VIबी (मौजूदा निविदा कागजात का फॉर्म-6) के अनुसार आवश्यक जानकारी के साथ सनदी लेखापाल द्वारा यथा प्रमाणित लेखापरीक्षित तुलन पत्र की प्रतियाँ/लेखापरीक्षित तुलन पत्र द्वारा यथा समर्थित सनदी लेखापाल से प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे। **जमा किए जाने वाले अन्य कागजात:** निविदा कागजात में उल्लिखित अनुसार। **समरूप कार्य की प्रकृति:** "डेटा लॉगर या आरटीयू की आपूर्ति, स्थापना और आरंभ या कोई सिग्नल इंटरलॉकिंग कार्य जिसमें शामिल है ईआई या आरआरआई या पीआई या आईबीएस या आईबीएच या एलसी गेट इंटरलॉकिंग या यार्ड रूपांतरण या यूएफएसबीआई या ट्रैक सर्किट (एएफटीसी या डीसी टीसी) या एक्सल काउंटर (एसएसडीएसी या एमएसडीएसी या एचए-एसएसडीएसी) या ऑटोमेटिक सिग्नलिंग।"। **टिप्पणी:** निविदाकार अपने निविदा प्रस्ताव के साथ निविदा कागजात में उल्लिखित पात्रता मानदंड को पूरा करने के अपने दावे के समर्थन में कागजात प्रस्तुत करेंगे। निविदाकार द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाण पत्रों के समर्थन में कागजातों/प्रमाणपत्रों की प्रतिलिपि का प्रत्येक पृष्ठ निविदाकार या निविदाकारी फर्म के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्व-सत्यापित/डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित होगा। स्व-सत्यापन में हस्ताक्षर, मुहर और तिथि (प्रत्येक पृष्ठ पर) शामिल होंगे।

SDAH-198/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ई-नीलामी सूचना सं.: सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/26/32 दिनांक 21.08.2026 वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा पूर्व रेलवे से हावड़ा मंडल में वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों का अनुबंध प्रदान करने के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। **कैटलॉग सं.: पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-26-32, नीलामी शुरू होने की तिथि और समय** : दिनांक 07.09.2026 को 14.00 बजे। **क्रम सं., लॉट सं. और विवरण** निम्नानुसार हैं: (1) **एए/1, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-ओएसएन-165-26-1 [विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर (नॉन डिजिटल)],** हावड़ा मंडल के हावड़ा स्टेशन-ओल्ड कॉम्प्लेक्स में पिलरों पर विनाइल चिपकाने के माध्यम से तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु वाणिज्यिक प्रचार के लिए अनुबंध प्रदान करना। **(2) एए/2, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-बीएसएई-ओएसएन-21-24-1 [विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर (नॉन-डिजिटल)],** तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के क्लस्टर-VI के तहत स्टेशनों (बाँशबेड़िया स्टेशन से आजिमगंज स्टेशन तक) के स्टेशन परिसर के अंदर वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों के लिए अनुबंध प्रदान करना। **(3) एबी/1, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-बीडीसी-ओएच-2-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम),** हावड़ा मंडल के क्लस्टर-II के अंतर्गत स्टेशनों (बैण्डेल स्टेशन से गरिफा स्टेशन और आदिसप्तग्राम स्टेशन से पलसिट स्टेशन तक) के आउट ऑफ होम (स्टेशन परिसर के बाहर) में वाणिज्यिक प्रचार की प्रदर्शनी के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अनुबंध प्रदान करना। **(4) एबी/2, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-सीजीआर-ओएच-161-26-2 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम),** चंदननगर रेलवे स्टेशन में सर्कुलेटिंग एरिया में 03 (तीन) वर्ष की अवधि के लिए 50:50 समय साझा करने के आधार पर वाणिज्यिक विज्ञापनों के दायरे के साथ रेलवे सूचना की प्रदर्शनी के लिए 04 वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) की आपूर्ति, स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना। **(5) एसी/1, एडीवीटी-आईएनटीईएक्सटी-एस1-35ईएमयूरेक्स-26-1 (विज्ञापन-ट्रेन इंटीरियर एवं एक्सटीरियर),** हावड़ा मंडल में चलने वाली 35 ईएमयू रेकों (12 कोच रेक) के कोचों के अंदर निर्दिष्ट स्थानों पर और संपूर्ण साइड वॉल (खिड़कियों और अनिवार्य साइनेज को छोड़कर) की बाहरी सतह पर विनाइल रैपिंग (आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन के अनुसार ग्राफिक फिल्म) के माध्यम से तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों का अनुबंध प्रदान करना।

HWH-301/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा का निरस्तीकरण

खुली ई-निविदा संख्या : एसडीएसटीई-टीटीआर-एएसटीई-आरपीएच-26-27, दिनांक: 13.08.2026, सहायक सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर-I, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा पूर्व प्रकाशित उक्त निविदा, खुलने की तिथि **07.09.2026** को कुछ तकनीकी कारण से एतद्द्वारा **निरस्त** किया जाता है।

HWH-303/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.जेएमपी-इलेक्ट-89-आरई-2026, दिनांक: 25.08.2026, उप मुख्य विद्युत इंजीनियर, पूर्व रेलवे, लोकोमोटिव वर्कशॉप, जमालपुर, जिला-मुंगेर, बिहार-811214 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा सं.**जेएमपी-इलेक्ट-89-आरई-2026** के प्रतिपक्ष ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम**: जमालपुर वर्कशॉप में खेलकूद की सुविधाओं के विकास के संबंध में जेएसए क्रिकेट स्टेडियम के स्पोर्ट्स फ्लड लाइटिंग (आलोक) की व्यवस्था। **विज्ञापित निविदा मूल्य**: रु. 33,99,648/-, **बयाना राशि**: रु. 68,000/- **निविदा कागजात का मूल्य (रु.)**: शून्य, **बोली प्रारंभ होने की तिथि**: दिनांक 03.09.2026, **अंतिम तिथि और समय**: दिनांक 17.09.2026 को 15.00 बजे। बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि विस्तृत नियम और शर्तों के लिए एवं ऑनलाइन बोली की विधि के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें।

MISC-158/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.)/आद्रा निम्नलिखित विवरण के अनुसार **आरयूबी, डिपो, विस्तार एवं विविध कार्यों** के लिए 06 (छह) ई-निविदाएँ आमंत्रित करते हैं: **क्रम सं., ई-निविदा सूचना सं., कार्यों का विवरण एवं निविदा लागत** निम्नानुसार हैं: **(1) ई-डीआरएम-ईएनजीजी-आद्रा-90-26, दिनांक 24.08.2026,** डीईएन/पूर्व/आद्रा के अधिकार क्षेत्र में पीडब्ल्यूआई डिपो, गैंग टूल रूम एवं साइड ड्रेन का निर्माण, रु.6,41,29,897.52, **(2) ई-डीआरएम-ईएनजीजी-आद्रा-91-26, दिनांक 24.08.2026,** दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा स्टेशन पर अमृत स्टेशन स्कीम के अंतर्गत स्टेशन के विकास के संबंध में रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) का निर्माण रु. 9,56,81,810.05, **(3) ई-डीआरएम-ईएनजीजी-आद्रा-92-26, दिनांक 24.08.2026,** मोहिशिला (एमओएच)-दामोदर-काली पहाड़ी-मोहिशिला स्टेशन में तीन नई पूर्ण लंबाई वाली लाइन लगभग 750 मी. का प्रावधान, रु. 8,85,38,442.63, **(4) ई-डीआरएम-ईएनजीजी-आद्रा-93-26, दिनांक 24.08.2026,** आद्रा मंडल के लायाबाद, मालाखेड़ा जंक्शन, खानूडीह, महुदा जंक्शन, खड़खड़ी और खरीओ पी.एच. में क्षतिग्रस्त स्टेशन एप्रोच रोड, प्लेटफॉर्म सरफेस का उन्नयन एवं नवीनीकरण, पानी की उपलब्धता, वाटर बूथ, शौचालयों आदि का नवीनीकरण, बोकारो स्टील सिटी, भागा में मौजूदा बिल्डिंग की पेंटिंग सहित स्टील संरचनाओं की पेंटिंग एवं क्षतिग्रस्त शीट को बदलना, रु. 8,68,63,577.58, **(5) ई-डीआरएम-ईएनजीजी-आद्रा-94-26, दिनांक 24.08.2026,** बोकारो स्टील सिटी-बीकेएससी में मौजूदा रनिंग रूम का विस्तार एवं आद्रा मंडल के केएसयू (कुस्तौर), एमएचक्यू (महुदा), केएनएफ (खानूडीह) एवं आरडीएफ (राधागांव) स्टेशनों में इलेक्ट्रॉनिक इन-मोशन वे ब्रिज की स्थापना, रु. 3,43,42,460.03, **(6) ई-डीआरएम-ईएनजीजी-आद्रा-95-26, दिनांक 24.08.2026,** आद्रा मंडल में बोकारो स्टील सिटी एवं कोटशिला स्टेशनों पर मौजूदा प्लेटफॉर्म की लंबाई का विस्तार, रु. 4,94,01,318.63, **ई-निविदाओं की अंतिम तिथि और समय: दिनांक 25.09.2026 को 15.00 बजे है।** उपर्युक्त ई-निविदाओं का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। **(PR-673)**

तिब्बत में बादल फटने से हुई तबाही, संभावित बाढ़ को लेकर जल संसाधन विभाग अलर्ट

मुख्य सचिव ने संबंधित जिलाधिकारियों को दिए आवश्यक तैयारियां पूरी करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। तिब्बत प्रभाग में बुधवार की सुबह बादल के फटने के कारण भोटे-कोशी नदी, जो तिब्बत में उद्गमित होकर नेपाल स्थित त्रिशूली नदी में मिल जाती है में लगभग 3 मीटर का सैलाब प्रवाहित हो रहा है। नेपाल से होकर आने वाले पानी का सैलाब से गंडक नदी में अचानक जल स्तर बढ़ने की संभावना है। इसको देखते हुए जल संसाधन विभाग ने अलर्ट घोषित कर दिया है। विदित हो कि तिब्बत प्रभाग में बुधवार की सुबह बादल फटने के कारण नेपाल में पानी का सैलाब आने से भारी क्षति हुई है। नेपाल में तबाही मचाने के बाद उस पानी के गंडक नदी में आने की संभावना है। जल संसाधन विभाग द्वारा इस घटना पर त्वरित सतर्कता बरतते हुए वाल्मीकिनगर स्थित गंडक बराज के सभी गेटों (36 गेट) को खोला गया है और गंडक बराज पर मुख्यालय स्तर से अधीक्षण अभियंता के नेतृत्व में एक तकनीकी दल को भेजा गया है। साथ ही गंडक नदी बेसिन में अवस्थित सभी जिलों में चेतावनी संवाद जारी कर दिया गया है। इस संबंध में विभागीय पदाधिकारियों को संभावित आकस्मिक स्थिति के मद्देनजर सभी आवश्यक तैयारियों सुनिश्चित करते हुए लगातार चौकसी एवं निगरानी बरतने हेतु निदेशित किया गया है। इस क्रम में बाढ़ की स्थिति से निपटने हेतु सामग्रियों के भंडारण एवं तटबंधों के सतत निरीक्षण का पुख्ता इंतजाम किया गया है। बताया जाता है कि इस घटना के फलस्वरूप इसके निम्नप्रवाह में गंडक नदी के जलस्राव एवं जलस्तर में भी अप्रत्याशित वृद्धि संभावित है। आज मध्यान 12.00 बजे वाल्मीकिनगर स्थित गंडक बराज से 86,000 क्यूसेक का जलस्राव प्रवाहित हुआ है जिसकी प्रवृत्ति बढ़ने की है। नेपाल प्रभाग स्थित नारायणी नदी का देवघाट गेज स्थल पर वर्तमान जलस्तर 4.77 मीटर है। इस स्थल पर खतरे का निशान 9 मीटर एवं चेतावनी स्तर 7.30 मीटर है। यहां नदी में पानी बढ़ने पर गंडक बराज तक पहुंचने में लगभग 3.50 घंटा समय लगने की संभावना है। इसको लेकर मुख्य सचिव के स्तर से संबंधित सभी जिला पदाधिकारी के साथ अकस्मात बैठक आहूत कर मामले से अवगत कराते हुए सभी आवश्यक तैयारियां यथा तटबंध के अंदर के आवासितों को माईकिंग कराकर अवगत कराना तथा ससमय सुरक्षित स्थान पर ले जाने हेतु आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करने हेतु निदेशित किया गया। वहीं संभावित प्रवाहित क्षेत्रों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को नियुक्त किया जा रहा है। उधर, गंडक नदी का जलस्तर बढ़ने की संभावना को देखते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा मुख्य सचिव, बिहार, प्रधान सचिव, आपदा प्रबंधन विभाग एवं सचिव, जल संसाधन विभाग के साथ बैठक आहूत कर स्थिति की समीक्षा की गयी एवं संबंधितों को 'हाई अलर्ट' मोड में रहते हुए सभी आवश्यक कार्रवाई ससमय सुनिश्चित करने तथा स्थिति पर लगातार नजर बनाये रखने हेतु निर्देश दिया गया है।

भूमि बचाओ किसान संघर्ष समिति का पटना में प्रदर्शन, जमीन नहीं देने का ऐलान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। 'जान देंगे, जमीन नहीं देंगे', 'जमीन हमारी, हक हमारा, नहीं चलेगा जुल्म तुम्हारा' और 'सैटलाइट सिटी नहीं, हमें स्मार्ट गांव चाहिए' जैसे नारों के साथ भूमि बचाओ किसान संघर्ष समिति के बैनर तले किसानों ने पटना के ऐतिहासिक गोलघर के निकट से विशाल जुलूस निकाला। किसानों ने प्रवासी बिहारियों के लिए गांव-गांव में कृषि आधारित उद्योगों का जाल बिछाने की मांग की। जुलूस कदम-कदम फौजी अंदाज में आगे बढ़ा और जेपी गोलंबर पर लगे बैरिकेड को पार कर डाकबंगला चौराहा पहुंचा जहां पुलिस के साथ नोकझोंक हुई। किसान मुख्यमंत्री से मिलने की मांग पर आगे बढ़ने के लिए अड़े रहे। सभा को संबोधित करते हुए किसान नेता अशोक प्रसाद सिंह ने कहा कि यह लड़ाई केवल जमीन की नहीं, बल्कि किसानों के अस्तित्व, आजीविका और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की है। उन्होंने आरोप लगाया कि जमीन लेने के लिए तरह-तरह की चालें चली जा रही हैं और किसानों को लोभ देकर फंसाने की कोशिश हो रही है। उनके अनुसार सरकार की कथित योजना में पहले लैंड पुलिंग, फिर समझौता निगोशिएटेड सेटलमेंट, इसके बाद भूमि खरीद या अधिग्रहण और अंत में हाइब्रिड मॉडल के जरिए दबाव बनाने की कोशिश की जा सकती है। उन्होंने कहा कि किसान इन प्रयासों को समझ चुके हैं और अंतिम सांस तक जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष करेंगे। देव कुमार सिंह, धर्मेंद्र कुमार चौहान, सौरभ प्रियदर्शी, ई. अनिल कुमार सिंह, मनीष कुमार, महेश प्रसाद सिंह, जालंधर यदुवंशी, राजेश कुमार रंजन, रवि कुमार, जयपति सिन्हा, विनोद सिंह, सुरेश सिंह, पवन कुमार, संजय कुमार सिंह, जितेंद्र कुमार सिंह, नवीन सहनी, शत्रुघ्न यादव और सुमन कुमार ने भी सभा को संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि कृषि आधारित समाज सरकार की कथित भूमि नीति के खिलाफ एकजुट है और दिल्ली किसान आंदोलन की तर्ज पर संघर्ष जारी रखा जाएगा।

अधिवक्ताओं की लोकतंत्र में भूमिका महत्वपूर्ण : योगेश चंद्र वर्मा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन की पटना हाईकोर्ट इकाई का तीसरा सम्मेलन, सांगठनिक चुनाव एवं 'लोकतंत्र में अधिवक्ताओं की भूमिका' विषय पर सेमिनार बुधवार को पटना हाईकोर्ट परिसर स्थित बिहार बार काउंसिल भवन, राजीव राय नगर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सम्मेलन के मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता एवं बिहार स्टेट बार काउंसिल के सदस्य योगेश चंद्र वर्मा ने कहा कि मौजूदा समय में लोकतंत्र खतरे में है और ऐसे दौर में अधिवक्ताओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। कार्यक्रम में पटना हाईकोर्ट लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष उमाशंकर प्रसाद सिंह भी उपस्थित रहे। सेमिनार को संबोधित करने वालों में महेश्वर प्रसाद, उमाशंकर प्रसाद सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता वीरेंद्र नाथ मिश्र, एआईएलयू के महासचिव विजेंद्र सिंह, अमरेंद्र कुमार सिन्हा, डॉ. गोपाल कृष्ण, अशोक कुमार, रामजीवन प्रसाद सिंह, राम संदेश राय, राजाराम राय, मणिलाल, आदित्य और मंजू शर्मा सहित अन्य अधिवक्ता शामिल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीरेंद्र नाथ मिश्र ने की जबकि संचालन शैलेंद्र प्रसाद सिंह और महेश्वर प्रसाद ने किया। सम्मेलन में पटना हाईकोर्ट इकाई के लिए 15 सदस्यीय नई कमेटी के गठन की घोषणा की गई। इसमें अध्यक्ष महेश्वर प्रसाद, सचिव शैलेंद्र प्रसाद सिंह, उपाध्यक्ष मणिलाल, रंजीत झा और अनिल कुमार सिंह, सह सचिव सदन कुमार सिंह, धनंजय कुमार सिंह और शंकर पासवान तथा कोषाध्यक्ष अशोक कुमार चुने गए। सम्मेलन के दौरान सभी ने दिवंगत अधिवक्ता राजीव राय के चित्र पर माल्यार्पण किया। समापन से पूर्व धन्यवाद ज्ञापन मणिलाल ने किया। कार्यक्रम की जानकारी अशोक कुमार, अधिवक्ता, एआईएलयू पटना हाईकोर्ट इकाई ने दी।

डॉ. प्रेम कुमार ने बाढ़ की त्रासदी पर गहरी संवेदना प्रकट की

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने नेपाल के रसुवा और भोटेकोशी नदी क्षेत्र में तिब्बत सीमा के पास अचानक आए भीषण बादल फटने और बाढ़ की त्रासदी पर गहरी संवेदना प्रकट की है। उन्होंने इस हृदयविदारक घटना में लोगों के लापता होने की खबर पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इस आपदा में सैकड़ों भारतीय नागरिकों के भी लापता होने की सूचना अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने ईश्वर से सभी लापता लोगों की सकुशलता और सुरक्षा के लिए प्रार्थना की है तथा संकट की इस घड़ी में प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी आत्मीय संवेदनाएं व्यक्त की हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों सहित बड़ी संख्या में लोगों के लापता होने की खबर पर गहरी चिंता जताई है।

पर्यावरणविदों की जीवनी पर आधारित पुस्तक बिहार के पर्यावरण स्तंभ का लोकार्पण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधान परिषद सभागार में निशांत रंजन अदिति रॉय तथा अमित कुमार पाण्डेय द्वारा लिखित बिहार के पर्यावरणविदों के जीवनी एवं कार्यों पर आधारित पुस्तक 'बिहार के पर्यावरण स्तंभ' का लोकार्पण डॉ. प्रमोद कुमार चंद्रवंशी, मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग तथा खान एवं भूतत्व विभाग बिहार सरकार के करकमलों द्वारा किया गया। मौके पर मंत्री डॉ प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने कहा कि आज के मोबाइल युग में जहां युवा किताबों से दूर होते जा रहे हैं वैसे में युवा का लेखन में रुचि लेना प्रदेश के लिए गौरव की विषय है। पर्यावरण नायकों का जीवनी हमारे युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत का काम करेगा और उन्हें इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा। पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. रास बिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि इस पुस्तक में पर्यावरण के लिए अपने पूरे जीवन को समर्पित कर देने वाले 35 नायकों के कार्य को संकलित करने का बेहतरीन कार्य किया गया है, हमारे युवा पीढ़ी इससे बहुत लाभान्वित होगी। पद्मश्री प्रो. रविंद्र कुमार सिन्हा ने कहा कि हम सभी को जीवन में एक लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए और उसे पूरा करने के लिए जी जान से कोशिश करना चाहिए। लेखकों ने भी इस पुस्तक को पूरा करने में काफी मेहनत की है वे बधाई के पात्र हैं। पक्षी विशेषज्ञ अरविंद मिश्रा ने कहा कि बिहार में पर्यावरणविदों की जीवनी के संकलन का एक अनूठा कार्य है, हमें आशा है कि दूसरे राज्य भी इससे प्रेरणा लेकर अपने राज्य में भी इसे लागू करने का प्रयास करेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रो. संजय पासवान ने कहा कि हम सब के अंदर पर्यावरण के साथ जीने की ललक होती है, लेकिन हम लोग ही उसे पहचान नहीं पाते हैं, लेखकों ने अपने प्रयास से हर व्यक्ति को पर्यावरण के लिए अपने स्तर पर प्रयास करने का प्रेरणा स्रोत तैयार किया है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना के पूर्व प्राचार्य प्रो. संतोष कुमार ने कहा कि हमारे समय में पर्यावरण संरक्षण को लोग सरकार के कार्य समझते थे, लेकिन समय

पटना में 'तुलसी के राम' कार्यक्रम आयोजित

सम्राट चौधरी और संजय सरावगी ने की शिरकत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। रवींद्र भवन में सनातन संस्कृति चेतना परिषद के तत्वावधान में गोस्वामी तुलसीदास जयंती सप्ताह के अवसर पर 'तुलसी के राम' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। शिक्षा मंत्री मिथिलेश कुमार तिवारी की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने विशेष रूप से शिरकत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने अपनी रचनाओं के माध्यम से भगवान श्रीराम के चरित्र को जन-जन तक पहुंचाया है। भगवान राम केवल आराध्य नहीं, बल्कि मर्यादा, त्याग, करुणा और कर्तव्यबोध जैसे आदर्श जीवन-मूल्यों के प्रतीक हैं। उन्होंने जोर दिया कि आज की युवा पीढ़ी को श्रीराम के आदर्शों और भारतीय संस्कृति की महान परंपरा से परिचित कराने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अपनी सांस्कृतिक विरासत को पुनर्स्थापित कर रहा है जिससे युवा अपनी जड़ों से मजबूती से जुड़ रहे हैं।

दूसरे दिन भी जारी रहा केवाइपी बचाओ महाआंदोलन

केंद्र संचालकों ने मांगों को लेकर बुलंद की आवाज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धरना स्थल पर उपस्थित केवाइपी केंद्र संचालक

पटना। बिहार में संचालित कुशल युवा कार्यक्रम केंद्रों के नवीनीकरण, लंबित भुगतान एवं प्रशिक्षण कार्य तत्काल शुरू कराने की मांग को लेकर पटना के गर्दनीबाग में शुरू हुआ केवाईपी बचाओ महाआंदोलन बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। केंद्र संचालकों एवं संबंधित लोगों ने धरना-प्रदर्शन कर सरकार और विभाग से अपनी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की। दूसरे दिन भी प्रदर्शनकारियों ने विभिन्न मांगों से संबंधित तख्तियां लेकर सरकार एवं विभाग का ध्यान केवाईपी केंद्रों की समस्याओं की ओर आकृष्ट कराया। इस दौरान 'कौशल विकास हमारा अधिकार' और 'रोजगार और सम्मान–कौशल विकास हमारी पहचान' जैसे नारे लगाए गए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि संपूर्ण बिहार में लंबे समय से केवाईपी केंद्रों पर प्रशिक्षण कार्य प्रभावित है। वहीं केंद्र संचालकों का भुगतान भी करीब आठ माह से लंबित है जिससे संचालकों के समक्ष गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। केंद्र संचालकों की प्रमुख मांगों में पुराने संचालित केवाईपी केंद्रों को प्राथमिकता के आधार पर नवीनीकरण प्रदान करना, लंबित भुगतान का अविलंब निष्पादन तथा केवाईपी प्रशिक्षण कार्य को तत्काल पुनः प्रारंभ करना शामिल है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि केवाईपी के माध्यम से युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसरों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया जाता है। ऐसे में केंद्रों का संचालन लंबे समय तक प्रभावित रहना युवाओं के हित में नहीं है। सरकार एवं संबंधित विभाग को इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर समाधान निकालना चाहिए। केंद्र संचालकों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो केवाईपी बचाओ महाआंदोलन को और व्यापक एवं चरणबद्ध रूप दिया जाएगा। इस संदर्भ में एक शिष्टमंडल ने जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार एवं बीजेपी पार्टी अध्यक्ष को भी मिलकर ज्ञापन सौंपा जिसमें डॉ. आनंद रंजन झा, राकेश कुमार सिन्हा, संदीप कुमार, रामयत्न जी एवं अन्य कुशल युवा कार्यक्रम केंद्र संचालक उपस्थित रहे।

राज्य में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता : कृषि मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता है तथा किसानों की आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। किसानों को निर्धारित व्यवस्था के तहत समय पर एवं उनकी आवश्यकता के अनुसार उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। श्री सिन्हा ने कहा कि किसानों को निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उर्वरक की उपलब्धता, आवंटन एवं बिक्री की जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक लगातार निगरानी की जा रही है। जिला कृषि पदाधिकारी, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी एवं प्रखंड कृषि पदाधिकारी के माध्यम से उर्वरक वितरण व्यवस्था पर सतत नजर रखी जा रही है। कृषि मंत्री ने किसानों से अपील की कि उर्वरक से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या अथवा शिकायत होने पर वे अपने जिला कृषि पदाधिकारी, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी अथवा प्रखंड कृषि पदाधिकारी से संपर्क करें। इसके अतिरिक्त किसान हेल्पलाइन सेंटर के माध्यम से भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

दानापुर मंडल में 'प्रोजेक्ट रेल साथी' के अंतर्गत चला जन जागरूकता अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दानापुर। दानापुर मंडल में 'प्रोजेक्ट रेल साथी' अभियान के अंतर्गत स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित किया जा रहा है। यह अभियान रेलवे पटरियों और स्टेशनों के आसपास रहने वाले समुदायों के साथ विश्वास और साझेदारी बनाने के उद्देश्य की पूर्ति के लिए एक सामुदायिक पुलिसिंग पहल है। इस पहल के मूल में रेलवे और आसपास के समुदायों के बीच की दूरी को पाटना और यह संदेश पहुंचाना है कि रेलवे कोई बाहरी या दूर की संस्था नहीं, बल्कि उनके अपने समुदाय और रोजमर्रा की जिंदगी का अभिन्न हिस्सा है। इसलिए रेलवे संपत्ति की सुरक्षा करना, ट्रेनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना और पत्थरबाजी, अनधिकृत प्रवेश तथा अवरोध जैसी गतिविधियों को रोकना रेल प्रशासन, यात्रियों और स्थानीय निवासियों सभी के सामूहिक हित की बात है। प्रोजेक्ट रेल साथी के तहत आरपीएफ कर्मी, बच्चों, युवाओं, अभिभावकों, स्थानीय प्रतिनिधियों और समुदाय के अन्य सदस्यों के साथ संवाद, जागरूकता कार्यक्रमों, खेलकूद और अन्य सहभागी गतिविधियों के माध्यम से सीधे जुड़ रहे हैं। इस अभियान का जोर संवाद, विश्वास निर्माण और रेलवे सुरक्षा के प्रति साझा जिम्मेदारी की भावना विकसित करने पर है। इस पहल से समुदायों के भीतर 'रेल साथियों' का एक नेटवर्क तैयार करने की योजना भी है जो असुरक्षित गतिविधियों को हतोत्साहित कर सकें, अपने साथियों के बीच जागरूकता फैला सकें और आरपीएफ के साथ समय पर जानकारी साझा कर सकें।

शिक्षा में नई इबारत लिख रहा 'टीचर्स ऑफ बिहार', सरकारी स्कूलों की बदल रही तस्वीर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता, नवाचार और शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने में 'टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स' मंच एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। डिजिटल संसाधनों और शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों से राज्य के स्कूलों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। यह मंच शिक्षकों को नई शिक्षण विधियों, गतिविधियों और अपने उत्कृष्ट कार्यों को साझा करने का अवसर देता है जिससे वे एक-दूसरे के अनुभवों से सीखते हैं। ई-पत्रिकाओं, डिजिटल शिक्षण सामग्री और प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों में रचनात्मकता, जिज्ञासा और आत्मविश्वास को बढ़ावा मिल रहा है। शिक्षक अब गतिविधि आधारित शिक्षण, परियोजना कार्यों और सहायक सामग्रियों के जरिए पढ़ाई को और अधिक प्रभावी बना रहे हैं। प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार और मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने बताया कि यह मंच शिक्षकों को जोड़ने और उनके नवाचारों को समाज तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहा है। जहां शिक्षक सीखते हैं, साझा करते हैं और नवाचार करते हैं, वहीं से शिक्षा में वास्तविक परिवर्तन की शुरुआत होती है। यह अभियान साबित कर रहा है कि सरकारी विद्यालयों में बदलाव शिक्षकों के समर्पण और सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

बिहार राज्य कराटे चैंपियनशिप में 300 खिलाड़ियों ने लिया भाग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। खेल भवन, बाजार समिति में बिहार राज्य कराटे चैंपियनशिप-2026 का आयोजन किया गया। भर ते उड़ान के सहयोग से आयोजित प्रतियोगिता में बिहार के 14 जिलों से करीब 300 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने काता और कुमिते सहित विभिन्न आयु वर्गों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने मुकाबलों के दौरान अनुशासन, आत्मविश्वास और खेल भावना का शानदार परिचय दिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बिहार के युवा खिलाड़ियों को बेहतर मंच उपलब्ध कराना और राज्य स्तर पर उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाना था। कार्यक्रम में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रा तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया के सब एडिटर प्रेम कुमार सहित गोल्ड मैन ऑफ बिहार मधु मंजरी, राजद प्रतिनिधि और भाजपा नेता सौरभ भारती पासवान समेत कई गणमान्य लोगों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन की सचिव सेंसेई स्वीटी पंडित और अध्यक्ष कोमल पांडेय ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए खिलाड़ियों, अभिभावकों, प्रशिक्षकों, रेफरी और सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से खिलाड़ियों को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिहार का नाम रोशन करने की प्रेरणा मिलती है। प्रतियोगिता में आयुष, अनामिका, कृणांग, अमन, धृतिका और सानवी सोनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते। विजेता खिलाड़ियों को अतिथियों एवं आयोजन समिति की ओर से सम्मानित किया गया।

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन 20 हजार छात्राओं को देगा स्कॉलरशिप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन ने दिल्ली (एनसीटी) के लिए अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप शुरू करने का ऐलान किया है। इस साल दिल्ली में 20000 तक छात्राओं को आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए इस स्कॉलरशिप से मदद मिलेगी। स्कॉलरशिप के लिए चुनी गई हर छात्रा को हर साल 30000 रुपये दिए जाएंगे। यह राशि कॉलेज के पहले साल से लेकर छात्राओं की स्नातक डिग्री या डिप्लोमा पूरा होने तक दी जाएगी। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सीईओ अनुराग बेहर ने कहा कि हमारे देश और समाज के भविष्य और उसकी खुशहाली को हासिल करने और बनाए रखने में लड़कियों की भूमिका किसी भी दूसरे सामाजिक समूह से कहीं ज्यादा होगी। इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में बराबर मौके मिलें। उच्च शिक्षा ऐसे ही सबसे अहम क्षेत्रों में से एक है। यह जिंदगी भर उन्हें अपने पैरों पर खड़े होने और आगे बढ़ने की ताकत देती है। उच्च शिक्षा हासिल करने में लड़कियों को आज भी जिन मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, हमारी स्कॉलरशिप उनमें से कुछ मुश्किलों को सीधे तौर पर दूर करने की कोशिश करती है।

खातीपुरा (जयपुर) से हावड़ा के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा डीडीयू-गया-कोडरमा-गोमो-धनबाद के रास्ते खातीपुरा और हावड़ा के मध्य एक फेरा स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। इस स्पेशल में द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के 02, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 07 एवं साधारण श्रेणी के 08 कोच होंगे। गाड़ी संख्या 09709 खातीपुरा-हावड़ा स्पेशल 29 अगस्त, 2026 शनिवार को खातीपुरा (जयपुर) से 17.00 बजे खुलकर रविवार को 09.30 बजे डीडीयू, 12.20 बजे गया, 13.35 बजे कोडरमा, 16.00 बजे धनबाद सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए 22.15 बजे हावड़ा पहुंचेगी।

मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना ने नौ हजार महिलाओं को दिया स्वरोजगार का अवसर

सरकार की वित्तीय सहायता ने महिला उद्यमियों के शौक को बनाया रोजगार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह के नेतृत्व में महिलाएं स्वरोजगार की ओर अग्रसर हैं और वे सफलता हासिल कर रही हैं। इसका सफल उदाहरण मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के आंकड़ों से स्पष्ट होता है। उद्योग विभाग के अनुसार इस योजना के माध्यम से अब तक 9,100 से अधिक महिलाओं ने अपना व्यवसाय स्थापित कर कीर्तिमान रचा है। सरकार की ओर से इन महिलाओं को 671 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ प्रदान किया गया है। इस राशि की मदद से हजारों ग्रामीण एवं शहरी महिलाएं आज आत्मनिर्भर होकर अपना रोजगार चला रही हैं और अपने साथ-साथ अन्य लोगों को भी आय का साधन उपलब्ध करा रही हैं। बांका जिले के फुल्लीडुमर प्रखंड के भीतिया गांव की ममता कुमारी को मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के अंतर्गत आटा-बेसन उत्पादन परियोजना के लिए सात लाख रुपये की राशि मिली। आज ममता कुमारी प्रतिमाह 50 हजार रुपये कमा रही हैं और अपनी इकाई में पांच अन्य लोगों को रोजगार भी दिया है। इसी प्रकार बांका जिले के बाराहाट प्रखंड के नया नगरी गांव में रहने वाली बबीता कुमारी ने योजना के तहत मिली वित्तीय सहायता से अपने घर पर फुटबॉल बनाने की इकाई स्थापित की। वर्तमान में आसपास की कुल 50 महिलाओं को इस इकाई से जुड़कर रोजगार मिला है। उनका वार्षिक टर्नओवर अब लगभग 40 लाख रुपये हो चुका है। बबीता की इकाई में निर्मित फुटबॉल बिहार के अलावा बंगाल, झारखंड, ओडिशा और असम में भेजे जा रहे हैं। कैमूर जिले में कुमारी सरिता यादव ने अपने शौक को रोजगार का रूप दिया।

फॉर्च्यून सोया हेल्थ ने अनोखा आउट ऑफ होम कैंपेन किया शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मानसून के पसंदीदा खान-पान को केंद्र में रखते हुए फॉर्च्यून सोया हेल्थ रिफाइंड सोयाबीन ऑयल ने पटना में एक अनोखा आउट ऑफ होम कैंपेन शुरू किया है। बारिश के साथ पकौड़ों का स्वाद थीम पर आधारित इस कैंपेन में बड़े आकार की अनोखी प्रस्तुतियों के जरिए मानसून और पकौड़ों के पसंदीदा मेल को जीवंत किया गया है। इस अनोखे मानसून कैंपेन और प्रस्तुतियों पर टिप्पणी करते हुए एडब्ल्यूएलएग्री बिजनेस लिमिटेड के ग्रुप प्रोडक्ट मैनेजर प्रशांत पांडे ने कहा कि मानसून का भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान है और भोजन इसके अनुभव का अभिन्न हिस्सा है। बारिश का नजारा देखते ही गरमा-गरम पकौड़ों की इच्छा होने लगती है। बारिश के साथ पकौड़ों का स्वाद के जरिए कंपनी इस गहरे और परिचित जुड़ाव को ऐसे अंदाज में सामने लाना चाहती थी जिसे लोग सिर्फ देखें नहीं, बल्कि महसूस भी कर सकें। दिल्ली, वाराणसी और पटना में कैंपेन को ले जाने और इसे फॉर्च्यून सोया हेल्थ तथा फॉर्च्यून बेसन के ऑफर से जोड़ने के जरिए कंपनी ने मानसून के इस अनुभव को सड़कों से घरों तक पहुंचाने की कोशिश की है।

संपादकीय

रूस में जयशंकर, चीन में डोभाल, एक साथ दो मोर्चों पर भारत की बड़ी कूटनीतिक चाल

भारत की विदेश नीति इस समय रूस और चीन दोनों मोर्चों पर सक्रिय है। विदेश मंत्री एस जयशंकर रूस में व्यापार, ऊर्जा और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं, जबकि एनएसए अजीत डोभाल चीन में सीमा विवाद पर बातचीत करेंगे। ब्रिक्स सम्मेलन और अमेरिकी दबाव के बीच भारत रिश्तों में संतुलन बनाते हुए रणनीतिक हित साधने की कोशिश कर रहा है। एक ही समय में भारत की तरफ से दो महत्वपूर्ण कूटनीतिक यात्राएं चल रही हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर रूस में हैं, जबकि एनएसए अजीत डोभाल चीन में। ये यात्राएं भारत की उस विदेश नीति का हिस्सा हैं, जिसमें चीन के साथ तनाव कम करने का प्रयास है। साथ ही, रूस संग पुराने संबंधों को बदली परिस्थितियों में मजबूती देने की कोशिश। अजीत डोभाल सीमा विवाद को लेकर होने वाली बातचीत में हिस्सा लेंगे। इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में हुए ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात ने द्विपक्षीय संबंधों में आए तनाव को कम करने की शुरुआत की थी। इसके बाद से दोनों देशों के बीच संवाद बढ़ा है। हालांकि सुधार के संकेतों के बावजूद यह नहीं कह सकते कि भरोसा पूरी तरह लौट आया है। अरुणाचल प्रदेश को लेकर पेइचिंग का रुख इसका सबूत है। हालांकि दोनों ही देशों का हित सीमा पर शांति और स्थिरता में है। फिर यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि सितंबर में भारत को ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी करनी है। इसमें शी चिनफिंग के भी आने की चर्चा है। पिछले साल अगस्त आखिर में जब पीएम मोदी एससीओ समिट के लिए चीन के तियानजिन गए थे, तो वहां शी के साथ मुलाकात ने द्विपक्षीय संबंधों को गति देने में मदद की थी। तब दोनों ने दोहराया था कि भारत और चीन विकास के साझेदार हैं और आपसी मतभेद विवाद में नहीं बदलने चाहिए। यह बात आज भी सच है। जयशंकर की मॉस्को यात्रा की अहमियत भी वर्तमान भू-राजनीति को देखते हुए अहम हो जाती है। सोमवार को उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। आगे उन्हें अपने समकक्ष से मिलना है। इस दौरान बातचीत के एजेंडे में व्यापार और ऊर्जा से लेकर वैश्विक मुद्दे तक हैं। नई दिल्ली-मॉस्को संबंधों को लगातार अमेरिकी दबाव का सामना करना पड़ा है। यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया जिस तरह उलझा पड़ा है, आगे कूटनीतिक चुनौती और बड़ी हो सकती है। तियानजिन से आई मोदी, शी और चिनफिंग की तस्वीरों ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा था, खासकर अमेरिका का। उस समय ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन ने टैरिफ वॉर छेड़ रखी थी। तब से आज वैश्विक परिस्थितियां ज्यादा जटिल हैं। अमेरिका अब भी टैरिफ को हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है और ऊर्जा संकट बना हुआ है। इस माहौल में भारत को ज्यादा संतुलित नीति की जरूरत है।

भारत की कूटनीति इस समय तीन अलग-अलग राजधानियों में एक साथ अपनी बिसात बिछा रही है। मॉस्को में रूस के साथ ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक साझेदारी को नई गति देने की कोशिश; बीजिंग में चीन के साथ सबसे संवेदनशील सीमा विवाद को संभालते हुए रिश्तों को स्थिर करने की कवायद और टोक्यो में जापानी पूंजी, तकनीक और विनिर्माण को भारत की विकास गाथा से जोड़ने का अभियान। विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की ये यात्राएं बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की बहुस्तरीय रणनीति की तीन परस्पर जुड़ी हुई चालें हैं।

रूस में जयशंकर, चीन में डोभाल, जापान में गोयल ने संभाला मोर्चा, आखिर क्या है मोदी का मिशन?

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि भारत-रूस व्यापार 2024-25 में रिकॉर्ड 68.7 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, लेकिन तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि भारतीय निर्यात केवल 4.88 अरब डॉलर रहा। यानी व्यापार तेजी से बढ़ा है, मगर संतुलन भारत के पक्ष में नहीं है।

भारत की कूटनीति इस समय तीन अलग-अलग राजधानियों में एक साथ अपनी बिसात बिछा रही है। मॉस्को में रूस के साथ ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक साझेदारी को नई गति देने की कोशिश; बीजिंग में चीन के साथ सबसे संवेदनशील सीमा विवाद को संभालते हुए रिश्तों को स्थिर करने की कवायद और टोक्यो में जापानी पूंजी, तकनीक और विनिर्माण को भारत की विकास गाथा से जोड़ने का अभियान। विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की ये यात्राएं बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की बहुस्तरीय रणनीति की तीन परस्पर जुड़ी हुई चालें हैं।

जयशंकर का रूस दौरा: सबसे पहले मॉस्को यात्रा की बात करें तो आपको बता दें कि जयशंकर की दो दिवसीय रूस यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब भारत पर अमेरिकी टैरिफ और रूसी ऊर्जा खरीद को लेकर दबाव बढ़ा हुआ है। मॉस्को में वह रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के साथ भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग यानि आईआरआईजीसी-टीईसी की 27वीं बैठक की सह-अध्यक्षता कर रहे हैं और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं।

हम आपको बता दें कि भारत-रूस व्यापार 2024-25 में रिकॉर्ड 68.7 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, लेकिन तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि भारतीय निर्यात केवल 4.88 अरब डॉलर रहा। यानी व्यापार तेजी से बढ़ा है, मगर संतुलन भारत के पक्ष में नहीं है। इसलिए नई दिल्ली अब केवल रूसी तेल खरीदने वाले साझेदार की भूमिका से आगे बढ़कर बाजार पहुंच, निवेश, भुगतान व्यवस्था, लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी के सवालों को केंद्र में ला रही है।

भारत और रूस ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर, नॉर्दर्न सी रूट और चेन्नई-व्लादिवोस्तोक कॉरिडोर जैसे विकल्पों का महत्व बढ़ जाता है। यह रणनीति दर्शाती है कि भू-राजनीतिक दबाव के बावजूद भारत अपने पुराने, परखे हुए रणनीतिक साझेदार के साथ ऊर्जा, रक्षा, व्यापार और संपर्क के विकल्प खुले रखना चाहता है। यह यात्रा राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अगले महीने संभावित भारत यात्रा से पहले भी हो रही है, जिससे इसकी राजनीतिक अहमियत और बढ़ जाती है।

अजित डोभाल का चीन दौरा: उधर, मॉस्को में भारत साझेदारी को मजबूत कर रहा है, तो बीजिंग में उसकी प्राथमिकता सीमा विवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों को सुलझाने में लगी हुई है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल 25वें भारत-चीन विशेष प्रतिनिधि संवाद के लिए चीन के दौरे पर हैं, जहां उनकी मुलाकात चीन के विदेश मंत्री वांग यी से होनी है। हम आपको याद दिला दें कि साल 2003 में शुरू किया गया यह तंत्र लगभग 3,488 किलोमीटर लंबे सीमा विवाद के राजनीतिक समाधान के लिए बनाया गया था। 25 दौर की बातचीत के बावजूद अंतिम समाधान दूर है, लेकिन दोनों देश इसे तनाव नियंत्रित करने और संवाद बनाए रखने का महत्वपूर्ण माध्यम मानते हैं। खासकर 2020 के बाद सीमा पर पैदा हुई गंभीर स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत-चीन संबंधों का भविष्य केवल व्यापार या राजनीतिक संपर्क से तय नहीं होगा।

जयशंकर का संदेश भी इसी रणनीतिक सोच को रेखांकित करता है। यानि सीमा पर शांति और स्थिरता, अच्छे संबंधों की पूर्व शर्त है। देखा जाये तो डोभाल की यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब दोनों पक्ष तनाव कम करने और संबंधों को सामान्य बनाने के लिए कुछ कदम उठा रहे हैं, लेकिन सीमा का प्रश्न अब भी निर्णायक है। बातचीत का उद्देश्य केवल विवाद को प्रबंधित करना नहीं, बल्कि उस राजनीतिक जगह को तैयार करना भी है जिसमें भारत और चीन के शीर्ष नेतृत्व के बीच आगे संवाद संभव हो सके। साथ ही डोभाल की यात्रा भी ऐसे समय हो रही है जब चीन के राष्ट्रपति शी

जिनपिंग का अगले महीने भारत का दौरा लगभग तय माना जा रहा है।

पीयूष गोयल का जापान दौरा: इसके अलावा, तीसरा मोर्चा टोक्यो में खुलता है, जहां पीयूष गोयल 200 सदस्यीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल के साथ जापान पहुंचे हैं। यह प्रतिनिधिमंडल टोक्यो, नागोया और ओसाका में सरकारों और उद्योग जगत के साथ बैठकों के जरिए निवेश, व्यापार और तकनीकी सहयोग को नई दिशा देने की कोशिश करेगा। हम आपको बता दें कि भारत की नजर केवल अधिक जापानी निवेश पर नहीं है। लक्ष्य कहीं बड़ा है। लक्ष्य यह है कि जापानी कंपनियां भारत में केवल बेचें नहीं, बल्कि निर्माण करें, डिजाइन करें, नई तकनीक विकसित करें और भारत को वैश्विक निर्यात केंद्र के रूप में इस्तेमाल करें। सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उन्नत विनिर्माण और नई प्रौद्योगिकियां इस अभियान के प्रमुख क्षेत्र हैं।

हम आपको बता दें कि जापान ने भारत में एक दशक के दौरान 10 ट्रिलियन येन निवेश का लक्ष्य रखा है। भारत अब चाहता है कि इस दशक के अंत तक देश में सक्रिय जापानी कंपनियों की संख्या दोगुनी हो। नागोया की औद्योगिक और ऑटोमोबाइल क्षमता, टोक्यो की वित्तीय एवं तकनीकी ताकत और ओसाका के नवाचार तंत्र के साथ भारत अपने विनिर्माण भविष्य की नई साझेदारी तलाश रहा है। मॉस्को, बीजिंग और टोक्यो की इन तीन यात्राओं को एक साथ देखें तो भारत की रणनीति स्पष्ट दिखाई देती है। रूस से ऊर्जा और रणनीतिक स्वायत्तता; चीन से सीमा तनाव को नियंत्रित करते हुए सुरक्षा संतुलन; और जापान से पूंजी, तकनीक तथा वैश्विक सप्लाई चेन में अपनी हिस्सेदारी मजबूत करना। यही भारत की सबसे बड़ी कूटनीतिक चुनौती भी है। यानि किसी एक धुरी का हिस्सा बने बिना सभी महत्वपूर्ण धुरियों के साथ अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार संबंध चलाना। दुनिया जब व्यापार युद्धों, टैरिफ, युद्धों, सप्लाई चेन संकट और महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा से गुजर रही है, तब भारत तीन अलग-अलग राजधानियों में तीन अलग भाषाओं में, लेकिन एक ही संदेश के साथ बात कर रहा है। भारत स्पष्ट कर रहा है कि वह साझेदारी करेगा, दबाव में नहीं झुकेगा; संवाद करेगा, लेकिन सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा; और निवेश चाहेगा, लेकिन केवल बाजार बनने के लिए नहीं बल्कि वैश्विक विनिर्माण और तकनीकी शक्ति बनने के लिए। बहरहाल, मॉस्को से बीजिंग और टोक्यो तक फैली यह कूटनीतिक त्रिकोणीय चाल इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका लक्ष्य केवल आज के संकटों को संभालना नहीं, बल्कि 2030 के भारत की आर्थिक, सामरिक और तकनीकी स्थिति तय करना है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

गड़बड़ा जाएंगे सभी राजनीतिक दलों के समीकरण ? 2029 से ही वन नेशन वन इलेक्शन को लागू करने की तैयारी तेज !

(नीरज कुमार दुबे)

मौजूदा विधेयकों की मूल रूपरेखा के अनुसार देश में लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक चक्र में लाने की पहली वास्तविक संभावना 2034 से बनती है। संसद की संयुक्त समिति संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 की जांच कर रही है।

भले ही देश की तमाम राजनीतिक पार्टियां आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए अपनी-अपनी बिसात बिछाने में जुटी हों, लेकिन भारतीय राजनीति की इस शतरंज पर जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक और बड़ा 'मास्टरस्ट्रोक' चलने की संभावना जोर पकड़ रही है। हम आपको बता दें कि 'एक देश, एक चुनाव' का विचार अब महज बहस या चुनावी नारा नहीं रह गया है, भारत इसके क्रियान्वयन से कुछ ही कदम दूर दिखाई दे रहा है। एक ओर भाजपा देशभर में विभिन्न सामाजिक और पेशेवर वर्गों के बीच इस विचार के समर्थन में अभियान चलाकर जनमत तैयार करने में जुटी है, वहीं इस मुद्दे पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति भी राज्यों, विधायिकाओं, शिक्षाविदों, कानूनी विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों से व्यापक चर्चा के बाद अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के चरण में पहुंच रही है। ऐसे में सियासी हलकों में यह सवाल तेजी से उठ रहा है कि क्या चुनावी राजनीति की मौजूदा बिसात बदलने वाली है और क्या 'एक देश, एक चुनाव' मोदी सरकार की अगली बड़ी राजनीतिक चाल साबित होगी।

हम आपको बता दें कि मौजूदा विधेयकों की मूल रूपरेखा के अनुसार देश में लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक चक्र में लाने की पहली वास्तविक संभावना 2034 से बनती है। संसद की संयुक्त समिति संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 की जांच कर रही है। इन प्रावधानों का उद्देश्य अगले चुनाव चक्र में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ लाना है। लेकिन राजनीतिक सत्ता का गणित शायद अब 2034 तक इंतजार करने के मूड में नहीं है।

एनडीए के शासन वाले 22 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में से 11 में अगले दो वर्षों के भीतर विधानसभा चुनाव होने हैं। यदि इन राज्यों में एनडीए अपनी सरकारें बरकरार रखता है, तो 2029 में लोकसभा चुनाव के साथ इन्हें चुनावी चक्र में लाने के लिए जनवरी 2029 तक विधानसभाएं भंग करने का विकल्प सामने आ सकता है। आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और ओडिशा में विधानसभा चुनाव पहले से ही लोकसभा चुनाव के साथ होते रहे हैं। इस प्रकार इन चार राज्यों को समन्वित चुनावी चक्र में लाना अपेक्षाकृत आसान होगा।

इसके अलावा, संवैधानिक रास्ता भी राजनीतिक चर्चा के केंद्र में है। संविधान का अनुच्छेद 174(2)(वी) राज्यपाल को विधानसभा भंग करने का अधिकार देता है, हालांकि सामान्य परिस्थितियों में यह फैसला मंत्रिपरिषद की सलाह पर होता है। विधानसभा भंग होने के बाद जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत निर्धारित समय सीमा में चुनाव कराना आवश्यक होता है। यही वह संवैधानिक खिड़की है, जिसके जरिए 2029 के साथ चुनावों का समन्वय करने की राजनीतिक संभावना तलाशी जा रही है।

यहीं से 'एक देश, एक चुनाव' का प्रशासनिक तर्क सीधे राजनीतिक रणनीति में बदल जाता है। सवाल यह है कि क्या किसी निर्वाचित विधानसभा का कार्यकाल तीन या चार वर्ष तक घटाकर चुनावी चक्र को एक साथ लाना महज चुनाव सुधार होगा, या फिर यह सत्ता की सुविधानुसार राजनीतिक कैलेंडर को पुनर्गठित करने की शुरुआत होगी? एनडीए के लिए यह योजना चुनावी संसाधनों, संगठनात्मक ताकत और राष्ट्रीय नेतृत्व की लोकप्रियता को एक साथ मैदान में उतारने का अवसर बन सकती है। एक ही समय में लोकसभा और विधानसभा चुनाव होने पर राष्ट्रीय मुद्दों की लहर राज्य-स्तरीय समीकरणों को प्रभावित कर सकती है।

राजनीतिक दृष्टि से यह विपक्ष के लिए बड़ी चुनौती होगी। पंजाब में 2027 और हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मिजोरम तथा तेलंगाना में 2028 में चुनाव प्रस्तावित हैं। इनके बाद चुनी जाने वाली विधानसभाओं का कार्यकाल 2029 के लोकसभा चुनाव तक केवल एक या दो वर्ष पुराना होगा, जबकि यदि भविष्य में उन्हें लोकसभा चुनाव के चक्र से जोड़ा जाता है तो उनकी अवधि को लेकर अलग संवैधानिक और राजनीतिक बहस खड़ी होगी। दूसरी ओर, 2028 में मध्य प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, राजस्थान और त्रिपुरा जैसे राज्यों के चुनाव तथा 2029 के आसपास विभिन्न राज्यों के अलग-अलग चुनावी कार्यक्रम देश के मौजूदा बिखरे हुए चुनाव चक्र की जटिलता को दिखाते हैं। संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पी.पी. चौधरी ने इस संभावना पर साफ कहा है कि 2029 में चुनावों को आगे बढ़ाकर एक साथ कराने का फैसला समिति के अधिकार क्षेत्र से बाहर है और यह संबंधित एनडीए मुख्यमंत्रियों पर निर्भर करेगा। हम आपको याद दिला दें कि यह समिति दिसंबर 2024 में गठित हुई थी और राज्यों में सरकारों, विधायिकाओं, शिक्षाविदों, विधि विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों से संवाद कर रही है। उसकी रिपोर्ट इस वर्ष संसद के शीतकालीन सत्र में आने की उम्मीद है।

लोकहित के नाम पर संसद में हंगामा, हर घंटे 1.5 करोड़ के नुकसान का कौन है जिम्मेदार?

संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष ने सरकार पर नीट पेपर परीक्षा, राम मंदिर चंदा चोरी जैसे मामलों में गृहमंत्री अमित शाह के बयान को लेकर कई दिनों तक हंगामा किया। जिससे संसद की कार्रवाई बाधित होती रही। संसद में विधायी कामकाज नहीं हो सको। संसद की कार्रवाई कई बार अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। सबसे अहम बात ये कि सदन स्थगित होने पर भी ये खर्च रुकता नहीं है। संसद की सुरक्षा, वहां के कर्मचारी, तकनीकी व्यवस्था और पूरा संसदीय तंत्र उसी तरह चलता रहता है। इसलिए जब कार्यवाही बार-बार बाधित होती है, तब करोड़ों रुपये का बोझ सीधे जनता की जेब पर पड़ता है।

(योगेंद्र योगी)

संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष ने सरकार पर नीट पेपर परीक्षा, राम मंदिर चंदा चोरी जैसे मामलों में गृहमंत्री अमित शाह के बयान को लेकर कई दिनों तक हंगामा किया। जिससे संसद की कार्रवाई बाधित होती रही। संसद में विधायी कामकाज नहीं हो सको। संसद की कार्रवाई कई बार अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई।

जिस देश में करोड़ों लोगों को साफ पीने का पानी, पर्याप्त बिजली, राशन, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं मयस्सर नहीं हैं, वहां सिर्फ आम लोगों की भलाई के नाम पर संसद में हंगामा करके अरबों रूपए स्वाह कर दिए जाते हैं। संसद में अब तक मानसून सत्र के दौरान हंगामे और व्यवधान के कारण लोकसभा में 7,023 मिनट का समय बर्बाद हो। अर्थात प्रति मिनट करीब 2.5 लाख खर्च का अनुमान हुआ। यह आंकड़ा करीब 175 करोड़ बैठता है। देश के लोकतंत्र का मंदिर है संसद, जहां पर जनता की, उनके अधिकारों, मुद्दों की आवाज़ गूंजनी चाहिए। लेकिन वहां अभी तक के मानसून सत्र में सिर्फ शोर सुनाई दिया। विपक्ष का हंगामा कान के पर्दों को फाड़ रहा है। सवाल ये है कि इस शोर का बिल कौन भर रहा है? तो जवाब है–देश की जनता। क्योंकि संसद में हर मिनट हंगामा होता है तो सिर्फ बहस नहीं रुकती, बल्कि करीब ढाई लाख रुपये भी पानी की तरह बहते रहते हैं।

संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष ने सरकार पर नीट पेपर परीक्षा, राम मंदिर चंदा चोरी जैसे मामलों में गृहमंत्री अमित शाह के बयान को लेकर कई दिनों तक हंगामा किया। जिससे संसद की कार्रवाई बाधित होती रही। संसद में विधायी कामकाज नहीं हो सको। संसद की कार्रवाई कई बार अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। सबसे अहम बात ये कि सदन स्थगित होने पर भी ये खर्च रुकता नहीं है। संसद की सुरक्षा, वहां के कर्मचारी, तकनीकी व्यवस्था और पूरा संसदीय तंत्र उसी तरह चलता रहता है। इसलिए जब कार्यवाही बार-बार बाधित होती है, तब करोड़ों रुपये का बोझ सीधे जनता की जेब पर पड़ता है।

संसद की कार्यवाही एक दिन के लिए अगर स्थगित होती है तो इसके पीछे 9 करोड़ रुपये का घाटा होता है। इस रकम को प्रति घंटे और प्रति मिनट के आधार पर यह प्रति घंटे एक करोड़ पचास लाख यानी डेढ़ करोड़ होती है। यह आंकड़ा इस साल के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में पीठासीन स्पीकर जगदंबिका पाल ने दिया था। साल 2014 से लेकर 2024 के आंकड़ों पर गौर करें तो बार-बार सदन के स्थगित होने की वजह से सरकारी तिजोरी का करीब 3300 करोड़ रुपया पूरी तरह बर्बाद हो चुका है। संसद के इस तरह से बार-बार ठप होने पर ना सिर्फ जरूरी काम रुकते हैं, बल्कि लोगों के पैसे पर भी असर पड़ता है।

इसी तरह संसद के साल 2025 के मॉनसून सत्र दौरान सांसदों ने देशहित की बजाय अपनी राजनीति में अधिक समय गंवा दिया। लोकसभा में सांसदों को 120 घंटे देश के मुद्दों पर चर्चा करनी थी, लेकिन वास्तव में सिर्फ 37 घंटे ही काम हुआ। अर्थात 83 घंटे बेकार गए। केवल 31त्न काम हुआ और बाकी 69 प्रतिशत समय सांसदों की आपसी राजनीति और हंगामे में बर्बाद हो गया। राज्यसभा का भी यही हाल था। यहां भी 120 घंटे काम होना चाहिए था, लेकिन सिर्फ 47 घंटे ही काम किया गया। मतलब 73 घंटे बर्बाद हो गए। राज्यसभा में भी सांसदों ने सिर्फ 38 प्रतिशत काम किया। लोकसभा में 83 घंटे काम नहीं हुआ, जिससे लगभग 124 करोड़ 50 लाख रुपये जनता के पैसे बर्बाद हो गए। वहीं राज्यसभा में 73 घंटे की बर्बादी से करीब 80 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। पिछले मानसून सत्र में दोनों सदनों में मिलाकर कुल 204 करोड़ 50 लाख रुपये बर्बाद हो गए। यह पैसा जनता के काम पर खर्च हो सकता था, लेकिन हंगामे और राजनीति की वजह से व्यर्थ चला गया।

संसद के चलने में करोड़ों के इस खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा अर्थात करीब 35 से 40 प्रतिशत खर्च इन्हीं सांसदों के वेतन, भत्तों और सुविधाओं पर होता है जो संसद में खड़े होकर चीखते हैं, हंगामा बरपाते हैं, बिलों को पेश तक नहीं होने दे रहे। इन सांसदों को एक लाख रुपये मासिक वेतन, 70 हजार रुपये निर्वाचन क्षेत्र भत्ता, 60 हजार रुपये कार्यालय और सहायक खर्च दिया जाता है। इसके अलावा दिल्ली आने पर प्रतिदिन 2 हजार रुपये का विशेष भत्ता और यात्रा सुविधाएं भी मिलती हैं।

संसद सचिवालय के हजारों कर्मचारियों पर करीब 25 से 30 प्रतिशत खर्च होता है। इसमें प्रशासनिक अधिकारी, रिपोर्टर, ट्रांसलेटर्स, रिसर्च स्टाफ, स्टेनोग्राफर, मार्शल, डेटा एंट्री ऑपरेटर और सफाई कर्मचारियों का वेतन शामिल है। करीब 20 प्रतिशत खर्च संसद की हाई-टेक व्यवस्थाओं पर होता है। बिजली-पानी, संसद टीवी की लाइव ब्रॉडकास्टिंग, हाई-एंड रिकॉर्डिंग सिस्टम, डिजिटल वोटिंग पैनल, साथ में इनका खाना-पीना और रोज छपने वाले सैकड़ों विधायी दस्तावेजों की लागत इसी में आता है। 10 से 15 प्रतिशत खर्च संसद की सुरक्षा व्यवस्था पर होता है। दिल्ली पुलिस, सीआरपीएफ, संसद सुरक्षा सेवा, 24 घंटे चलने वाला सीसीटीवी नेटवर्क, आधुनिक स्कैनर और बायोमेट्रिक सिस्टम, ये सब तब भी चलते रहते हैं जब सदन में काम ठप हो जाता है। मतलब देश के खजाने के खर्च का मीटर लगातार घूमता रहता है।

लोकसभा में कार्यवाही स्थगित करने का अधिकार स्पीकर यानी अध्यक्ष के पास होता है। राज्यसभा में यह अधिकार सभापति की कुर्सी पर बैठे उपराष्ट्रपति या उनकी गैरमौजूदगी में बैठक को संचालित कर रहे उपसभापति या पीठासीन अधिकारी के पास होता है। संसद की कार्यवाही स्थगित होने का मतलब है कि सदन की बैठक को कुछ समय के लिए या फिर पूरे दिन के लिए रोक दिया जाए। सदन में व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होने पर वह अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं।

सवाल यह भी है कि क्या विपक्ष जानबूझकर हंगामा करता है? लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार से जवाब मांगना भी होता है। कई बार विपक्ष की तरफ से चर्चा की मांग, जांच की मांग, मंत्री का बयान, प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति को लेकर विरोध किया जाता है। अगर उसकी मांग स्वीकार नहीं होती तो विरोध तेज हो सकता है। वहीं दूसरी तरफ सरकार का कहना होता है कि चर्चा नियमों के अनुसार होनी चाहिए और बाधा होने से जनता का काम रुकता है। इसलिए हर मामले को राजनीतिक परिस्थितियों के संदर्भ में देखना चाहिए। कई बार विपक्ष आरोप लगाता है कि चर्चा की अनुमति नहीं दी गई, जरूरी मुद्दों पर समय नहीं दिया गया, जवाब नहीं दिया गया। जबकि सरकार का पक्ष होता है कि विपक्ष जानबूझकर कार्यवाही नहीं चलने देता।

ऐसा नहीं है कि कांग्रेस और विपक्षी दल ही संसद में हंगामा करते हैं। जब भाजपा विपक्ष में थी, तब भी यही हाल था। भाजपा के सांसद संसद में जमकर हंगामा करके संसद को ठप्प कर देते थे। सारे दल इस लिहाज से एक जैसे नजर आते हैं। सर्वाधिक आश्चर्य की बात यह है कि संसद में अरबों रुपए बर्बाद करके जो हंगामा किया जाता है, वह देश के लोगों की भलाई के नाम पर होता है। इससे बेहतर तो यही है कि इस धन राशि को सीधे विकास कार्यों में खर्च किया जाता। लगता यही है कि किसी को इस तरह की बर्बादी का अफसोस नहीं है। देश के लोग इस मामले में लाचार बने हुए हैं। किसे दोषी ठहराएं और किसी सही, लेकिन इतना जरूर है कि यह नौबत देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और आम लोगों के हित में नहीं है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सिर पर पगड़ी और हाथ में इस्लामी झंडे के साथ निकाला जुलूस-ए-मोहम्मदी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डंडखोरा (कटिहार)। पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब के अनुयायियों ने उनका जन्म दिन जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाल कर मनाई। नबी की आमद जैसे नज्मों और सलातो-सलाम की गूंज से बुधवार को प्रखंड क्षेत्र गूंज उठा। हाथों में लहराते इस्लामी झंडे,सिर पर बंधी पगड़ी और खुशियों लबालब चेहरा ईद-ए-मिलादुन्नबी को खास बना रहे थे। पूरी फिजा आका की आमद-मरहबा, सरकार की आमद-मरहबा के नारों से विभिन्न सड़क गूंजती रही। डंडखोरा मुस्लिम टोला, सकरपुरा,हाजी टोला, सौरिया, भमरेली, मकुरजान, बरगाछी और कन्होर समेत अन्य अकलियत के बसावट से हजरत साहब के अनुनायी गाजे-बाजे और इस्लामी झंडे के साथ जुलूस की शक्ल में पीर मजार डंडखोरा पहुंचे।जहां जुलूस सभा में तब्दील हो गया। जबकि रायपुर से निकला जुलूस बस्तौल की तरफ निकल गया। आमद - ए-रसूल कमेटी,डंडखोरा की देखरेख में पीरमजार परिसर में मिलाद कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। गंगा-जमुनी तहजीब और हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल पेश करते हुए लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी और इलाके में शांति व भाईचारे का संदेश दिया। सभा को संबोधित करते हुए मौलाना सिकंदर रजा ने दुनिया और आखिरत में कामयाबी का एकमात्र रास्ता पवित्र कुरआन की शिक्षा और पैगंबर साहब के बताए रास्ते को बताया। उन्होंने युवाओं को धार्मिक के साथ आधुनिक शिक्षा हासिल करने और अपने जीवन को पैगंबर साहब के आदर्शों के अनुरूप ढालने की सलाह दी। वहीं निहाल खान, अकील अशरफी, इश्तियाक, नजरूल हुसैन, शाजिदुर्र रहमान और एहतेशाम ने भी लोगों से नबी के आदर्शों पर चलने और समाज में प्यार व भाईचारा फैलाने की अपील की।उन्होंने कहा कि पैगंबर साहब का जीवन इंसानियत और मोहब्बत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि धर्म आत्मिक ताकत और विश्वास की पूंजी होती है। कमेटी के सचिव जावेद अली ने कहा कि पैगंबर-ए-इस्लाम ने पूरी मानवता को शांति, प्रेम, न्याय और मानव सेवा का संदेश दिया है। अकीकदमंदों ने कार्यक्रम के अंत में सलातो-सलाम पेश कर देश की तरक्की, शांति और खुशहाली के लिए दुआ मांगी। आयोजन को शांतिपूर्ण बनाने में आशिक खां, जावेद अली, कादिर खान, शेख रईस, शमशाद आलम, मो.आलम, शाहनवाज अहमद, शेख साबिर, हैदर अली, मुस्ताक आजम, मंसूर आलम, मो. निहाल, मो. मेराज आलम, फैयाज आलम, मो. नजबुल, आफताब खां, मो. मिट्ठू, शहजादा और मो. जहांगीर सहित कई अन्य सक्रिय रहे।जबकि इस दौरान प्रशासन काफी चौकस नजर आया।सभी मार्गों पर डंडखोरा पुलिस की गश्ती गाड़ी दौड़ती नजर आई।सभी आयोजन शांतिपूर्ण संपन्न होने की सूचना है।

गंगा का पानी बढ़ा तो डहरा गांव के निचले हिस्से में घुसा बाढ़ का पानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार)। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर ने बरारी प्रखंड के निचले इलाकों में रहने वाले ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। विशनपुर पंचायत के वार्ड 17 और 18 के डहरा गांव के निचले हिस्से में बाढ़ का पानी फैलने लगा है। स्थिति यह है कि कई जगह पानी घुटने से ऊपर तक पहुंच गया है। घरों के लोगों को नाव के सहारे आवागमन करना पड़ता है। वार्ड सदस्य प्रतिनिधि धनंजय मंडल ने बताया कि डहरा गांव के निचले हिस्से में पानी तेजी से फैल रहा है। यदि गंगा के जलस्तर में इसी तरह वृद्धि जारी रही तो अगले 10 से 15 दिनों में इलाके में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो सकती है। उन्होंने कहा कि अभी

दरवाजे और आसपास पानी जमा होने के कारण लोगों को खेत-खलिहान और मुख्य सड़क तक आने-जाने में परेशानी हो रही है। जरूरी काम के लिए ग्रामीणों को पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार गंगा का जलस्तर बढ़ते ही हर साल सबसे पहले निचले इलाके इसकी चपेट में आते हैं। पानी फैलने के साथ खेतों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। पशुओं के लिए चारा लाने और दैनिक जरूरत का सामान जुटाने में भी परेशानी होती है। सबसे अधिक दिक्कत बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को होती है। बाढ़ की स्थिति गंभीर होने पर तक नाव की व्यवस्था नहीं की गई है। ऐसे में पानी और बढ़ने पर ग्रामीणों के सामने आवागमन का संकट खड़ा हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल नाव की व्यवस्था कराने, जलस्तर पर लगातार निगरानी रखने और संभावित बाढ़ को देखते हुए सुरक्षित स्थान व अन्य जरूरी संसाधनों की तैयारी पहले से करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि बरारी के निचले इलाकों में हर साल बाढ़ के दौरान यही तस्वीर देखने को मिलती है। समय रहते तैयारी हो तो बाढ़ के दौरान होने वाली परेशानी को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

ईद मिलादुन्नबी पर निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

बरारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र में बुधवार को पैगंबर - ए - इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिवस के मौके पर ईद मिलादुन्नबी का पर्व उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न गांवों से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। लक्ष्मीपुर से निकला जुलूस बरारी होते हुए छोटी भैसदीरा तक पहुंचा। जुलूस में बच्चे, युवा और बुजुर्ग बड़ी संख्या में शामिल हुए।जुलूस के दौरान धार्मिक नारों और नात-ए-पाक से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। लोगों ने एक-दूसरे को ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी। जुलूस में शामिल लोगों ने पैगंबर-ए-इस्लाम के बताए रास्ते पर चलने और समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा व सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया। जुलूस के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर भी लोग सतर्क रहे।इस अवसर पर पूर्व मुखिया अमरेंद्र सिंह संजू, शाहबाज अंसारी, खुर्शीद, अलीम, हसीब, मुजीब और युस्मान समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि ईद मिलादुन्नबी का उद्देश्य पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जीवन और उनकी शिक्षाओं को याद करना तथा समाज में शांति, भाईचारे और मानवता का संदेश फैलाना है। पर्व को लेकर क्षेत्र में दिनभर उत्साह का माहौल रहा।

आजमनगर सालमारी मुख्य मार्ग पर गड्ढे में फंसा ट्रक, घंटों रहा जाम

आजमनगर/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। आजमनगर सालमारी मुख्य मार्ग पर मंगलवार के दिन गड्ढे में फंसी एक ट्रक की वजह से 3 से 4 घंटा उक्त मार्ग पर आवागमन बाधित रहा। बताया जाता है कि उक्त मार्ग पर आजमनगर और दमदमा गांव के बीच कई जगहों पर गड्ढे बन जाने से लोगों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सिंगल मार्ग का रास्ता रहने पर लोगों को साइड लेने में भी परेशानी होती है। इससे पहले आजमनगर के लोगों द्वारा उक्त मार्ग को चौरीकरण कराए जाने को लेकर कई बार धरना प्रदर्शन किए जाने के बावजूद अब तक किसी ने भी सुध नहीं ली है। ना तो प्रशासनिक अधिकारी इस ओर ध्यान दे रहे हैं और ना ही कोई जनप्रतिनिधि उक्त मार्ग की चौड़ीकरण कराए जाने हेतु अपेक्षित कदम उठाया है। स्थिति यह है कि उक्त मार्ग पर कई बार कई बड़ी घटना हो चुकी है। आजमनगर बाजार के व्यावसायिक वर्ग के लोगों में सोनू भगत मोनू भगत रिकी भगत श्याम केसरी सज्जाद आलम मोहम्मद राहत आलम अभिषेक कुमार आदि सहित सैकड़ों की तादाद में लोगों ने उक्त मार्ग को चौरीकरण कराए जाने की मांग जिला पदाधिकारी कटिहार से की है।

खानकाह रहमापुर तकिया शरीफ में धूमधाम से मनाया गया जश्ने ईद मिलादुन्नबी

बारसोई/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बारसोई स्थित खानकाह रहमापुर तकिया शरीफ में एवं प्रखंड के विभिन्न जगहों पर जश्ने ईद मिलादुन्नबी हर्षोल्लास और अकीदत के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बारसोई,आजमनगर, कदवा, बलरामपुर समेत पश्चिम बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जुलूसे मोहम्मदी निकाला गया। जिसमें हजारों अकीदतमंद शामिल हुए।जुलूसे मोहम्मदी में शामिल लोग खानकाह रहमापुर तकिया शरीफ पहुंचे और वहां आयोजित सीरत-ए-मुस्तफा कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। कॉन्फ्रेंस में हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के जीवन शिक्षाओं और आदर्शों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान वर्षों से खानकाह शरीफ में रखे कदम-ए-रसूल की जियारत भी अकीदतमंदों ने की और पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की शिक्षाओं एवं उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।जुलूसे मोहम्मदी को संबोधित करते हुए खानकाह के मोहतमिम एवं जदयू नेता ख्वाजा शाहिद ने कहा कि हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के बताए रास्ते पर चलना आज के दौर की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पैगंबर-ए-इस्लाम ने अपने सादगीपूर्ण जीवन के माध्यम से भाईचारे, इंसानियत, सामाजिक बुराइयों के खिलाफ संघर्ष सामाजिक न्याय और एकता का संदेश दिया। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही हम बेहतर इंसान और सच्चे मोमिन बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि जुलूस के बाद हिंदुस्तान की अमन चैन के लिए दुआ मांगी गई।इस अवसर पर खानकाह के शहजादानशीन हजरत ख्वाजा नूर आलम, मुफ्ती नैयर आलम, ख्वाजा साजिद, शाहबाज आलम, मौलवी तहजीब, मून बाबू, सैयद रियाज आलम, मुफ्ती शमीम, ईदु भाई, अकील खान, रेहान मौलाना, नजमुल, इश्तियाक, इकबाल, शाबान सहित हजारों की संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे।

महिला विकास मंच की ओर से सावन मिलन समारोह का आयोजन

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। शहर के शिवाजी नगर ललियाही स्थित निजी विवाह भवन में महिला विकास मंच के बैनर तले सावन मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व महिला विकास मंच की जिला अध्यक्ष सह पूर्व मेयर प्रत्याशी रश्मि कुणाल ने किया। जबकि संचालन महासचिव श्रीमती चम्पा कामती ने किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंच की मुख्य संरक्षिका श्रीमति वीणा मानवी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रानी जायसवाल शामिल हुई। इस अवसर पर हरा रंग का वस्त्र एवं श्रृंगार कर सैकड़ों महिलाओं ने एक दूसरे को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मिलन समारोह में महिलाएं सावन मास में भगवान भोले एवं माता गौरी की पूजा अर्चना कर लोक गीत संगीत सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर खूब मनोरंजन किया।कार्यक्रम का उद्घाटन वीणा मानवी ने फीता काट कर शुरू किया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बिहार के हर जिला में यह कार्यक्रम आयोजित की गई है। अंतिम पखवाड़े में कटिहार में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया की सभी महिलाओं को हरि हरि चूड़ियां देकर सम्मानित किया गया है।प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रानी जायसवाल ने कहा कि सावन मिलन में महिलाएं उत्सव मनाती है धीरे धीरे उस संस्कृति विलुप्त होता जा रहा है जिसे मंच जीवित ही नही उसे वापस लाने का प्यास कर रही है।वहीं कार्यक्रम का नेतृत्व कर रही जिला अध्यक्षा रश्मि कुणाल ने बताया कि कटिहार जिला का नामकरण माता गौरी के कटि के हार से जुड़ा पौराणिक मान्यताओं पर आधारित है। ऐसे में कटिहार के इस पवित्र भूमि पर सावन मास में सोमवार को भगवान भोले नाथ का और मंगलवार को माता गौरी की पूजा अर्चना के लिए शुभदिन माना जाता है।श्रीमती कुणाल ने कहा कि कटिहार धार्मिक दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि अगले वर्ष और भव्य तरीके से यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर मंच की चम्पा देवी कामती नेहा किरण अधिवक्ता पूनम सिंह अधिवक्ता प्रियंका कुमारी सुष्मिता भट्टाचार्य राखी सिंह अंजली कुमारी सहित सैकड़ों महिला शामिल हुई।

सरकार की आमद मरहबा के नारों के साथ निकाला जुलूसे मुहम्मदी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। हुजूर सल्लल्लाह अलेह व सल्लम के यौमे पैदाइश के मौके पर बुधवार को जुलूसे मुहम्मदी जिले भर के शहरों ,कसबों मे निकाली गयी। इस शोभायात्रा मे बड़ी संख्या मे आशिके रसूल शामिल हुए। जुलूसे मुहम्मदी डीएस कालेज मैदान से शुरू होकर नगर भ्रमण कर शहीद चौक होते हुए टाऊन हाल पहुंचा। जहां प्रमुख धर्म गुरुओं ईमामों ने नबी साहब के पैगाम पर रोशनी डाली। अपनी तकरीर मे ईमामों ने बताया कि आज ही के दिन नबी साहब दुनिया मे तसरीफ लाये थे। दुनिया मे उनके आमद के पूर्व जोर जुल्म,अन्याय सहित अनेक कुरीतियों का बोलबाला था। नबी साहब ने दुनिया मे व्याप्त जोर जुल्म को मिटाकर अमन और शांति का पैगाम दिया। कहा कि उनका जीवन तमाम ईसानियत के लिए अनुकरणीय है। लोगों से हजरत मोहम्मद साहब के बुनियादी उसूलों को अपनी रोजाना की जिंदगी मे अपनाने की अपील की।आशिके रसूल की टोली प्रत्येक वर्ष उनके यौमे पैदाइश के मौके पर उनके शांति अमन चैन की पैगाम को जन जन तक पहुंचाने के लिए जुलूसे मुहम्मदी का आयोजन करती है। इस मौके अनेक धर्म गुरूओं ईमामों सहित इस्लाम धर्म के जानकारों ने भी नबी साहब की शान मे तकरीर की। जुलूस मे बड़ी संख्या मे बच्चे बुढ़े व नौजवान शामिल थे।स्थानीय प्रशासन की ओर से जुलूसे मुहम्मदी के मार्ग पर मुक्कमल इंतजाम किये गये थे।शहीद चौक पर जिला प्रशासन के आला अधिकारी विधि व्यवस्था को लेकर सतर्क व चौकस थे। इस दौरान उप मेयर मंजूर खान, समाजसेवी नौशाद सिद्दकी, परवेज सलीम, शाकिब खान, हासिम अंसारी, साबिर अंसारी, मो. एहतेशाम, शमशेर अली, सज्जाद अंसारी, कादिर अंसारी, मोहम्मद नोसे खान आदि मौजूद रहे।

बोलबम सेवा समिति के 25 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष सेवा शिविर का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। बोलबम सेवा समिति मनिहारी की कांवरिया एवं श्रद्धालुओं की सेवा के लिए संचालित सेवा यात्रा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर विशेष सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का शुभारंभ विधायक मनोहर प्रसाद सिंह ने फीता काटकर किया। समिति के अनुसार वर्ष 2001 से लगातार कांवरियों एवं श्रद्धालुओं की सेवा में जुटी बोलबम सेवा समिति इस वर्ष अपनी सेवा यात्रा के गौरवपूर्ण 25 वर्ष पूरे कर रही है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क भोजन, खीर प्रसाद, शरबत सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। सावन माह में बड़ी संख्या में कांवरिया गंगाजल लेकर विभिन्न शिवालयों की ओर प्रस्थान करते हैं, जिन्हें सेवा शिविर के माध्यम से राहत और सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है।कार्यक्रम मे मनिहारी के विधायक मनोहर प्रसाद सिंह के अलावा जिले एवं अनुमंडल के अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी और गणमान्य अतिथि भी मौजूद थे। आयोजकों ने बताया कि यह अवसर सेवा, श्रद्धा और समर्पण की 25 वर्षों की यात्रा को स्मरण करने का है। बोलबम सेवा समिति ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

कांवरिया सेवा शिविर में श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्था

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। श्रावणी माह में भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए गंगाजल लेकर जाने वाले कांवरियों की सेवा और सुविधा को लेकर मनिहारी में कांवरिया सेवा शिविर का आयोजन किया गया है। माँ गंगा भागवत कथा समिति, मनिहारी की ओर से आयोजित इस सेवा शिविर में कांवरियों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। समिति की ओर से लगाए गए शिविर के माध्यम से क्षेत्र सहित बाहर से आने वाले सभी कांवरिया श्रद्धालुओं को सेवा शिविर में सादर आमंत्रित किया गया है। शिविर के माध्यम से श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान सहयोग एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजन समिति में अध्यक्ष काजल कुमार मित्रा, उपाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह, सचिव रंजीत गुप्ता,कोषाध्यक्ष मदन सिंह एवं संरक्षक डा. ओम प्रकाश पांडे सहित अन्य सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही। समिति के सदस्यों ने कहा कि श्रावणी माह में कांवरिया श्रद्धालुओं की सेवा को धार्मिक एवं सामाजिक दायित्व मानते हुए यह पहल की गई है। शिविर में आने वाले श्रद्धालुओं को सम्मानपूर्वक सेवा उपलब्ध कराने की तैयारी की गई है।आयोजकों ने क्षेत्र के लोगों से भी कांवरियों की सेवा में सहयोग करने की अपील की है। समिति का मानना है कि भगवान शिव के भक्तों की सेवा से समाज में आपसी सद्भाव,सहयोग और धार्मिक आस्था को मजबूती मिलती है। मनिहारी में आयोजित यह कांवरिया सेवा शिविर श्रद्धालुओं के लिए फल, शरबत, नीबू पानी, खीर हलवा, सेव की व्यवस्था की गयी।

नगर निगम की ओर से शिव भक्तों के लिए सेवा शिविर : नगर आयुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नगर निगम की ओर से मनिहारी से गंगा जल लेकर जा रहे शिव भक्तों की शहर के तीनगछिया काली मंदिर परिसर में सेवा की गयी। नगर आयुक्त संतोष कुमार शिविर में पहुँचकर कांवारियों के बीच फल और जल का वितरण किये। इस पावन अवसर पर उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति इस बार भी निगम की ओर से शिव भक्तों को परेशानी न हो। उनके लिए सेवा का कार्य कर रहे हैं। श्री कुमार ने बताया कि शिविर से पहले बुडको और निगम के सहयोग से रास्ता का मरम्मत कर पैदल चलने लायक बनाया गया। ताकि कांवारियों को कोई परेशानी न हो। शिव भक्त मनिहारी गंगा तट से जल भरकर पैदल ही बाबा गोरखनाथ मंदिर, मदनेश्वर मंदिर अररिया, धीमेश्वर मंदिर बनमनखी सहित शिवालयों एवं देवालयों में जलाभिषेक करते हैं ।कांवारियों के लिए शहर के विभिन्न मुख्य सड़क मार्ग पर साफ सफाई व स्वच्छ जल वितरण कर अपना सेवा देती है। इस मौके पर निगम पार्षद सह स्थायी सशक्त कमिटी के सदस्य प्रमोद महतो, मंदिर समिति के सदस्य फुल कुमार पोद्दार सहित निगम कर्मी मौजूद रहे। निगम की ओर से की गयी सेवा भाव से शिव भक्त हर्षित नजर आते।

कृषि क्लीनिक मनसाही में सेवा विस्तार, बीज व कीटनाशक की बिक्री शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। कृषि क्लीनिक मनसाही में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ सेवा विस्तार की शुरूआत की गई। इसके साथ ही कृषि क्लीनिक में किसानों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बीज एवं कीटनाशकों की बिक्री शुरू हो गई हैं । सेवा विस्तार कार्यक्रम में प्रखंड क्षेत्र के सैकड़ों किसान एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। कृषि क्लीनिक के संचालक राहुल आनंद ने बताया कि किसानों को खेती से जुड़ी आवश्यक सामग्री उच्च गुणवत्ता के साथ किफायती दरों पर एक ही स्थान से उपलब्ध कराना कृषि क्लीनिक का प्रमुख उद्देश्य हैं। इसके साथ ही कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं को किसानों तक पहुंचाने और उनका लाभ दिलाने में भी कृषि क्लीनिक अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा हैं। कार्यक्रम के दौरान ड्रोन छिड़काव सेवा प्रदाता की ओर से किसानों के बीच ड्रोन का प्रदर्शन भी किया गया। ड्रोन उड़ाकर किसानों को फसलों में ड्रोन आधारित छिड़काव तथा कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। किसानों ने आधुनिक कृषि तकनीक के प्रति विशेष रुचि दिखाई। सेवा विस्तार के अवसर पर किसानों ने कृषि क्लीनिक से बीज एवं कीटनाशकों की खरीदारी भी की। किसानों ने कृषि सामग्री की उपलब्धता और सेवा विस्तार पर संतोष जताते हुए कहा कि इससे उन्हें खेती के लिए आवश्यक सामग्री आसानी से और उचित दर पर उपलब्ध हो सकेगी। कृषि क्लीनिक की ओर से बताया गया कि आने वाले समय में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, फसल सुरक्षा, ड्रोन छिड़काव सहित कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी एवं सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

रेल विकास को लेकर सांसद तारिक अनवर ने उठाईं 11 मांगें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। एनएफ रेल मालीगांव गौहाटी में 25 अगस्त को आयोजित 98वीं जेडआरयूसीसी बैठक में कटिहार रेल मंडल से जुड़े यात्री सुविधाओं,रेल कनेक्टिविटी और यात्रियों की समस्याओं के मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए। सांसद तारिक अनवर की ओर से प्रतिनिधि के रूप में जिला कांग्रेस नेता शाहनवाज खान ने रेलवे के समक्ष 11 प्रमुख मांगें रखीं। जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता पंकज कुमार तमाखुवाला ने बताया कि कटिहार-मनिहारी-तेज नारायणपुर रेलखंड को भालुका रोड होते हुए मालदा टाउन तक विस्तारित करने की मांग प्रमुख रही। रेलवे ने बताया कि तेजनारायणपुर -भालुका रोड सेक्शन का फिजिबिलिटी सर्वे पूरा हो चुका है और रिपोर्ट रेलवे बोर्ड को पत्र संख्या डब्लू /348/सीओएन/एस / टीएनपीआर - बीकेआरडी दिनांक 04.11.2008 के द्वारा भेजी जा चुकी है। दक्षिण भारत के लिए कटिहार से चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद और तिरुवनंतपुरम तक सीधी दैनिक ट्रेन की मांग पर रेलवे ने टर्मिनल की बाधाओं का हवाला देते हुए फिलहाल असमर्थता जताई। वहीं बाढ़ प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों के लिए प्रस्तावित कटिहार - सोनाली - सालमारी - बारसोई -आजमनगर रोड - कुमेदपुर - लाभा -कुरेठा-कटिहार सर्कुलर रेल सेवा के प्रस्ताव पर रेलवे ने जांच का आश्वासन दिया।कटिहार-सियालदह वंदे भारत, कटिहार-दरभंगा नई इंटरसिटी और डंडखोरा - मनिया बाईपास लाइन की मांगों पर भी फिलहाल टर्मिनल या अन्य तकनीकी बाधाओं का हवाला दिया गया। हालांकि कटिहार-पटना इंटरसिटी में 3 एसी कोच की मांग पर रेलवे ने बताया कि 15 अगस्त 2026 से अस्थायी आधार पर एक 3 एसी कोच जोड़ दिया गया है।

जम्मू कश्मीर में तैनात फौजी का आकस्मिक निधन, अंतिम दर्शन को उमड़ा जनसैलाब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारसोई (कटिहार) । बारसोई प्रखंड के शिकारपुर पंचायत स्थित छोटा शिकारपुर ग्राम के एक फौजी मोहम्मद सगीरुद्दीन (56) की ह्रदय गति रुक जाने के चलते मंगलवार की आकस्मिक निधन हो गया।फौजी मोहम्मद सगीरुद्दीन भारतीय सेना में 55 बटालियन के अधीन सब इंस्पेक्टर के पद पर तैनात थे। वे जम्मू में अपनी सेवाएं दे रहे थे। वें छुट्टियों में विगत तीन अगस्त को अपने घर आये हुए थे। 31अगस्त को उनकी छुट्टियां समाप्त होने वाली थीं। इसके पश्चात उन्हें जम्मू में अपनी ड्यूटी ज्वाइन करनी थी। मृतक के इस तरह से असमय मौत हो जाने से उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनकी आकस्मिक मृत्यु ने उनके परिवार तथा रिश्तेदार एवं समूचे बारसोई प्रखंडवासियों को गमगीन कर दिया है। बुधवार की सुबह पुरे सैनिक सम्मान के साथ उन्हें शिकारपुर स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। मौके पर पहुंच कर आबादपुर थानाध्यक्ष मोहम्मद शादाब खान की अगुवाई में पुलिस के जवानों ने मृतक सैनिक मोहम्मद सगीरूद्दीन के शरीर को तिरंगे से लिपटाया गया एवं जनाजे को गॉर्ड-ऑफ-ऑनर दिया। तथा तिरंगे को निकाल कर मृतक के पुत्र को सोपा गया।मौके पर पहुंच कर बड़ी संख्या में लोगों ने भारत मां के वीर सपूत को नम आंखों से अपना कंधा दिया। मृतक के जनाजे को तहे दिल से सैल्यूट किया। मौके पर तिरंगे में लिपटे फौजी के जनाजे ने लोगों में राष्ट्र सेवा की भावना बढ़ाई व राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित किया। इस संबंध में मृतक के पुत्र मोहम्मद फैजान ने बताया कि उनके पिता की चार साल की सेवाएं शेष बची हुई थीं। पुत्र ने बताया कि उनके पिता ने अपना पूरा जीवन देश के नाम न्यौछावर किया है। परिवार वालों ने बताया कि उन्हें मृतक के फौज की सेवा को लेकर गर्व है। पुत्र ने बताया कि अगर उन्हें भी भारतीय सेना में शामिल होने का मौका मिलता है तो वें भी खुशी-खुशी अपनी सेवा देने को तत्पर रहेंगे। मृतक अपने पीछे अपनी पत्नी तथा तीन संतान एक बेटा व दो बेटियां छोड़ गए हैं। वही अंतिम दर्शन यात्रा एवं अंतिम दर्शन के लिए स्थानीय लोगों में प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि मोहम्मद जिन्ना मुखिया हाजी हसन अंसारी, अबू ताल्हा, मुशर्रफ हुसैन, सिफतुल्लाह, मोहम्मद सलाउद्दीन, आदि हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

जोहरान ममदानी की नेटवर्थ 200000 डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मूल के जोहरान ममदानी फिर से चर्चा में आ गए हैं। वह अमेरिकी शहर

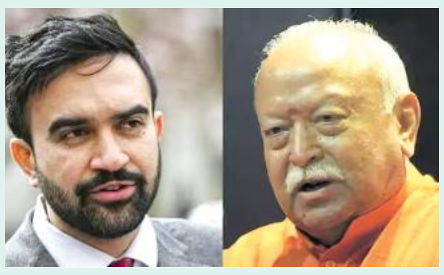

न्यूयॉर्क के मेयर हैं। उन्होंने शहर के मैडिसन स्क्वायर में होने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के कार्यक्रम का विरोध किया है। मोहन भागवत 29 अगस्त को मैडिसन स्क्वायर में भारतीय मूल के लोगों को संबोधित करेंगे। यह एक निजी कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम का विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है, जिस कारण इसे इजाजत नहीं दी गई है। मोहन भागवत के इस कार्यक्रम को लेकर ममदानी ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं रैली का समर्थन नहीं करता, लेकिन मुझे नहीं पता कि क्या शहर के पास किसी निजी कार्यक्रम को रद्द करने का अधिकार है। ममदानी की मां का परिवार अभी भी भारत में रहता है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मेरे परिवार ने मुझे भारत की जो छवि दिखाई और जिसे देखते हुए मैं बड़ा हुआ, वह एक विविधतापूर्ण समाज की थी- एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य जो भारत के हर व्यक्ति के अपनेपन में विश्वास रखता था। जोहरान ममदानी का रिश्ता भारत से भी जुड़ा है। ममदानी के पिता महमूद ममदानी प्रोफेसर हैं, जबकि मां मीरा नायर प्रसिद्ध भारतीय फिल्मकार रही हैं। उन्होंने बॉलीवुड फिल्में मानसून वेडिंग और सलाम बॉम्बे में डायरेक्टर की भूमिका निभाई है। ममदानी काफी बढ़िया हिंदी बोलते हैं। फोर्ब्स के अनुसार ममदानी की कुल संपत्ति करीब 200000 डॉलर (करीब 1.90 करोड़ रुपये) है। ममदानी का जन्म युगांडा में हुआ है। ऐसे में उनकी संपत्ति का बड़ा हिस्सा युगांडा से जुड़ा है। पिछले साल दिए गए वित्तीय खुलासे में, उन्होंने जिंजा में चार एकड़ जमीन का जिक्र किया था। यह इलाका नील नदी के उद्गम के पास विक्टोरिया झील के किनारे बसा है। उन्होंने इस जमीन की कीमत 150000 डॉलर से 250000 डॉलर के बीच बताई है।

जब 300 से 900 के बीच होता है क्रेडिट स्कोर तो 0 और -1 का क्या है झोल जानें इसका असल मतलब

नई दिल्ली, एजेंसी। जब भी आप किसी बैंक से लोन लेते हैं या किसी कंपनी से कोई सामान फाइनेंस कराते हैं तो उस समय सबसे पहले आपके क्रेडिट स्कोर को चेक किया जाता है। यह खासतौर पर तीन अंकों की संख्या होती है, जो 300 से लेकर 900 के बीच होती है। यह किसी के वित्तीय लेन-देन और लोन चुकाने की क्षमता को दिखाती है। आमतौर पर माना जाता है कि जिसका क्रेडिट स्कोर 750 या उससे अधिक होता है तो उसका सिबिल स्कोर बहुत अच्छा है। वहीं, इसके नीचे रहने पर आपको लोन लेने में कुछ ज्यादा ही कागजातों की जरूरत पड़ती है। खैर, हम 300 से 900 के क्रेडिट स्कोर को तो जानेंगे ही, लेकिन क्या आपको पता है कि किसी का यह स्कोर 0 या -1 भी हो सकता है। अब सवाल यह है कि 300 से 900 के क्रेडिट स्कोर की रेस में यह 0 या -1 का क्या मसला है। क्रेडिट स्कोर को सिबिल स्कोर भी कहा जाता है। अगर किसी का सिबिल स्कोर 0 (शून्य) है तो इसका मतलब यह होता है कि उस व्यक्ति का कोई क्रेडिट इतिहास नहीं रहा है। इसका अर्थ यह हुआ है कि उस व्यक्ति ने पहले ना कभी कोई लोन लिया है और ना ही कभी क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल किया है। वहीं, क्रेडिट के इस्तेमाल या रि-पेमेंट के इतिहास के बिना क्रेडिट ब्यूरो किसी के क्रेडिट स्कोर को गिन ही नहीं सकता। इस मामले में व्यक्ति का क्रेडिट स्कोर शून्य होता है। अब बात -1 क्रेडिट स्कोर की करते हैं। यह बहुत ही रेयर केस में होता है। -1 क्रेडिट स्कोर का मतलब होता है कि क्रेडिट ब्यूरो को गलत या निगेटिव जानकारी दी गई है। इसके कारण किसी का क्रेडिट स्कोर 0 से भी नीचे यानी -1 हो जाता है। जानकार बताते हैं कि -1 क्रेडिट स्कोर तब ही होता है जब क्रेडिट ब्यूरो को आपके बारे में गलत या धोखाधड़ी वाली जानकारी दी जाए। -1 स्कोर मामले में लोन मिलने की संभावना एकदम ना के बराबर होती है। अगर किसी को लोन चाहिए तो उसे सबसे पहले अपने इस -1 क्रेडिट स्कोर को सुधारना होता है।

मुकेश अंबानी का नया बिजनेस प्लान

एल्युमिनियम कारोबार में उतर सकती है रिलायंस, अडानी भी लगा रहे बड़ा दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड एल्युमिनियम उत्पादन के कारोबार में उतरने की संभावनाएं तलाश रही है। अगर कंपनी इस दिशा में आगे बढ़ती है, तो यह उसके प्रस्तावित कोल गैसीफिकेशन प्रोजेक्ट को मेटल मैन्युफैक्चरिंग से जोड़ने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है।

कंपनी ने अभी इस योजना को अंतिम रूप नहीं दिया है और मामला शुरुआती स्तर पर है। मामले से जुड़े लोगों के हवाले से मिंट ने बताया कि रिलायंस मेटल्स कारोबार में एंट्री की संभावनाओं का मूल्यांकन कर रही है। वहीं, यूएनआई के मुताबिक, कंपनी ने ओडिशा के कार्लापट

बॉक्साइट ब्लॉक के टेंडर डॉक्यूमेंट भी खरीदे हैं।

अगर रिलायंस भी इस सेक्टर में उतरती है, तो देश के दो बड़े कारोबारी समूहों के बीच एल्युमिनियम कारोबार में सीधी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल सकती है।

वेदांता और हिंडाल्को की मौजूदगी: भारत के एल्युमिनियम बाजार में पहले से ही बड़े खिलाड़ी मौजूद हैं। वेदांता एल्युमिनियम करीब 2.5 मिलियन टन सालाना क्षमता के साथ देश की सबसे बड़ी एल्युमिनियम उत्पादक कंपनी है। आदित्य बिड़ला ग्रुप की हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की एल्युमिनियम उत्पादन क्षमता करीब 1.4 मिलियन टन है। वहीं, सरकारी कंपनी की क्षमता करीब 0.5 मिलियन टन बताई गई है।

200 मिलियन टन से अधिक बॉक्साइट

करीब 3100 हेक्टेयर में फैले कार्लापट ब्लॉक में 200 मिलियन टन से अधिक बॉक्साइट होने का अनुमान है। इससे पहले रिलायंस और अडानी ग्रुप समेत कई कंपनियों ने इस ब्लॉक में रुचि दिखाई थी। हालांकि, नीलामी में 175 फीसदी ऑक्शन प्रीमियम की पेशकश के बाद वेदांता एल्युमिनियम की सब्सिडियरी पसंदीदा बोलीदाता के रूप में उभरी थी। जब अडानी ग्रुप भी एल्युमिनियम कारोबार में बड़ा विस्तार करने की तैयारी कर रहा है।

रिलायंस की एल्युमिनियम कारोबार पर नजर क्यों

रिपोर्ट के मुताबिक, रिलायंस एल्युमिनियम कारोबार में उतरती है तो कोल गैसीफिकेशन से पैदा होने वाले ईंधन का इस्तेमाल एल्युमिना रिफाइनिंग और एल्युमिनियम स्मेल्टिंग जैसे ऊर्जा-गहन कामों में किया जा सकता है। इससे कंपनी अपने कोल गैसीफिकेशन प्रोजेक्ट की व्यावसायिक उपयोगिता बढ़ाने की कोशिश कर सकती है। एल्युमिनियम उद्योग में बड़ी मात्रा में ऊर्जा की जरूरत होती है। बॉक्साइट से एल्युमिना बनाने और इसके बाद एल्युमिनियम स्मेल्टिंग की प्रक्रिया में काफी बिजली और ईंधन की खपत होती है। ऐसे में कोल गैसीफिकेशन और एल्युमिनियम उत्पादन को एक साथ जोड़ना रिलायंस के लिए रणनीतिक रूप से फायदेमंद हो सकता है।

सावन में महंगे हो रहे अंडे आगे और बढ़ सकती है कीमत, इथेनॉल से है सीधा कनेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। चीनी की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है। इसके लिए इथेनॉल को भी जिम्मेदार माना जा रहा है। इथेनॉल से चीनी ही महंगी नहीं हुई है बल्कि इसका असर अंडों की कीमत पर

भी पड़ रहा है। इसकी वजह यह है कि पोल्ट्री फीड में इस्तेमाल होने वाले मक्के का एक बड़ा हिस्सा अब इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल हो रहा है। इससे चारे की लागत और अंडों की कीमतें बढ़ गई हैं। नेशनल एग कोऑर्डिनेशन कमेटी के आंकड़ों के मुताबिक पिछले एक साल में अंडों की कीमतें करीब 35-40 प्रतिशत बढ़ी हैं। अब फार्म पर एक अंडे की कीमत लगभग 7 है। रिटेल में इनकी कीमत 8.50 से 9.00 के बीच है।

ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक पोल्ट्री इंडस्ट्री के अधिकारियों ने आशंका जताई है कि सर्दियों में अंडे की कीमत बढ़ सकती हैं, क्योंकि तब डिमांड बढ़ बढ़ जाती है। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि कुल मक्का उत्पादन का लगभग 37 प्रतिशत हिस्सा अब इथेनॉल डिस्टिलरी में जा रहा है। पिछले एक साल में अंडों की कीमतें लगभग 40 प्रतिशत बढ़ी हैं और इनके और बढ़ने की संभावना है।

मक्के का उत्पादन: संसद के आंकड़ों के मुताबिक भारत का कुल मक्का उत्पादन लगभग 43.4 मिलियन टन है, जिसमें से लगभग 17 मिलियन टन का इस्तेमाल अब इथेनॉल उत्पादन के लिए किया जा रहा है। इससे पोल्ट्री फीड और अन्य इस्तेमाल के लिए सप्लाई कम हो गई है।

मक्के से इथेनॉल बनाने का काम तेजी से बढ़ा है। 2022 में यह लगभग 1 मिलियन टन था, जो 2024 में बढ़कर 6 मिलियन टन से ज्यादा हो गया और अभी यह लगभग 17 मिलियन टन है। जानकारों का मानना है कि 2030 तक यह 25 मिलियन टन तक पहुंच जाएगा। पोल्ट्री इंडस्ट्री देश के कुल मक्के का लगभग 60 प्रतिशत इस्तेमाल करती है।

सप्लाई क्यों हुई प्रभावित

सरकार के इथेनॉल ब्लेंडिंग नियम के तहत तेल कंपनियों को पेट्रोल पंपों पर बेचने के लिए पेट्रोल में बायोफ्यूल मिलाना जरूरी है। इथेनॉल बनाने के लिए गन्ने और मक्के का इस्तेमाल बढ़ गया है। इससे चीनी बनाने और फीडस्टॉक के लिए सप्लाई प्रभावित हुई है। इस कमी के बीच मक्के की कीमत तीन साल पहले के लगभग 14,000 प्रति टन से बढ़कर लगभग 26,500 प्रति टन पहुंच गई है। इससे पोल्ट्री किसानों के लिए उत्पादन लागत बढ़ गई है। पिछले पांच महीनों में ही कीमतें लगभग 20 प्रतिशत बढ़ी हैं। पोल्ट्री किसानों के लिए मक्का सबसे बड़ा खर्च है, जो कुल पोल्ट्री उत्पादन लागत का 65-70 प्रतिशत हिस्सा है।

100 प्रतिशत सेफ और धांसू रिटर्न! पैसा डबल करने की सरकारी स्कीम

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के नागरिकों के द्वारा पैसों की बचत के लिए सरकार कई सारी योजनाएं चलाती है। इन योजनाओं के तहत जमा राशि पर उसके द्वारा अच्छा-खासा ब्याज भी दिया जाता है। इस बीच हम यहां एक ऐसी ही सरकारी बचत स्कीम की बात कर रहे हैं, जिसे 100 फीसदी सेफ यानी कि सुरक्षित बताया जाता है।

इतना ही नहीं इसमें निवेश पर धांसू रिटर्न भी मिलता है और आपका पैसा डबल हो जाता है। इस योजना का नाम किसान विकास पत्र (केवीपी) है।

किसान विकास पत्र की बात करें तो इस बचत योजना की शुरुआत 1988 में किया गया था। वैसे इस योजना के नाम में किसान शब्द है, लेकिन यह सरकारी स्कीम केवल किसानों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे भारतीयों के लिए है। आप इस योजना के तहत कम से कम 1000 रुपये से निवेश की शुरुआत कर सकते हैं। इसमें अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है। आप जितना चाहें उतना अधिक पैसा इस योजना में निवेश या जमा कर सकते हैं। किसान विकास पत्र मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं, जो सिंगल होल्डर, ज्वाइंट ए और ज्वाइंट बी नाम से हैं। सिंगल होल्डर एक व्यक्ति या नाबालिग के लिए होता है। ज्वाइंट ए दो व्यक्तियों (अधिकतम तीन व्यक्ति) के लिए होता है। जिसमें दोनों (सभी)संयुक्त रूप से पैसे जमा करते हैं। ज्वाइंट बी दो व्यक्तियों (अधिकतम तीन) के लिए होता है। इसमें किसी एक व्यक्ति या जीवित बचे व्यक्ति को पेमेंट किया जा सकता है। किसान विकास पत्र खाते में कम से कम 1000 रुपये से निवेश की शुरुआत की जा सकती है। आप अपने पास के डाकघर या अधिकृत बैंक में जाकर इस खाते को खुलवा सकते हैं। इस सरकारी बचत योजना में सरकार के द्वारा सालाना 7.5 फीसदी का चक्रवृद्धि ब्याज दिया जाता है। योजना में निवेश की गई राशि का लॉक-इन-पीरियड 2 साल 6 महीने का होता है। मतलब कि करीब 30 महीनों तक आप खाते से पैसे नहीं निकाल सकते हैं।

अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन की लागत दोगुनी हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में बुलेट ट्रेन का पहला प्रोजेक्ट अहमदाबाद और मुंबई के बीच बन रहा है। इसकी आधारशिला 14 सितंबर, 2017 को रखी गई थी और इसे 15 अगस्त, 2022 को शुरू करने का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन कई बार इसकी डेडलाइन को आगे बढ़ाया जा चुका है। अब इस प्रोजेक्ट के 2030 में पूरा होने की संभावना है और कॉरिडोर का पहला हिस्सा अगस्त 2027 में चालू होने की उम्मीद है।

इस बीच अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की लागत को संशोधित करके लगभग 2.1 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है, जो 1.1 लाख करोड़ रुपये शुरुआती अनुमानित लागत से लगभग दोगुनी है।

टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक 508 किलोमीटर लंबी हाई-स्पीड रेल लाइन की संशोधित लागत को मंजूरी दिलाने का प्रस्ताव मंगलवार को कैबिनेट के सामने रखा गया था। जनवरी में, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार ने कहा था कि प्रोजेक्ट की लागत लगभग 83 प्रतिशत बढ़कर 1.98 लाख करोड़ रुपये हो गई है। जमीन अधिग्रहण में देरी, जरूरी मंजूरियां मिलने में देरी और ट्रेनों को अंतिम रूप देने में देरी जैसे कई कारणों से इस प्रोजेक्ट में समय और लागत दोनों बढ़े हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फरवरी में बजट पेश करते हुए 7 नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा की थी। इन पर लगभग 16 लाख करोड़ के कुल निवेश का अनुमान है। ये कॉरिडोर मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी के बीच होंगे।

कब शुरू होगा प्रोजेक्ट

सूत्रों ने बताया कि रेल मंत्रालय ने लागत बढ़ने के मुख्य कारणों में महाराष्ट्र में जमीन अधिग्रहण में लगा समय और जापान से ट्रेन सेट मिलने में हुई देरी का हवाला दिया है। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट के 2030 में पूरा होने की संभावना है और कॉरिडोर का पहला हिस्सा अगस्त 2027 में चालू होने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक, ज्यादातर अतिरिक्त फंड बजट से मिलेगा। अब तक, 1.1 लाख करोड़ रुपये की फंडिंग जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी और बजट आवंटन से हुई है। रेलवे के मुताबिक हाई-स्पीड ट्रेनें भारत में बनाई जाएंगी और हर ट्रेन की लागत लगभग 390 करोड़ से 400 करोड़ रुपये होगी। कैबिनेट बैठक के फैसलों पर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई।

वीर भोग्या वसुंधरा... अनिल अग्रवाल ने सुनाया पुराना किस्सा, बोले- हर असफलता कुछ न कुछ सिखाती है

नई दिल्ली, एजेंसी। वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने जीवन में जोखिम उठाने और सफलता हासिल करने को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट लिखी है। उन्होंने बताया है कि करियर के शुरुआती दौर में उन्हें भी असफलता का डर लगता था, लेकिन परिवार से मिली सीख ने उन्हें मुश्किल परिस्थितियों में आगे बढ़ने का हौसला दिया। अनिल अग्रवाल ने अपनी पोस्ट में लिखा कि अक्सर लोग उनसे पूछते हैं कि उन्होंने जीवन में बड़े-बड़े जोखिम लिए, तो क्या उन्हें कभी डर नहीं लगा। उन्होंने कहा कि शुरुआती दिनों में कई बार उनके मन में यह सवाल आता था कि अगर वह वह हासिल नहीं कर पाए, जो चाहते हैं, तो क्या होगा।

अनिल अग्रवाल ने अपनी पोस्ट में संस्कृत की एक कहावत का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि ऐसे समय में उन्हें अपने बाऊजी से सुनी संस्कृत की कहावत वीर भोग्या वसुंधरा याद आती थी। इसका अर्थ बताते हुए उन्होंने कहा कि यह धरती वीर और साहसी लोगों के लिए है। जो लोग कड़ी मेहनत से नहीं डरते और सही लक्ष्य के लिए पूरी मेहनत करते हैं, वही इतिहास बनाते हैं। अनिल अग्रवाल ने अपने अनुभव

का जिक्र करते हुए बताया कि एक बार वह एक बड़ी डील साइन करने गए थे। हालांकि, डील इसलिए नहीं हो पाई क्योंकि उसकी शर्तें उनके पक्ष में नहीं थीं। उस समय वह काफी तनाव में थे। लेकिन उनके मुताबिक, उस असफल कोशिश का भी फायदा हुआ। वहां जाने के दौरान उन्हें अगली डील के लिए कई बेहतरीन आइडिया मिले। उन्होंने कहा कि जिंदगी में हर चीज हमेशा हमारे पक्ष में नहीं होती, लेकिन हर असफलता से कुछ न कुछ सीखने को जरूर मिलता है। क्योंकि आज नहीं तो कल कामयाबी जरूर मिल सकती है।

मैदान में डटे रहना जरूरी

वेदांता चेयरमैन ने कहा कि सफलता के लिए सबसे जरूरी चीज मुश्किल परिस्थितियों में मैदान में डटे रहने का हौसला है। उन्होंने कहा कि जब वह कड़ी मेहनत करने वाले युवाओं, उद्यमियों और अलग-अलग क्षेत्रों में सफलता हासिल करने वाली महिलाओं को देखते हैं, तो उनका यह विश्वास और मजबूत होता है। अनिल अग्रवाल ने युवाओं और उद्यमियों को सलाह देते हुए कहा कि अगर किसी व्यक्ति के पास कोई अच्छा विचार है और उसे अपने विचार पर पूरा भरोसा है, तो उसे उस पर अमल करने से डरना नहीं चाहिए। उनके मुताबिक, सफलता तुरंत न मिले, तो भी प्रयास जारी रखना चाहिए।

टाटा को 22,238 करोड़ का घाटा देने के बाद एयर इंडिया ने मांगे 1.5 अरब

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप का हिस्सा बनने के बाद भी एयर इंडिया की मुश्किलें कम होने के नाम नहीं ले रही है। कंपनी ने अपने शेयरधारकों टाटा संस और सिंगापुर एयरलाइंस से 1.5 अरब डॉलर की मांग की है। टाटा संस ने एक साल से भी ज्यादा समय से एयरलाइन में नया इक्विटी निवेश रोक रखा है। इसकी वजह यह है कि कंपनी को पटरी पर लाने की प्रक्रिया अनुमान से ज्यादा महंगी और धीमी साबित हो रही है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार एयर इंडिया ने अपने शेयरधारकों से 1.5 अरब डॉलर मांगे हैं। यह रकम 2021 में टाटा ग्रुप का हिस्सा बनने के बाद एयर इंडिया को शेयरधारकों से मिलने वाली सबसे बड़ी फंडिंग में से एक होगी। सूत्रों ने बताया कि एयर इंडिया को पूंजी की जरूरत है, लेकिन यह रकम किश्तों में दी जाएगी। सिंगापुर एयरलाइंस इसमें अपना 25 प्रतिशत हिस्सा देगी। टाटा संस ने मार्च 2026 तक अतिरिक्त इक्विटी सहायता रोक दी थी। क्यों पड़ी फंडिंग की जरूरत

टाटा संस की 026 की रिपोर्ट के मुताबिक एयर इंडिया में कंपनी का निवेश 22,618 करोड़ रुपये पर स्थिर रहा, जो एक साल पहले के स्तर के बराबर है। इससे पता चलता है कि साल के दौरान एयर इंडिया में कोई नई इक्विटी नहीं डाली गई। सूत्रों ने बताया कि जून में टाटा संस के बोर्ड की बैठक में एयर इंडिया की फंडिंग जरूरतों पर चर्चा हुई थी। एयर इंडिया और टाटा संस ने सवालों का जवाब नहीं दिया। एयर इंडिया को फाइनेंशियल ईयर 2026 में 22,238 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था जो पिछले साल के मुकाबले दोगुना से भी ज्यादा है। कंपनियों में सबसे ज्यादा घाटा एयर इंडिया को हुआ है। कंपनी ने इक्विटी पूंजी की यह मांग ऐसे समय की है।

राष्ट्रीय खेल दिवस के आयोजन को ले बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। महान हॉकी खिलाड़ी एवं भारतीय खेल जगत के गौरव मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के अवसर पर प्रत्येक वर्ष 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा फिट इंडिया अभियान के तत्वावधान में खेलेगा भारत, जीतेगा भारत की थीम पर 28 से 30 अगस्त 2026 तक तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान के माध्यम से राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 का आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के आयोजन का मुख्य केंद्र बिंदु एक घंटा खेल के मैदान में रखा गया है। इसके माध्यम से प्रत्येक नागरिक को प्रतिदिन कम-से-कम एक घंटे खेल एवं शारीरिक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ फिटनेस, अनुशासन एवं स्वस्थ जीवनशैली को जन-जन तक पहुंचाना है।

इसी क्रम में जिले में राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के सफल आयोजन को लेकर जिला क्रीड़ा पदाधिकारी, पाकुड़ द्वारा जिले में संचालित डे बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्र एवं खेलो इंडिया प्रशिक्षण केंद्रों के प्रशिक्षकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले विभिन्न खेल कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों की तैयारियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।

बैठक में जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार ने सभी प्रशिक्षकों को निर्देश दिया कि अपने- अपने प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करते हुए विभिन्न खेल गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस केवल एक आयोजन तक सीमित न रहकर जिले में खेल के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करने का माध्यम बने। उन्होंने खिलाड़ियों एवं युवाओं के बीच खेल के प्रति जागरूकता, अनुशासन, फिटनेस एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। साथ ही अधिक से अधिक युवाओं एवं आमजनों को ह्लएक घंटा खेल के मैदान मेंह्व अभियान से जोड़ने के लिए आवश्यक पहल करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान प्रशिक्षकों को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के लिए जारी एसओपी के अनुरूप सभी गतिविधियों का व्यवस्थित एवं सफल आयोजन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही कार्यक्रमों के दौरान आवश्यक समन्वय, सहभागिता एवं अनुशासन बनाए रखने पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया।

जिला क्रीड़ा पदाधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस केवल खिलाड़ियों का उत्सव नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को खेल, फिटनेस एवं शारीरिक गतिविधियों से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने जिले के सभी खिलाड़ियों, युवाओं एवं आमजनों से राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर अधिकाधिक संख्या में खेल गतिविधियों से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि खेलेगा भारत, जीतेगा भारत की भावना को मजबूत करते हुए जिले में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना तथा स्वस्थ एवं सक्रिय समाज का निर्माण करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

दुर्घटना में बाइक सवार घायल

हिलसा। नगर परिषद क्षेत्र में जेल अस्पताल के निकट जलजमाव के कारण सड़क जर्जर होकर गड्ढे में तब्दील हो गई है। बुधवार को इसी गड्ढे में बाइक सवार पत्रकार संतोष कुमार गिरकर घायल हो गए। स्थानीय लोगों के सहयोग से उन्हें अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया गया।स्थानीय लोगों के अनुसार, उक्त स्थान पर पिछले करीब तीन माह से पाइप लीकेज की समस्या बनी हुई है। पाइप से लगातार पानी निकलने के कारण सड़क पर जलजमाव हो गया है और धीरे-धीरे सड़क टूटकर गड्ढे में तब्दील हो गई। जिसके कारण राहगीरों एवं वाहन चालकों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।घटना की जानकारी मिलने पर नगर परिषद के वार्ड सदस्य विजय कुमार विजेता अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे और घायल पत्रकार संतोष कुमार के स्वास्थ्य की जानकारी ली। वहीं अधिवक्ता मोहन मेहता, जदयू नेता धर्मेंद्र कुमार, अशोक कुमार, मुकेश कुमार समेत कई लोगों ने भी अस्पताल पहुंचकर घायल का हालचाल जाना।

वर्षों बाद फिर दौड़ेंगी कोयला लदी रेल गाड़ियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। करीब आठ वर्षों से बंद पड़ी गिद्दी रेलवे साइडिंग के जीर्णोद्धार की दिशा में अब धरातल पर काम शुरू हो गया है। इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कारपोरेशन लिमिटेड (आईपीआरसीएल) की ओर से साइडिंग के पुनर्निर्माण के लिए निकाले गए टेंडर का काम संवेदक संजय कुमार उपाध्याय को मिला है।

टेंडर मिलने के बाद संवेदक ने निर्माण कार्य की प्रारंभिक प्रक्रिया शुरू कराते हुए साइडिंग परिसर में युद्धस्तर पर साफ-सफाई का काम शुरू कर दिया है। साइडिंग परिसर में पुराने यार्ड की सफाई के साथ निर्माण के लिए आवश्यक जगह तैयार की जा रही है।

प्रस्तावित योजना के अनुरूप यार्ड की लंबाई बढ़ाने की दिशा में भी काम शुरू हो गया है। बताया जाता है कि मौजूदा यार्ड की लंबाई निर्धारित मानक के अनुरूप नहीं है।ऐसे में बंद गिद्दी वाशरी की चहारदीवारी के एक हिस्से को तोड़कर अतिरिक्त क्षेत्र को साइडिंग के उपयोग में लाने की तैयारी की जा रही है। चहारदीवारी के हिस्से को हटाने के बाद वहां भी साफ-सफाई कराकर निर्माण के लिए जमीन तैयार की जा रही है।

प्रस्तावित योजना के तहत गिद्दी रेलवे साइडिंग को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाना है। पूर्व में

संवेदक ने निर्माण कार्य किया शुरू

साइडिंग परिसर में पांच रेल ट्रैक थे। नई योजना के तहत इन्हें दो आधुनिक ट्रैक के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही वैगन लोडिंग यार्ड की लंबाई बढ़ाने का भी प्रस्ताव है, ताकि कोयला लोडिंग और रेलवे रैक के संचालन में सुविधा हो सके।

योजना के तहत नई रेल लाइन बिछाने, पुराने ट्रैक का नवीनीकरण करने के साथ वे-ब्रिज, एप्रोच रोड सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। साइडिंग के पुनर्विकास से कोयला डिस्पैच की व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाने की तैयारी है।

गिद्दी साइडिंग के चालू होने के बाद कोयले की लोडिंग और परिवहन के दौरान उड़ने वाले धूलकण से आसपास के लोगों को परेशानी न हो, इसके लिए सीसीएल प्रबंधन ने भी तैयारी शुरू कर दी है।

सीसीएल की ओर से साइडिंग परिसर में विंड ब्रेकिंग स्क्रीन और स्प्रिंकलर सिस्टम लगाने का प्रस्ताव तैयार कर मुख्यालय रांची भेजा गया है। प्रस्ताव को स्वीकृति मिलने के बाद साइडिंग परिसर में इन सुविधाओं को स्थापित किया जाएगा।

सरकारी उपेक्षा का दंश झेल रहा इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर

सड़क जर्जर, स्ट्रीट लाइटें ठप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आदित्यपुर। केंद्र सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट आदित्यपुर स्थित इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर प्रशासनिक उपेक्षा और देखरेख के अभाव में बदहाली के आंसू बहा रहा है।

आदित्यपुर औद्योगिक ऑटो क्लस्टर के पीछे वर्ष 2018 में शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट अब मूलभूत सुविधाओं की कमी और सुरक्षा तंत्र की विफलता के कारण दम तोड़ता नजर आ रहा है।

इस क्लस्टर की स्थापना का मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों का निर्माण कर क्षेत्र का आर्थिक विकास करना था। इसके लिए 50 एकड़ भूमि आवंटित की गई थी, जिसमें 50 औद्योगिक इकाइयों (यूनिट्स) को स्थापित करने का लक्ष्य था।

हालांकि, वर्तमान में केवल 20 कंपनियां ही कार्यरत हैं। शेष 30 कंपनियों को भूखंड आवंटित किए जाने के बावजूद वहां अब तक उत्पादन शुरू नहीं हो सका है।

इस क्लस्टर में एप्पल मोबाइल के पार्ट्स, इलेक्ट्रॉनिक कंडक्टर, इलेक्ट्रिक मोटर और टेम्परेचर कंट्रोलर जैसे कई महत्वपूर्ण उपकरणों का निर्माण होता है, जिनकी आपूर्ति झारखंड, बंगाल और ओडिशा सहित देश के विभिन्न राज्यों में की जाती है।

वर्ष 2021 में इस पूरे परिसर की चारदीवारी और सड़कों का निर्माण कराकर मूलभूत सुविधाएं प्रदान की गई थीं। लेकिन महज पांच वर्षों में ही क्लस्टर की सड़कें पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं।

इस संबंध में उद्यमी अभिजीत दत्ता ने बताया कि सरकार और जियाडा के उपेक्षापूर्ण रवैये के कारण यह महत्वपूर्ण परियोजना बबार्दी की कगार पर पहुंच गई है। यदि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया, तो यहां नए निवेश और औद्योगिक विकास की संभावनाएं पूरी तरह खत्म हो जाएंगी।

गंगा के उफान से सहमे लोग

बेगूसराय। गंगा नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है। संभावित बाढ़-2026 से निपटने के लिए प्रशासन ने व्यापक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ जलस्तर की लगातार निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में जिला पदाधिकारी ने साम्हो प्रखंड का निरीक्षण कर बाढ़ की संभावित स्थिति, नाव परिचालन और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशासन ने पूर्व के अनुभवों और उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर जिले के आठ प्रखंडों की 39 पंचायतों को संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया है। इनमें 37 ग्राम पंचायत और दो नगर पंचायत शामिल हैं।

झूलनोत्सव में बिखरी राधा-कृष्ण के प्यार की छटा

लोग हुए भाव विभोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। सावन का महीना शिव-पार्वती ही नहीं, राधा-कृष्ण के आराधकों के लिए भी खास है। सावन माह में ही राधा-कृष्ण को झूले पर झूलाने का पर्व झूलनोत्सव मनाया जाता है। इस वर्ष झूलनोत्सव की शुरूआत 23 अगस्त से हुई है, जो 28 अगस्त को पूर्णिमा के दिन संपन्न होगी।

झूलनोत्सव को लेकर दुमका ही नहीं, संताल परगना के देवघर, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज व गोड्डा में भी उत्सवी माहौल है। दुमका के सोनुवाडंगाल निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक दयामय माजि कहते हैं कि झूलन यात्रा हिंदू वैष्णव परंपरा का एक महत्वपूर्ण उत्सव है। वर्षा ऋतु की हरियाली, फूलों से सजे झूले, राधा-कृष्ण की प्रतिमाएं, भजन-कीर्तन और सामुदायिक सहभागिता इस पर्व की प्रमुख विशेषताएं हैं।

वैष्णव परंपरा में इस उत्सव के दौरान राधा-कृष्ण की प्रतिमाओं को फूलों और पत्तियों से सजे झूले पर विराजमान कर भक्त श्रद्धा पूर्वक झुलाते हैं। बंगाल और वैष्णव परंपरा में इसे विशेष रूप से झूलन यात्रा अथवा झूलन पूर्णिमा कहा जाता है।

दयामय बताते हैं कि पूर्वोत्तर झारखंड के संदर्भ में इसका महत्व विशेष है। दुमका, देवघर, जामताड़ा, गोड्डा, साहिबगंज और पाकुड़ में विभिन्न वैष्णव, शैव, शाक्त तथा स्थानीय लोकपरंपराओं के बीच ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक उत्सवों का विकास हुआ है।

झूलन यात्रा राधा-कृष्ण की वृंदावन-लीला के स्मरण का उत्सव है। श्रावण मास में मंदिरों और घरों में झूले सजाए जाते हैं। फूल, पत्तियां, बेल-पत्ते, रंगीन वस्त्र तथा सजावटी सामग्री से झूले को आकर्षक बनाया जाता है। राधा-कृष्ण की प्रतिमाओं को झूले पर स्थापित करके पूजा, आरती, भजन और कीर्तन किया जाता है।

यह आयोजन कई दिनों तक चलता है। बंगाल की धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा में झूलन को श्रावण शुक्ल एकादशी से पूर्णिमा तक मनाने की परंपरा मिलती है।

शराब परिवहन में संलिप्त चार गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। थाना क्षेत्र के पहवाचक एवं महियारा गांव के समीप से पुलिस बलों ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए चार शराब धंधेबाजों को गिरफ्तार किया है। साथ ही तीन बाइकों के साथ 186 लीटर शराब जब्त किया है। यह कार्रवाई थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार के निर्देश पर की गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि थाना क्षेत्र को शराब मुक्त बनाए जाने को लेकर पुलिस बलों के सहयोग से शराब निर्माण, भंडारण, परिवहन, बिक्री एवं सेवन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। शराब की खेप को लेकर गुप्त सूचना मिली। सूचना के आलोक में थाने में पदस्थापित एसआई अरविंद पासवान एवं एएसआई जयप्रकाश चौधरी को सशस्त्र पुलिस बलों के सहयोग से छापेमारी हेतु अलग-अलग स्थानों पर भेजा गया। छापेमारी के दौरान पुलिस बलों ने पहवाचक गांव के समीप से एक बाइक पर लदे 129 लीटर शराब बरामद की गई। साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों में सिरदला थाना क्षेत्र के शेरपुर गांव निवासी मनोज साव के पुत्र जितेंद्र कुमार,चिरैया गांव निवासी विनोद राजवंशी के पुत्र चंदन कुमार और धीरौंध गांव निवासी दिलीप प्रसाद के पुत्र कमलेश कुमार शामिल है। वहीं दूसरी ओर महियारा-मुरहेना रोड के पैन के समीप से एक बाइक पर लदे 57 लीटर शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार युवक की पहचान नेमदारगंज थाना क्षेत्र के लोहानीपुर गांव निवासी लखन राजवंशी के पुत्र सुजीत राजवंशी के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष ने कहा कि जब्त बाइकों और गिरफ्तार तस्करों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वहीं दूसरी ओर पुलिस बलों ने न्यायालय से निर्गत वारंट के आलोक में गैरिबा गांव निवासी स्व. अजय प्रसाद के पुत्र रामवीर कुमार को गिरफ्तार किया है।

श्रावणी मेला में उड़ी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की धज्जियां

1764 किलो नकली व फफूंद लगा पेड़ा जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। दुमका के बासुकीनाथ में श्रावणी मेला के दौरान नकली खाद्य सामग्रियों के अलावा फफूंद लगे पेड़ा, नकली व सिंथेटिक खोआ से तैयार पेड़ा को खपाने वाले दुकानदारों पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम लगातार छापामारी कर रही है।

सावन माह के अंतिम सोमवार को मेला क्षेत्र के तकरीबन 11 दुकानों पर की गई छापामारी के दौरान भारी मात्रा में फफूंद लगा पेड़ा जब्त करने की कार्रवाई की गई है। खाद्य सुरक्षा विभाग के मुताबिक 1764 किलो नकली व फफूंद लगा पेड़ा जब्त कर जांच के लिए भेजा गया है।

जानकारी के मुताबिक, छापामारी में बासुकीनाथ के कई नामचीन दुकानों से फफूंद लगा पेड़ा जब्त किया गया है। वहीं बिना खाद्य लाइसेंस के इलाइची दाना का फैक्ट्री चलाने वाले सीताराम लाहा पर पांच हजार रुपये का आर्थिक जुमार्ना किया गया है।

दरअसल, राजकीय श्रावणी मेला में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए फूड सेफ्टी टीम ने सोमवार को सघन जांच अभियान चलाकर यह कार्रवाई की है। उपायुक्त के निर्देश पर विभागीय टीम द्वारा नागनाथ चौक, पानी टंकी रोड और रामपुर रोड स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों में सघन जांच की गई और 11 खाद्य प्रतिष्ठानों में मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के

माध्यम से पेड़ा, सोनपापड़ी व छोला के कुल 27 नमूनों की ऑन द स्पॉट जांच की गई।

जांच में खाद्य पदार्थों को मानक के अनुरूप नहीं पाए जाने पर 100 किलो पेड़ा, 4.5 किलो सोनपापड़ी और पांच किलो छोला को मौके पर ही नष्ट कराया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने बासुकीनाथ पानी टंकी-रामपुर रोड में इलायची दाना और पेड़ा निर्माण कारखाने का भी औचक निरीक्षण किया। जांच में पेड़ा निर्माण स्थल का फूड लाइसेंस नहीं पाया गया। टीम ने कारोबारी पर पांच हजार रुपये का अर्थदंड लगाया। वहीं कारखाने में भंडारित कई पैकेटों में फफूंद लगा पेड़ा पाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए खाद्य सुरक्षा टीम ने नमूना संग्रहित कर राज्य खाद्य जांच प्रयोगशाला भेज दिया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात संबंधित खाद्य कारोबारी पर अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी।

वहीं फफूंद लगे पेड़ा और उसके संपर्क में आए कुल 1764 किलो पेड़ा को अग्रतर कार्रवाई के लिए विधिवत जब्त कर लिया गया है। सुरक्षा टीम ने स्पष्ट किया कि जांच रिपोर्ट के आधार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

विधायक की बढ़ी मुश्किलें

सीतामढ़ी। जिले के बेलसंड से एलजेपी (आर) विधायक अमित कुमार रानू के खिलाफ जालसाजी और रंगदारी के साक्ष्य मिलने का पुलिस ने दावा किया है। देर रात जिले के एसएसपी कांतेश कुमार मिश्र ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले की जानकारी दी। एसएसपी ने कहा कि विधायक अमित रानू और उनके भाई सोनू सिंह को जेसीबी से 25 लोगों के मकानों और बॉउंड्री को तोड़ने के मामले में गिरफ्तार किया जाएगा। दोनों के खिलाफ पुलिस न्यायालय में वारंट के लिए अर्जी देगी। पुलिस ने इसके लिए केस डायरी तैयार कर ली है। न्यायालय में वीडियो साक्ष्य भी पेश किए जाएंगे।

महिला ने पति पर लगाये गंभीर आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जामा। जामा थाना क्षेत्र के तीनघरा गांव गंगा कुमारी ने मंगलवार महिला थाना में आवेदन देकर पति अजय राणा पर साथ नहीं रखने, उसके नाम पर ऋण लेने, आभूषण छीनने व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। उसने मामले की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

गंगा कुमारी का कहना है कि वर्ष 2021 से अजय राणा के साथ संबंध में थी। इसके बाद 28 अप्रैल 2025 को देवघर मंदिर परिसर में हिंदू रीति-रिवाज से दोनों की रजामंदी से विवाह हुआ।

शादी के बाद पति ने उसे कुछ समय तक कतरास, धनबाद स्थित किराये के मकान में अपने साथ रखा। बाद में दोनों उसके मायके तीनघरा में रहने लगा। अजय वहां से कतरास और कतरास से तीनघरा आना-जाना करते थे।

महिला ने आरोप लगाया है कि इसी दौरान पति ने उसके नाम पर बंधन बैंक के खाते से 40 हजार व इंडसइंड बैंक के खाते से 40 हजार रुपये ऋण लिया। ऋण की राशि में से उसे करीब 10 हजार रुपये ही मिले, जबकि शेष राशि का उपयोग उसके पति ने किया।

शुरूआती कुछ समय तक किस्तों का भुगतान करने के बाद पति ने किस्ते देना बंद कर दिया, जिससे ऋण चुकाने की जिम्मेदारी उसके ऊपर आ गई। आरोप लगाया है कि पति ने 10 भर चांदी की पायल व सोने का लाकेट कतरास में बंधक रख दिया। 16 अगस्त को अजय राणा उसे छोड़कर अपने घर चला गया और उसे अपने साथ रखने से इंकार कर दिया।

पति ने कहा कि उसके परिवार वाले इस विवाह को स्वीकार नहीं कर रहे हैं, इसलिए वह उसे अपने साथ नहीं रखेगा। महिला ने अपने मोबाइल की गतिविधियों पर नजर रखने का भी आरोप लगाया है।

1500 क्विंटल चावल गायब करने का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बाघमारा। झारखंड के धनबाद में खाद्यान्नों की सुरक्षा और रखरखाव की जिम्मेदारी जिस अधिकारी को सौंपी गई थी, उसी पर सरकारी अनाज को बाजार में बेचने का गंभीर आरोप लगा है। बाघमारा प्रखंड स्थित झारखंड स्टेट फूड एंड सिविल सप्लाई कारपोरेशन लिमिटेड (जेएसएफएसएससीएल) के गोदाम से करीब 1500 क्विंटल चावल गायब मिलने के बाद हड़कंप मच गया है। आरोप है कि सहायक गोदाम प्रबंधक बिनोद कुमार विद्यार्थी ने चावल को बाहर के बाजार में बेच दिया। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

बाघमारा स्थित जेएसएफएसएससीएल के गोदाम में विभिन्न प्रकार के राशनकार्डधारियों को वितरण किया जाने वाला चावल रखा जाता है। यह वह चावल है जो राज्य सरकार उचित लाभूकों के बीच जनवितरण प्रणाली दुकानों के माध्यम से वितरण करती है।

अगस्त के पहले सप्ताह में यहां के सहायक गोदाम प्रबंधक बिनोद कुमार विद्यार्थी का स्थानांतरण किया गया। नए सहायक गोदाम प्रबंधक के रूप में शेखर प्रसाद महतो ने योगदान दिया। महतो ने जब स्टाक की जांच की तो उनके होश उड़ गए।

रिकार्ड के अनुसार गोदाम से करीब 1500 क्विंटल चावल नदारद थे। जिसकी कीमत 40 से 45 लाख रुपये है। इसके बाद मामले की जानकारी वरीय अधिकारियों को दी गई और उसके बाद विभाग में हड़कंप मच गया। जिला आपूर्ति पदाधिकारी सह जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम धनबाद पंकज कुमार के स्तर से जांच के लिए दो सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया और कमेटी से पांच दिनों के अंदर रिपोर्ट देने का आदेश दिया गया है।

चावल की गड़बड़ी को छुपाने के लिए बाघमारा के गोदाम में एक चक्रव्यू बनाया गया था। चावल के बोरों को चौकोर आकार में रखा गया था, लेकिन बीच का पूरा भाग खाली था।

यानी यदि कोई अधिकारी सामने से देखे तो उसे चारों तरफ व उपर से नीचे तक केवल चावल के बोरे ही दिखाई दें। नए सहायक गोदाम प्रबंधक ने प्रभार तो ले लिया, लेकिन पूर्व के अधिकारी विद्यार्थी की चालाकी को नहीं समझ पाए।

बाघमारा के जेएसएफएसएससीएल गोदाम में बिनोद कुमार विद्यार्थी करीब सात सालों से पदस्थापित थे। लंबे समय के बाद उनका स्थानांतरण किया गया था।

गड़बड़ी का मामला सामने आने के बाद गोदाम कर्मचारियों से लगातार तीन दिनों तक चावल के बोरों को एक अलग तरीके से रखवाया गया था। इधर जांच के बाद बाजार से चावल खरीद स्टाक पूरा करने की बात सामने आ रही है।

शादी का झांसा देकर यौन शोषण का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा में शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने और इंटरनेट पर पीड़िता को बदनाम करने के आरोप में गिरदा ओपी पुलिस ने सोमरा सिंह, 23 वर्षीय को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, बीते 19 अगस्त को करीब 18 वर्षीय पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि नाबालिग रहने के दौरान उसकी पहचान आरोपी से हुई थी। 15 फरवरी 2024 को आरोपी ने शादी का झांसा देकर पहली बार उसका यौन शोषण किया। इसके बाद शादी का भरोसा देकर कई बार युवक पर शोषण करने का आरोप है।

पुलिस इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी ने करीब दो माह तक पीड़िता को अपने घर में पत्नी के रूप में रखा। बाद में रोजगार के लिए सूरत चला गया और शादी से इन्कार कर दिया। आरोप है कि पीड़िता के दबाव बनाने पर आरोपी ने उसकी तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा कर

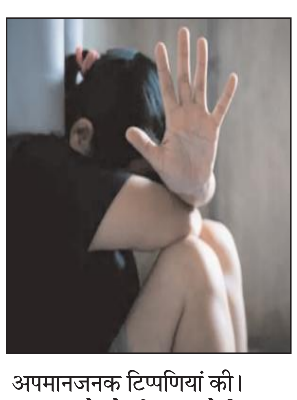

अपमानजनक टिप्पणियां की।

इस मामले में गिरदा ओपी कांड संख्या 25/26 के तहत बीएनएस, पोक्सो, आईटी एक्ट व एससी-एसटी अधिनियम की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस निरीक्षक बानो के नेतृत्व में टीम ने 24 अगस्त को आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार किया। उसके पास से ओप्पो मोबाइल भी जब्त किया गया। जिसके बाद आरोपी को मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सीमा शुल्क कार्यालय के 14 कर्मचारी लापता

हेलीकॉप्टर से सेना कर रही तलाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नेपाल के रसुवा जिले में बुधवार सुबह भोटेकोशी नदी में आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। बाढ़ की चपेट में आने से रसुवागढ़ी सीमा शुल्क कार्यालय के 14 कर्मचारी लापता हो गए हैं। घटना के बाद नेपाल सरकार ने राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है। सेना, पुलिस और स्थानीय प्रशासन के साथ हेलीकॉप्टरों की मदद से लापता लोगों की तलाश जारी है।

गृह मंत्रालय के अनुसार, रसुवागढ़ी सीमा शुल्क कार्यालय में कुल 36 स्थायी कर्मचारी कार्यरत थे। इनमें कार्यालय के प्रशासक प्रमुख राजेंद्र ढुंगाना समेत 25 कर्मचारी सुरक्षित हैं, जबकि 11 स्थायी कर्मचारियों का अब तक कोई पता नहीं चल सका है। इसके अलावा, कार्यालय में कार्यरत चार संविदा एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों में से एक सुरक्षित है, जबकि तीन अन्य लापता बताए जा रहे हैं। इस तरह कुल 14 कर्मचारियों की तलाश की जा रही है।

सीमा शुल्क कार्यालय ने बताया कि बाढ़ के बाद सभी संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर खोज और

कार्यालय में 36 कर्मी थे कार्यरत

बचाव अभियान चलाया जा रहा है। नेपाल सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य तेज करते हुए 12 हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं। इनमें नेपाली सेना के चार और निजी क्षेत्र के आठ हेलीकॉप्टर शामिल हैं। ये लगातार प्रभावित इलाकों में राहत सामग्री पहुंचाने और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुटे हैं।

सरकार ने धादिंग, नुवाकोट, रसुवा और चितवन जिलों की सभी सुरक्षा एजेंसियों को राहत एवं बचाव कार्य में लगाया है। नेपाली सेना, सशस्त्र पुलिस बल और स्थानीय प्रशासन संयुक्त रूप से लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि प्राथमिकता फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने और लापता कर्मचारियों का जल्द से जल्द पता लगाने की है।

नेपाल सरकार ने कहा है कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। मौसम और नदी के जलस्तर को देखते हुए राहत एवं बचाव अभियान को और तेज किया जा रहा है। प्रशासन ने लोगों से नदी किनारे और संवेदनशील इलाकों में जाने से बचने तथा स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच बारिश से बाधित

● फॉलो-ऑन के बाद श्रीलंका 229/6, सुथार ने दो विकेट लिए

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच कोलंबो में खेला जा रहा है। मुकाबले के चौथे दिन श्रीलंका ने शानदार खेल दिखाया है। बारिश के कारण मैच बाधित हो रहा था। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया मजबूत स्थिति में है।मुकाबले के चौथे दिन का खेल शुरू होने के कुछ समय बाद ही श्रीलंका टीम पहली पारी में 290 रन पर सिमट गई। इससे पहले तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद श्रीलंका की टीम ने 8 विकेट के नुकसान पर 265 रन बनाए थे। मेजबान टीम के लिए सोनल दिनूशा ने शतक लगाया वहीं पसिंदु सूरियाबंदारा ने अर्धशतक लगाया। भारत के लिए मानव सुथार और प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन-तीन विकेट अपने नाम किए। भारत ने कोलंबो टेस्ट में फॉलोऑन खेल रही श्रीलंका के 6 विकेट ले लिए हैं। चौथे दिन टीम का स्कोर 229 रन है। सोनल दिनूषा और केशरा नुवनथा क्रीज पर हैं।बुधवार को पसिंदु सोरियाबंडारा 92 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान धनंजय डी सिल्वा 23 रन बनाकर आउट हुए। दोनों को मानव सुथार ने पवेलियन भेजा। निरोशन डिकवेला को सारांश जैन ने आउट किया।

कमिंदु मेंडिस 55 रन बनाकर प्रसिद्ध कृष्णा की बॉल पर आउट हुए। इससे पहले कमिल मिशारा 32 रन पर रवींद्र जडेजा और लाहिरू उदारा 3 रन पर मोहम्मद सिराज ने पवेलियन भेजा था।

भारत ने पहली पारी में 503/9 पर पारी घोषित की थी। जवाब में श्रीलंका 290 रन पर ऑलआउट हुआ था। इस हिसाब से भारत को 213 रन की बढ़त मिली थी, जिसके बाद फॉलोऑन दिया गया।

सारांश जैन का पहला इंटरनेशनल विकेट

86.5 ओवर मे सारांश जैन ने लाहिरू कुमारा को आउट कर अपना पहला टेस्ट विकेट हासिल किया। फ्लाइटेड गेंद पर कुमारा ने सीधा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद हल्की टर्न लेकर बल्ले के बाहरी किनारे से उछल गई। कवर-पॉइंट से दौड़ते हुए ध्रुव जुरेल ने आगे की ओर डाइव लगाकर शानदार कैच पकड़ा। कुमारा 58 गेंद पर 12 रन बनाकर आउट हुए।

कारुआना ने ग्रैंड चेस टूर फाइनल में प्रज्ञानानंदा को हराया

पहले क्लासिकल गेम के बाद 6-0 की बढ़त

सेंटलुइस (एजेंसी)। सेंट लुइस में खेले जा रहे ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स 2026 के खिताबी मुकाबले में ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना ने भारत के आर प्रज्ञानानंदा को हरा दिया। कारुआना ने फाइनल के पहले क्लासिकल गेम में प्रज्ञानानंदा को शिकस्त दी। दूसरा मुकाबला आज होगा। इस जीत से अमेरिका के कारुआना ने मैच में 6-0 की बढ़त बना ली। मुकाबले में प्रज्ञानानंदा लंबे समय तक बराबरी पर थे, लेकिन 28वीं चाल में हुई गलती के बाद कारुआना ने गेम अपने नाम कर लिया। वहीं तीसरे स्थान के मुकाबले में विसेंट कीमर और वेस्ली सो का पहला क्लासिकल गेम ड्रॉ रहा और दोनों का स्कोर 3-3 है।

● **28वीं चाल की गलती से हारे प्रज्ञानानंदा** – कारुआना और प्रज्ञानानंदा के बीच मुकाबला काफी देर तक बराबरी का रहा। कारुआना के मुताबिक उन्हें भी स्थिति में कोई खास बढ़त नहीं दिख रही थी और 26वीं चाल में वे स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन इसके तीन चाल बाद प्रज्ञानानंदा ने गलत खेल दिया। इस गलती से कारुआना को निर्णायक बढ़त मिल गई और उन्होंने गेम जीत लिया।

मीराबाई चानू एशियाई खेलों में ओलंपिक जैसी चुनौती के लिए पूरी तरह से तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय भारोत्तोलक और ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में ओलंपिक जैसी चुनौती के लिए पूरी तरह से तैयार हैं जहां उन्हें चीन, उत्तर कोरिया और थाईलैंड के शीर्ष खिलाड़ियों का सामना करना होगा। भारत की इस 32 वर्ष की खिलाड़ी ने विश्व स्तर पर लगभग प्रत्येक पदक जीता है जिसमें 2021 में ओलंपिक खेलों में जीता गया रजत पदक भी शामिल है। लेकिन वह अभी तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीत पाई हैं। मीराबाई ने हाल में ही राष्ट्रमंडल खेलों में तीसरी बार स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने कहा एशियाई खेल बिल्कुल अलग तरह की प्रतियोगिता है, जिसमें राष्ट्रमंडल खेलों की तुलना में कहीं अधिक कड़ी प्रतिस्पर्धा होने की संभावना है। मीराबाई ने 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों से पहले साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) मीडिया से कहा, राष्ट्रमंडल खेलों में मेरे लिए प्रतिस्पर्धा कठिन नहीं थी।

बुमराह से 697 दिन बाद टॉप रैंकिंग छिनी

ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क नंबर-1 टेस्ट गेंदबाज, टॉप-10 बल्लेबाजों में पंत और गिल

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़कर पहली बार आईसीसी टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया है। बांग्लादेश के खिलाफ मैकाय टेस्ट में 10 विकेट लेने के बाद स्टार्क दो स्थान की छलांग लगाकर टॉप पर पहुंचे। उनके 872 रेटिंग पॉइंट हैं, जबकि बुमराह 862 पॉइंट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। बुमराह ने कुल 697 दिन नंबर-1 की रैंकिंग पर बिताए हैं। वे 7 फरवरी 2024 को पहली बार इस मुकाम पर पहुंचे थे। हालांकि, यह लगातार 697 दिन का आंकड़ा नहीं है। बीच में दूसरे गेंदबाज भी नंबर-1 बने, इसलिए बुमराह के अलग-अलग नंबर-1 कार्यकालों को जोड़कर यह आंकड़ा बना है। 697 दिन किसी भारतीय गेंदबाज का आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में सबसे लंबा संयुक्त नंबर-1 कार्यकाल है और टेस्ट इतिहास में यह 14वां सबसे लंबा है। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ 2024 विशाखापट्?टनम टेस्ट में 9 विकेट लेने के बाद पहली बार टॉप रैंक हासिल की थी। वह टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 बनने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज भी हैं। वहीं, मौजूदा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में ऋषभ पंत सातवें और शुभमन गिल आठवें नंबर पर हैं।

● **2025 में 907 रेटिंग पॉइंट तक पहुंचे** – बुमराह 2025 में भी टेस्ट रैंकिंग के टॉप पर बने रहे। जनवरी 2025 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न टेस्ट में 9 विकेट लेने के बाद उनके रेटिंग पॉइंट 907 तक पहुंच गए थे। यह किसी भारतीय गेंदबाज का आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में सबसे बड़ा रेटिंग स्कोर था। बुमराह 2024 में आईसीसी टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर थे।

● **जून 2026 में हेनरी के साथ संयुक्त नंबर-1 हुए थे** – 2026 में बुमराह को न्यूजीलैंड के मैट हेनरी से भी चुनौती मिली। जून में हेनरी ने 11 विकेट लेकर बुमराह के साथ संयुक्त रूप से नंबर-1 स्थान हासिल किया था। हालांकि, इसके बाद बुमराह फिर टॉप पर पहुंच गए।

बुमराह की गैरमौजूदगी और स्टार्क का प्रदर्शन बना वजह

बुमराह इस समय श्रीलंका के खिलाफ भारत की जारी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज में नहीं खेल रहे हैं। उनकी गैरमौजूदगी के बीच स्टार्क ने बांग्लादेश के खिलाफ 10 विकेट लेकर टॉप पर पहुंच गए। स्टार्क ने पहली पारी में 6 और दूसरी पारी में 4 विकेट लिए। नके शानदार स्पेल की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को दोनों पारियों में 100 रन के अंदर समेट दिया और मैकाय टेस्ट पारी और 51 रन से जीत लिया।

चार वर्ल्ड कप खेल चुके पाकिस्तान की तेज गेंदबाज ऐमन अनवर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान की महिला तेज गेंदबाज ने तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बुधवार को बताया कि तेज गेंदबाज ऐमन अनवर ने तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 2016 में पर्दापण करने वाली ऐमन अनवर ने पाकिस्तान के लिए 37 अंतरराष्ट्रीय टी-20 और आठ एकदिवसीय मैच खेले। अनवर ने पाकिस्तान के लिए अपना पहला मैच 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 में खेला था। उन्होंने राष्ट्रीय टीम के लिए दक्षिण अफ्रीका में हुए आईसीसी महिला टी-20 विश्वकप 2023 में खेला था। 34 साल की इस खिलाड़ी के नाम 29 टी20 विकेट और वनडे फॉर्मेट में चार विकेट दर्ज हैं। अनवर उस पाकिस्तानी स्क्वाड का भी हिस्सा थीं जिसने 2018, 2020 और 2023 में महिला टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था। उन्होंने 2022 में न्यूजीलैंड में हुए महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में भी हिस्सा लिया था। इंग्लैंड के खिलाफ लीग स्टेज का मैच इस तेज गेंदबाज का टीम के लिए आखिरी वनडे मैच था।

बीबीएल में ड्राफ्ट सिस्टम खत्म, अब खिलाड़ियों को होगा और फायदा, मिलेंगे ज्यादा पैसे

सिडनी (एजेंसी)। बिग बैश लीग (बीबीएल) अनुबंध से जुड़ी रोक गुरुवार से हटने के बाद इस टूर्नामेंट में खेलने वाले ऑस्ट्रेलियाई और विदेशी खिलाड़ियों को अधिक राशि मिलेगी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन (एसीए) के साथ महीनों की बातचीत और क्लबों से मिले फीडबैक के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (एसीए) ने आखिरकार डब्ल्यूबीबीएल सीजन शुरू होने से छह सप्ताह पहले अनुबंध से जुड़े नए नियम घोषित कर दिए।

नए नियमों के तहत विदेशी खिलाड़ियों के लिए ड्राफ्टा व्यवस्था को खत्म कर दिया गया है और बड़े घरेलू खिलाड़ियों को ज्यादा पैसे देने के मकसद से जरूरी बड़े घरेलू खिलाड़ियों की संख्या कम कर दी गई है। क्लबों को विदेशी खिलाड़ियों को साइन न करने का विकल्प भी दिया गया है। यह रोक गुरुवार सुबह नौ बजे हट जाएगी और इससे बेन

स्टोक्स और फिन एलन जैसे खिलाड़ियों के लिए बीबीएल क्लबों के साथ सीधे रिकॉर्ड अनुबंध साइन करने का रास्ता खुल जाएगा।

साथ ही मेलबर्न रेनेगेड्स छोड़ने के बाद ऑस्ट्रेलिया के लेग-स्पिनर एडम जम्पा को भी आखिरकार कोई क्लब मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया के टी-20 विकेटकीपर जॉश इंग्लिश को भी सैद्धांतिक रूप से फायदा हो सकता है, क्योंकि पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ उनका अनुबंध समाप्त हो गया है, हालांकि, टेस्ट ड्यूटी की वजह से हो सकता है कि वह आने वाले बीबीएल के किसी भी हिस्से के लिए उपलब्ध न हों, जिससे आने वाले सीजन के लिए बड़ा कॉन्ट्रैक्ट पाने की उनकी संभावना बेहद कम हो जाती है। ऑस्ट्रेलिया के कई बड़े बीबीएल खिलाड़ी और कई क्लब लंबे समय से विदेशी खिलाड़ियों के लिए बने 'ड्राफ्ट' सिस्टम से परेशान थे। इस सिस्टम की वजह से कई बार कम मशहूर विदेशी खिलाड़ियों को ड्राफ्ट के नियमों के कारण सबसे अच्छे लोकल खिलाड़ियों से कहीं ज्यादा पैसे मिल जाते थे। डब्ल्यूबीबीएल में भी यही नियम लागू होंगे।

यूएस ओपन मिक्स्ड डबल्स में जोकोविच-सबालेंका पहले राउंड में हारे

सेरेना-अल्काराज भी हारकर बाहर, पति-पत्नी स्वितोलीना-मोंफिल्स सेमीफाइनल में पहुंचे

न्यूयार्क (एजेंसी)। न्यूयॉर्क में खेले जा रहे स ओपन मिक्स्ड डबल्स में नोवाक जोकोविच-आर्यना सबालेंका और सेरेना विलियम्स-कार्लोस अल्काराज की स्टार जोड़ियां खिताब की दौड़ से बाहर हो गईं। जोकोविच-सबालेंका पहले दौर में हारे, जबकि सेरेना-अल्काराज को क्वार्टर फाइनल में शिकस्त मिली। वहीं पति-पत्नी एलीना स्वितोलिना और गेल मोंफिल्स ने डबल्स के नंबर-1 कतेरीना सिइनाकोवा-हेनरी पैटेन को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। कतेरीना सिइनाकोवा और नंबर-1 पुरुष डबल्स खिलाड़ी हेनरी पैटेन ने पहले दौर में जोकोविच-सबालेंका को हराया। मंगलवार को खेले गए मुकाबले में दोनों ने टॉप सीड जोड़ी को 1-4, 4-2 से शिकस्त दी। सबालेंका दो बार की डिफेंडिंग यूएस ओपन महिला चैंपियन हैं, जबकि जोकोविच 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके हैं। दोनों को उनकी संयुक्त सिंगल्स रैंकिंग के आधार पर टूर्नामेंट में नंबर-1 सीड मिली थी। हालांकि, उनकी हार को बड़ा उलटफेर नहीं माना गया, क्योंकि सामने डबल्स के नंबर-1 खिलाड़ी थे।

पहला सेट जीतने के बाद हारे जोकोविच-सबालेंका – जोकोविच और सबालेंका ने मैच की अच्छी शुरुआत की। दोनों ने पहला सेट सिर्फ 12 मिनट में 4-1 से जीत लिया। दूसरे सेट में भी उन्होंने शुरुआत में बढ़त बनाई, लेकिन सिइनाकोवा और पैटेन ने वापसी करते हुए सेट 4-2 से जीत लिया। इसके बाद मुकाबला सुपर टाई-ब्रेकर में पहुंचा, जहां सिइनाकोवा-पैटेन ने 10-2 से बाजी मार ली। इस तरह पहला सेट आसानी से जीतने के बावजूद जोकोविच-सबालेंका को पहले ही मैच में हारकर टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा।

सेरेना की वापसी का सफर क्वार्टर फाइनल में थमा – 44 साल की सेरेना विलियम्स ने 2022 में टेनिस से विदाई के बाद पहली बार यूएस ओपन के आर्थर ऐश स्टेडियम में वापसी की। उन्होंने कार्लोस अल्काराज के साथ पहले मैच में एरिन राउटलिफ और लॉयड ग्लासपूल को 5-3, 4-1 से हराया। इस दौरान सेरेना ने 193 किमी/घंटे की रफ्तार से एस लगाया, जिस पर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने जोरदार प्रतिक्रिया दी।सेरेना ने कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं दोबारा इस कोर्ट पर लौटूंगी। यहां होना हमेशा खास है।'क्वार्टर फाइनल में सेरेना-अल्काराज का सामना बेलिंडा बेंसिच और फ्लावियो कोबोली से हुआ। बेंसिच-कोबोली ने पहला सेट टाई-ब्रेकर में जीता और फिर दूसरा सेट 4-1 से अपने नाम कर मैच जीत लिया। कोबोली ने कहा, 'आर्थर ऐश पर सेरेना और कार्लोस के खिलाफ खेलना आसान नहीं है। मैं मैच से पहले भी थका हुआ था और अब भी थका हूं।

एशियन गेम्स 2026

भारत - पाकिस्तान सिर्फ फाइनल में संभव

मेंस क्रिकेट टीम 28 सितंबर को पहला मैच खेलेगी ; महिलाओं का जापान से मुकाबला

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष टीम 28 सितंबर से एशियन गेम्स में अपना पहला मैच खेलेगी। जापान में खेली जाने वाले टूर्नामेंट में महिला टीम 18 सितंबर को अपना पहला मुकाबला खेलेगी। दोनों भारतीय टीमों को सीडिंग मिली है और वे सीधे क्वार्टर फाइनल में उतरेंगी। टूर्नामेंट नागोया के पास कोरोगी एथलेटिक पार्क में होगा। विमेंस क्रिकेट टूर्नामेंट 17 से 22 सितंबर, जबकि मेंस क्रिकेट टूर्नामेंट 24 सितंबर से 1 अक्टूबर तक चलेगा। महिला वर्ग में फाइनल 22 सितंबर, जबकि पुरुष वर्ग का फाइनल 3 अक्टूबर को होगा।भारत ने 2023 एशियन गेम्स में मेंस और विमेंस कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता था।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम में वैभव – भारत एशियन गेम्स के लिए टीम का ऐलान कर चुका है। श्रेयस अय्यर कप्तान और तिलक वर्मा उपकप्तान होंगे। टीम में वैभव सूर्यवंशी को भी शामिल किया गया है।भारतीय महिला की टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर होंगी। वहीं स्मृति मंधाना को उपकप्तान बनाया गया है।

दोनों टीमों का स्क्वॉड

पुरुष टीम – श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा,

संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह।

महिला टीम – हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयांका पाटिल, राधा यादव, नंदनी शर्मा।

4 टीमों को सीधे क्वार्टर फाइनल में एंट्री – 2026 एशियन गेम्स के मेंस क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत के अलावा बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका को सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह मिली है। अफगानिस्तान, हॉन्गकॉन्ग, जापान, मलेशिया, नेपाल और ओमान की टीमें प्रीलिमिनरी राउंड में खेलेंगी। इन 6 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा जाएगा। दोनों ग्रुप की टॉप 2-2 टीमें यानी कुल 4 टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। यहां उनका मुकाबला पहले से क्वालिफाई कर चुकी 4 टीमों से होगा।

संजय बांगड़ की बेटी अनाया की क्रिकेट में वापसी

ऑस्ट्रेलिया ने खेलने की अनुमति दी, हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी से बदला था जेंडर

नईदिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ की बेटी अनाया बांगड़ ने बैंकॉक में जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी के बाद यह पोस्ट शेयर की थी। अनाया इससे पहले आर्यन बांगड़ थे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और बैटिंग कोच संजय बांगड़ की बेटी अनाया बांगड़ के क्रिकेट में वापसी का रास्ता खुल गया है। अनाया ने जेंडर ट्रांजिशन के दौरान हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी और मार्च 2026 में जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी कराई थी। अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने उन्हें अपनी 'ट्रांसजेंडर एंड जेंडर डाइवर्स प्लेयर्स इन एलीट क्रिकेट पॉलिसी' के तहत ऑस्ट्रेलिया में महिला क्रिकेट खेलने की अनुमति दी है। सीए के फैसले के मुताबिक अनाया मार्च 2027 से एलीट महिला क्रिकेट खेल सकती हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें तय शर्तें पूरी करनी होंगी। इस फैसले से उनके लिए विमेंस बिग बैश लीग में खेलने का रास्ता भी खुल सकता है। हालांकि, सीए की मंजूरी का मतलब यह नहीं है कि उन्हें डब्ल्यूबीबीएल की किसी टीम में कॉन्ट्रैक्ट मिल गया है।

हार्मोन थेरेपी और सर्जरी के बाद क्रिकेट में वापसी – अनाया ने जेंडर ट्रांजिशन की प्रक्रिया के दौरान हार्मोन थेरेपी कराई और मार्च 2026 में जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी कराई। इसके बाद उन्होंने क्रिकेट में वापसी के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से संपर्क किया। सीए ने उनके मामले

की समीक्षा के बाद उन्हें फिलहाल ऑस्ट्रेलिया की प्रीमियर क्रिकेट प्रतियोगिताओं में खेलने की अनुमति दी है। प्रीमियर क्रिकेट को सीए की नीति में कम्युनिटी क्रिकेट की श्रेणी में रखा गया है, इसलिए इसमें खेलने के लिए एलीट क्रिकेट वाली पात्रता शर्तें लागू नहीं होतीं।

मार्च 2027 से एलीट क्रिकेट के लिए शर्त पूरी करनी होगी – डब्ल्यूबीबीएल जैसी एलीट प्रतियोगिताओं के लिए अनाया को सीए की मेडिकल पात्रता शर्तें पूरी करनी होंगी। सीए के पत्र के मुताबिक मार्च 2027 से उनकी एलीट क्रिकेट पात्रता इस बात पर निर्भर होगी कि ऑस्ट्रेलिया पहुंचने पर उनके ब्लड टेस्ट में सीरम टेस्टोस्टेरोन 10 एनएमओएल से कम हो और वे पॉलिसी की बाकी शर्तों को भी पूरा करती रहें।

अनाया बोलीं- एक समय लगा था क्रिकेट हमेशा के लिए खो दिया – अनाया ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के फैसले को अपने लिए बेहद भावुक पल बताया। उन्होंने कहा कि एक समय उन्हें सच में लगने लगा था कि वे शायद दोबारा क्रिकेट नहीं खेल पाएंगी।उन्होंने कहा कि बचपन से क्रिकेट उनकी पहचान का अहम हिस्सा रहा है। ट्रांजिशन के बाद क्रिकेट से दूर होना उनके लिए सबसे मुश्किल अनुभवों में से एक था।

अनाया के मुताबिक, यह सिर्फ किसी महिला लीग में शामिल होने का मामला नहीं है, बल्कि उस खेल में वापस लौटने का मौका है, जिससे वे बचपन से प्यार करती हैं।

मुंबई अंडर-19 क्रिकेट खेल चुकी हैं

अनाया इससे पहले मुंबई की एज-ग्रुप क्रिकेट में खेल चुकी हैं। उन्होंने मुंबई अंडर-19 स्तर पर क्रिकेट खेला था और उस दौर में सरफराज खान और उनके भाई मुशीर खान जैसे खिलाड़ियों के साथ भी खेल चुकी हैं।

भारत में महिला क्रिकेट खेलने का रास्ता स्पष्ट नहीं

भारत में ट्रांसजेंडर महिलाओं के महिला क्रिकेट में खेलने को लेकर बीसीसीआई की स्पष्ट नीति सामने नहीं आई है। दूसरी ओर, आईसीसी ने 2023 में पुरुष यौवन से गुजर चुके ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों को एलीट महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में खेलने से रोकने की नीति अपनाई थी।

सरस्वती शिशु मंदिर के बच्चों ने किया भगवान शिव का जलाभिषेक

भव्य कांवर यात्रा में उमड़ी श्रद्धा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमालपुर (मुंगेर)। प्रेमानंद तिवारी सरस्वती शिशु मंदिर, केशो पुर, जमालपुर के तत्वावधान में बुधवार को भव्य कांवड़ यात्रा एवं जलाभिषेक का आयोजन श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में किया गया। विद्यालय परिसर से निकली यात्रा में भैया-बहनों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस दौरान पूरे मार्ग में हर-हर महादेव, बोल बम और ॐ नमः शिवाय के जयघोष से वातावरण गूंजता रहा।यात्रा में अनन्या नारायण भगवान शिव, सुहानी वैभव पार्वती, श्रेया कुमारी माता पार्वती तथा अंश गणेश के रूप में सुसज्जित होकर शामिल हुए। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति ने कांवड़ यात्रा की शोभा बढ़ाई। यात्रा विद्यालय परिसर से शुरू होकर छह नंबर गेट, भारत माता चौक होते हुए बादल दास ठाकुरबाड़ी पहुंची। यहां बच्चों ने श्रद्धापूर्वक भगवान शिव का जलाभिषेक किया।यात्रा में विद्यालय के आचार्य-आचार्या के साथ अभिभावक भी मौजूद रहे। बच्चों की श्रद्धा और अनुशासन से प्रभावित होकर ठाकुरबाड़ी के महंत ने उन्हें आशीर्वाद दिया तथा शरबत की व्यवस्था की। वहीं विकास जी की ओर से बच्चों के बीच बिस्कुट वितरित किया गया।प्रधानाचार्य प्रभाष कुमार ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में संस्कार, अनुशासन, सामाजिक सहयोग, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक चेतना विकसित करते हैं। आचार्य-आचार्या के मार्गदर्शन में यात्रा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई।

जुबलीवेल चौक पर महाजाम से थमी शहर की रफ्तार

- डेढ़ घंटे तक फंसे रहे रेल यात्री और मरीज
- स्टेशन रोड से मुंगेर रोड तक वाहनों की लंबी कतार
- अतिक्रमण और ऑटो-टोटो की मनमानी और पर्व बनी जाम की प्रमुख वजह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमालपुर (मुंगेर)। रक्षा बंधन पर्व को लेकर बुधवार को जमालपुर शहर में उमड़ी भीड़ के बीच जुबलीवेल चौक पर दोपहर करीब दो बजे महाजाम लग गया।
देखते ही देखते स्टेशन रोड, जय बांग्ला मोड़, मुंगेर रोड, अवंतिका मोड़ और लोको कॉलोनी रोड तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। करीब डेढ़ घंटे तक यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमराई रही। जाम में रेल यात्री, मरीज, कार्यालय कर्मी और पुलिस-प्रशासन के वाहन तक फंसे रहे। कई यात्रियों को समय पर स्टेशन नहीं पहुंच पाने की परेशानी झेलनी पड़ी। सबसे अधिक परेशानी स्टेशन आने-जाने वाले यात्रियों को हुई। जुबलीवेल चौक से स्टेशन रोड की ओर ई-रिक्शा, ऑटो और अन्य वाहनों की कतार लगने से आवागमन लगभग ठप हो गया। स्टेशन के प्रवेश-निकास द्वार के समीप फुटपाथी दुकानों और बेतरतीब खड़े ऑटो-टोटो के कारण स्थिति और गंभीर हो गई। मौके पर तैनात महिला ट्रैफिक सिपाही के प्रयास के बावजूद जाम नियंत्रित नहीं हुआ। स्थिति बिगड़ने पर आदर्श थाना जमालपुर की टीम पहुंची। एसआई निरंजन कुमार, पीएसआई अखिलेश कुमार और पीटीसी अतुल साक्षी ने चारों दिशाओं से वाहनों को नियंत्रित कर काफी मशक्कत के बाद यातायात सामान्य कराया। स्थानीय लोगों में मुकेश कुमार, सुबोध मंडल, रतन कुमार, सीमा देवी बबलू सिंह, अशोक पासवान,अरुण कुमार आदि ने बताया कि सड़क किनारे अतिक्रमण और ऑटो-टोटो चालकों द्वारा सवारी चढ़ाने-उतारने के कारण रोजाना जाम की स्थिति बन रही है। लोगों ने अतिरिक्त ट्रैफिक बल और प्रभावी यातायात प्रबंधन की मांग की।

सावन में झूलन महोत्सव की उमंग

- सावन में झूलन महोत्सव से गूंजते हैं मंदिर और आंगन

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सावन का महीना आते ही बंगाल सहित देश के कई हिस्सों में झूलन महोत्सव की रौनक देखने को मिलती है। राधा-कृष्ण की भक्ति को समर्पित इस पर्व में मंदिरों और घरों में आकर्षक झूले सजाए जाते हैं। फूलों और रंग-बिरंगी सजावट से सजे झूलों पर राधा-कृष्ण की प्रतिमाओं को विराजमान कर श्रद्धालु पूजा-अर्चना करते हैं।
सावन माह के शुक्ल पक्ष एकादशी से पूर्णिमा तक मंदिरों-ठाकुरबाड़ियों में सुंदर सुंदर मिट्टी के राधा- कृष्ण,ग्वाल बाल, गायें - चरवाहों की मुर्तियां होती हैं। खूंटी में भी वर्षों पहले 1977-78 से मुर्तिकार तपन घोष मुर्तियां बनाकर भगतसिंह चौक पर पांच दिवसीय भक्ति पर्व मनाते रहे। तत्पश्चात उनके ही छोटे भाई डॉ दीपक कुमार घोष भी भाई से कला सीखकर मुर्तियों की नुमाइश और पूजन किया करते थे। दीपक घोष की बनाई मुर्तियां बिल्कुल सजीव दिखती थीं।इनकी कलाकृतियों को लेकर 2021में प्राचीन कला केंद्र चंडीगढ़ द्वारा विशेष सम्मान मिला,सुर नंदन भारती कोलकाता द्वारा स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है।
डॉ दीपक कुमार घोष विश्व भारती कलाकार परिषद नामक संस्था बनाकर मुर्तिकला, फिल्म कला के क्षेत्र में कार्यरत हैं। उन्होंने कहा यह पर्व राधे कृष्णा के पूजन पर आधारित है, सभी धार्मिक लोग भाग लेते हैं,खासकर बंगाली परिवार प्रतिदिन पूजा पाठ और प्रसाद वितरण करते थे। कोलकाता के दमदम श्यामनगर, नैहाटी आदि स्थानों की भव्यता देखते बनती है। अपने संस्मरण को याद करते हुए मुरहू के भगवत्प्रेमी डॉ. धर्मेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि झूलन पूजा का आनंद अवर्णनीय होता है। इसमें भक्ति के साथ साथ कला-संस्कृति की झलक मिलती है।झारखंड में भी चक्रधरपुर, जमशेदपुर सहित रांची आदि में बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। अखिल भारतीय सांस्कृतिक विकास महासंघ के अध्यक्ष तपन घोष ने कहा कि बंगाल, ओडिशा, बिहार, और उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में झूलन महोत्सव के दौरान भजन-कीर्तन, संकीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं। विशेषकर बंगाल और वैष्णव परंपरा वाले क्षेत्रों में इसका विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व है। सावन की हरियाली, लोकगीत और भक्ति संगीत इस उत्सव की सुंदरता को और बढ़ा देते हैं।
धर्मप्रेमी युवा ध्रुवेन्द्र भास्कर ने कहा कि झूलन महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि लोक संस्कृति, कला, संगीत और सामाजिक एकता का उत्सव भी है, जो पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं को जीवंत बनाए हुए है।

संक्षिप्त समाचार

एकल अभियान की शिक्षा में स्वास्थ्य, संस्कार पर बल अंधविश्वास ,डायन- विसाही, झाड़-फूंक से दूर रहें

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। एकल अभियान मुरहू संच द्वारा आयोजित आचार्यों की बैठक सरस्वती शिशु मंदिर कोड़ाकेल में हुई।कार्यक्रम में भैया-बहनों के लिए पाठ्य सामग्री कापी -कलम वितरित की गई। कार्यक्रम में पढ़ाई के साथ साथ सामाजिक कुरीतियां दूर करने पर विचार व्यक्त किया गया।बैठक में संच अध्यक्ष डॉ डीएन तिवारी ने कहा कि एकल अभियान ग्रामीण बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रहा है। मुरहू संच में तीस एकल विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। विद्यालयों में छात्रों को पठन पाठन, स्वास्थ्य शिक्षा, संस्कार शिक्षा, हस्तशिल्प, जागरण शिक्षा सहित ग्राम विकास शिक्षा दिया जाता है। गांवों में खेती -बारी में जैविक और रासायनिक जानकारी दी जाती है। गांवों में अंधविश्वास झाड़-फूंक से दूर रहने, सही समय पर इलाज कराने सहित जरुरी जानकारियां दी जाती हैं।भूत-प्रेत डायन - विसाही आदि भ्रम को दूर करने, तथा किसी के बहकावे में आकर आपसी सद्भाव को नहीं बिगाड़ने पर जोर दिया जाता है। कहा कि सभी को बुद्धि -ज्ञान विवेक से निर्णय लेने चाहिए। परस्पर प्रेम भाईचारा से ही सुख-समृद्धि और सर्वांगीण विकास संभव है। कार्यक्रम में महेंद्र नाग, जय सिंह मुंडा,ओमपति देवी, ध्रुवेन्द्र भास्कर, अनिता देवी मनीषा कुमारी सुधा कुमारी सहित अन्य आचार्यगण उपस्थित थे।

गोली लगने के एक घंटे बाद खुद अस्पताल पहुंचा युवक, पुलिस जांच में जुटी

मेदिनीनगर, पलामू/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शहर थाना क्षेत्र के जेलहाता में मंगलवार रात करीब 8:30 बजे गोली लगने से एक युवक घायल हो गया। घटना के करीब एक घंटे बाद घायल युवक खुद रात करीब 9:30 बजे अस्पताल पहुंचा, जहां उसका इलाज चल रहा है। घायल की पहचान लेस्लीगंज थाना क्षेत्र निवासी जितेंद्र पासवान के रूप में हुई है। युवक ने पुलिस को घटना की जानकारी दी है, लेकिन गोली लगने के कारण और घटना की परिस्थितियां अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी हैं। घटना के बाद अस्पताल पहुंचने में करीब एक घंटे का अंतर भी पुलिस के लिए जांच का विषय बना हुआ है। पुलिस ने मामले को संदिग्ध मानते हुए छानबीन शुरू कर दी है।

केंद्रीय मंत्री ने बाल विवाह हेल्पलाइन जारी की

नई दिल्ली, नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने नागरिकों से आग्रह किया है कि यदि उन्हें कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिले या उसका संदेह हो तो वे चुप न रहें और तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर फोन करके इसकी सूचना दें। 'एक्स' पर एक पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बाल विवाह केवल एक सामाजिक बुराई नहीं है, बल्कि बच्चों के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य के लिए एक गंभीर आघात है। उन्होंने सभी से हमारी बेटियों के सपनों, अधिकारों और सुरक्षित भविष्य की रक्षा के लिए एकजुट होने और बाल विवाह मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने का आह्वान किया।

हाई वोल्टेज तार की चपेट में आने से युवक की मौत

गिरिडीह, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के नीचे पहाड़ीडीह गांव में बुधवार को ईद-ए-मिलाद-उन्नबी को लेकर झंडा लगाने के दौरान हाई वोल्टेज तार की चपेट में आने से 20 वर्षीय युवक सब्बीर अंसारी की मौत हो गई।

हजरत मुहम्मद साहब के 1501वें जन्म दिवस पर धूमधाम से निकला जुलूस

बलियापुर, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। फैजाने रजा कमिटी" बलियापुर के तत्वावधान में हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का 1501वाँ जन्म दिवस (मिलाद-उन-नबी) बेहद धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों जैसे आमझर, परघा, भिखराजपुर, रखितपुर और बाम्हनडीहा से भव्य जुलूस निकाला गया। यह जुलूस पारंपरिक रास्तों से होते हुए बलियापुर चौक पहुँचा, जहाँ एक विशाल सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता मौलाना तस्लीम रजा ने की। कार्यक्रम की शुरूआत सबसे पहले पवित्र कुरआन के पाठ (तिलावत) से हुई। इसके बाद हजरत मुहम्मद साहब की शान और तारीफ में मोहम्मद लुकमान अंसारी ने सुरीली आवाज में नात-ए-पाक पेश की।

शिक्षा से सफलता तकः सूर्य उदय ट्रस्ट ने आयोजित किया ऑनलाइन स्कॉलरशिप कैंप

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आर्थिक रूप से कमजोर और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से सूर्य उदय चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को प्रोजेक्ट भाग्य उदय-शिक्षा से सफलता तक के तहत द्वितीय ऑनलाइन स्कॉलरशिप कैंप-2 (2026) का आयोजन किया गया। कैंप में विद्यार्थियों को विभिन्न स्कॉलरशिप योजनाओं, शैक्षणिक सहयोग और करियर मार्गदर्शन की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों की सलाह के माध्यम से विद्यार्थियों को भविष्य की बेहतर तैयारी के लिए प्रेरित किया गया।
इस दौरान 5 अगस्त को आयोजित प्रथम ऑनलाइन स्कॉलरशिप कैंप के विजेता विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। ट्रस्ट के सदस्यों ने कहा कि इन विद्यार्थियों की सफलता अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा बनेगी।

पलामू में 60 लाख का गांजा जब्त सीएसपी संचालक समेत दो तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत पलामू पुलिस ने सतबरवा थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 121 किलो गांजा जब्त किया है। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब 60 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने मौके से दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।
एसपी कपिल चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शंभु कुमार और सरोज कुमार के रूप में हुई है।
शंभु कुमार सीएसपी संचालक है, जबकि सरोज कुमार वाहन चालक है। पूछताछ में दोनों ने पुलिस को बताया कि गांजा ओडिशा से लाकर हरिहरगंज में किसी व्यक्ति को सप्लाई किया जाना था। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और तस्करी के पूरे रूट की जांच में जुटी है।

450 छात्रों के स्कूल में गणित-विज्ञान-अंग्रेजी के शिक्षक नहीं, भविष्य अधर में

- सुदूर महुड़ंड के स्तरोन्नत उच्च विद्यालय में शिक्षकों का टोटा, पढ़ाई पर संकट

हुसैनाबाद ,पलामूः हुसैनाबाद प्रखंड के सुदूर एवं दुर्गम क्षेत्र में स्थित स्तरोन्नत उच्च विद्यालय महुड़ंड में शिक्षकों की भारी कमी ने करीब 450 विद्यार्थियों की पढ़ाई पर सवाल खड़ा कर दिया है। विद्यालय में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं का नामांकन होने के बावजूद गणित, विज्ञान और अंग्रेजी जैसे महत्वपूर्ण विषयों के एक भी शिक्षक पदस्थापित नहीं हैं। ऐसे में विद्यार्थियों की पढ़ाई किस तरह आगे बढ़ेगी, यह अभिभावकों के लिए चिंता का विषय बन गया है।
विद्यालय में शिक्षकों की कमी को लेकर ग्राम पंचायत महुड़ंड के पूर्व मुखिया विजय प्रसाद यादव ने हुसैनाबाद विधायक को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने पत्र में विद्यालय की मौजूदा स्थिति से अवगत कराते हुए कहा है कि सुदूर और दुर्गम क्षेत्र में रहने वाले गरीब परिवारों के बच्चों के लिए यही विद्यालय शिक्षा का प्रमुख सहारा है। लेकिन आवश्यक विषयों के शिक्षक नहीं होने से बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है।
पूर्व मुखिया के अनुसार विद्यालय में करीब 450 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। इसके बावजूद गणित, विज्ञान और अंग्रेजी विषय के शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। इन विषयों की पढ़ाई प्रभावित होने का सीधा असर विद्यार्थियों की शैक्षणिक नींव और आगामी परीक्षाओं की तैयारी पर पड़ रहा है। खासकर उच्च कक्षाओं के विद्यार्थियों के सामने विषयवार पढ़ाई को लेकर गंभीर परेशानी उत्पन्न हो रही है।
प्रखंड मुख्यालय से 20 किमी दूर महुड़ंड जैसे सुदूर इलाके में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए दूसरे स्थानों पर जाकर पढ़ाई करना आसान नहीं है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे आवागमन और अन्य खर्च वहन करने में सक्षम नहीं हैं। ऐसे में शिक्षकों की कमी का सबसे अधिक खामियाजा इन्हीं बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। स्थानीय स्तर पर यह चिंता भी जताई जा रही है कि यदि समय रहते शिक्षकों की व्यवस्था नहीं हुई तो कुछ बच्चे पढ़ाई से दूर होने को मजबूर हो सकते हैं।
पूर्व मुखिया विजय प्रसाद यादव ने विधायक से विद्यालय की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए गणित, विज्ञान और अंग्रेजी के शिक्षकों की अविलंब पदस्थापना कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सुदूर क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। शिक्षकों की कमी दूर होने से न केवल विद्यालय में पठन-पाठन सुचारू होगा, बल्कि क्षेत्र के सैकड़ों विद्यार्थियों के भविष्य को भी बेहतर दिशा मिल सकेगी।

40 वर्षों से बसे गरीब परिवारों को आवास देकर ही हो विस्थापन

रामपुर में आइआइपी के साथ भूमिहीनों की बैठक संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमालपुर (मुंगेर)। जमालपुर रामपुर पंचमुखी मंदिर परिसर में बुधवार को इंडियन इंक्लूसिव पार्टी की ओर से भूमिहीन एवं गरीब परिवारों की समस्याओं को लेकर बैठक हुई। अध्यक्षता आइआइपी के प्रधान महासचिव अजय यादव ने की, तथा संचालन कुंदन तांती ने किया। बैठक में रामपुर बस्ती में करीब 40 वर्षों से रह रहे जरूरतमंद परिवारों को सरकारी योजना के तहत आवास उपलब्ध कराने के बाद ही विस्थापित करने की मांग उठी। मौके पर अजय यादव ने कहा कि वर्षों से रह रहे गरीब परिवारों के सामने अचानक बेघर होने का संकट खड़ा हो गया है। सरकार पहले प्रभावित परिवारों का सर्वे कराकर स्थायी भूमि और आवास की व्यवस्था करे। इसके बाद ही रेलवे की जमीन से संबंधित कोई कार्रवाई की जाए। बिना वैकल्पिक व्यवस्था के गरीब परिवारों को हटाना उचित नहीं होगा। बैठक में तारणी तांती, अमित रंजन, विजय गुप्ता, उमेश तांती, सुनील, बिट्टू, माला देवी और गुंजा देवी समेत अन्य महिलाओं ने अपनी समस्याएं रखीं। गौरतलब है कि आइआइपी के जिलाध्यक्ष नरेंद्र तांती महागठबंधन परिवार के साथ रेलवे की जमीन पर वर्षों से रह रहे भूमिहीन परिवारों को हटाने की कार्रवाई के विरोध में डीएम को आवेदन देकर निष्कासन रोकने तथा प्रभावित परिवारों को स्थायी भूमि व आवास उपलब्ध कराने की मांग की थी।

पूर्व छात्र संजीव कुमार ने विद्यार्थियों को दिया सफलता का मंत्र

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, गिरिडीह में बुधवार को आयोजित वंदना सभा ज्ञान, प्रेरणा और गौरव का संगम बनी। कार्यक्रम में विद्यालय के पूर्व छात्र, प्रबंधकारिणी समिति के सह-सचिव, भाजपा युवा मोर्चा झारखंड के प्रदेश मंत्री एवं नगर निगम वार्ड संख्या-06 के पार्षद संजीव कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।
उन्होंने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्पार्चन किया। प्रभारी प्रधानाचार्य अजीत मिश्र ने उनका परिचय कराते हुए अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में संजीव कुमार ने छात्र जीवन के अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और गुरुजनों के मार्गदर्शन को सफलता का आधार बताया। उन्होंने कहा कि आचार्य और दीदी के बताए मार्ग पर श्रद्धा व निष्ठा से चलने तथा परिश्रम को अपना हथियार बनाने से सफलता निश्चित मिलती है। उनके प्रेरणादायी संबोधन से विद्यार्थियों में उत्साह और आगे बढ़ने का नया संकल्प दिखाई दिया।

कोयलांचल में धूमधाम से मनाई गई जश्न ए ईद मिलादुन्नबी, दिखा आपसी भाईचारा व सौहार्द

धनबाद, नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। इस्लाम धर्म के आखरी संदेश वाहक मोहम्मद साहब के दुनिया में आगमन का दिन 12 रबी उल अव्वल जश्न ईद मिलादुन्न नबी कोयलांच में धूम धाम से मनाया गया। बूंदा बांदी के बावजूद सुबह सवेरे ही मुस्लिम समुदाय के लोग अपने अपने घरों से बाहर निकलने लगे। सड़कों पर इस्लामी हरा झंडा और तिरंगा हाथों में लिए मुस्लिम समुदाय के लोग सरकार की आमद मरहबा, दिलदार की आमद मरहबा,आका की आमद मरहबा के गगनचुंबी नारा लगा रहे थे। श्रीमीक चौक रांगातांड के समीप नौजवान कमिटी पुराना बाजार द्वारा भव्य मंच बनाया गया था जिसकी साज सज्जा आकर्षण का केंद्र बना हुआ था।

पीएम आवास योजना की राशि में गड़बड़ी का आरोप

दूसरी-तीसरी किश्त के भुगतान को लेकर लाभुकों में आक्रोश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमालपुर (मुंगेर)। प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि के भुगतान को लेकर जमालपुर प्रखंड में लाभुकों के बीच असंतोष बढ़ता जा रहा है। कई लाभुकों ने दूसरी और तीसरी किस्त की राशि का भुगतान नहीं होने पर नाराजगी जताई है। वहीं कुछ लाभुकों ने योजना की राशि के भुगतान में कथित कमीशनखोरी और अनियमितता का गंभीर आरोप लगाया है। आरोपों ने आवास योजना की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।लाभुकों का आरोप है कि योजना से जुड़े कर्मचारी पदाधिकारी और कुछ जनप्रतिनिधियों को कथित रूप से कमीशन नहीं देने के कारण कई लाभुकों की दूसरी और तीसरी किस्त का भुगतान रोक दिया गया है। दूसरी ओर, आरोप यह भी है कि कुछ ऐसे लाभुकों को योजना की तीनों किस्तों का भुगतान कर दिया गया, जिन्होंने अब तक आवास निर्माण का कार्य पूरा नहीं किया है।
लाभुकों ने आरोप लगाया कि कुछ मामलों में पुराने मकान को ही आवास योजना के तहत निर्मित मकान बताकर योजना की राशि की निकासी कर ली गई। यदि ये आरोप सही पाए जाते हैं तो यह सरकारी योजना के क्रियान्वयन में गंभीर अनियमितता का मामला हो सकता है। लाभुकों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा पात्र लाभुकों को लंबित किस्त का भुगतान शीघ्र करने की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में राशि के भुगतान में देरी होने से अधूरे मकानों को पूरा करना मुश्किल हो रहा है। कई लाभुक अपने मकान का निर्माण आगे बढ़ाने के लिए सरकारी किस्त का इंतजार कर रहे हैं।मामले में जमालपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी श्वेता कुमारी ने कहा कि तृतीय किस्त की राशि का भुगतान जल्द किया जाएगा। वहीं, कमीशन लिए जाने से संबंधित शिकायत सामने आने पर उन्होंने मामले की जांच कराने की बात कही। उन्होंने कहा कि योजना के तहत राशि का भुगतान नियमानुसार किया जाना है और शिकायत मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।
अब देखना यह है कि लाभुकों की ओर से लगाए गए कमीशनखोरी और अनियमितता के आरोपों की जांच में क्या सामने आता है। साथ ही, लंबित किस्तों के भुगतान से उन परिवारों को कब तक राहत मिलती है, जिनके आवास निर्माण का काम राशि के अभाव में अटका हुआ है।

नदियों के जलस्तर में अचानक वृद्धि से बाल्मीकि नगर बैराज पर दबाव बढ़ने की आशंका

मोतिहारी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नेपाल से होकर बहने वाली नदियों के जलस्तर में अचानक वृद्धि से बाल्मीकि नगर बैराज पर पानी का दबाव बढ़ गया है। बाल्मीकि नगर बैराज से अधिक मात्रा में पानी छोड़े जाने पर गंडक नदी के जलस्तर में भी वृद्धि की संभावना है। जिलाधिकारी के द्वारा समाहरणालय स्थित एनआईसी में मीडिया से वार्ता के दौरान बताया गया कि गंडक नदी से जुड़े हुए अरेराज, पहाड़पुर, संग्रामपुर और केसरिया अंचल के लिए अलर्ट जारी किया गया है। आपदा प्रबंधन शाखा के साथ-साथ बाढ़ प्रमंडल मोतिहारी के अभियंता एवं स्थानीय पदाधिकारी के साथ साथ सभी थानों अलर्ट मोड में किया गया है। सभी पदाधिकारी की छुट्टी रद्द कर दी गई है एवं मुख्यालय एवं क्षेत्र में बने रहने का निर्देश दिया गया है।

घोरथम्भा में हिन्दू जागरण मंच ने मनाया अखंड भारत संकल्प दिवस

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। राजधनवार प्रखंड के घोरथम्भा बाजार स्थित आर्य समाज सभागार में हिन्दू जागरण मंच की ओर से अखंड भारत संकल्प दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हिन्दू जागरण मंच उत्तर-पूर्व क्षेत्र के संयोजक विनोद यादव मुख्य वक्ता तथा झारखंड प्रांत के संयोजक विक्रम शर्मा विशिष्ट वक्ता के रूप में मौजूद रहे। मुख्य वक्ता विनोद यादव ने कहा कि भारत का अखंड होना हमारी नियति है। उन्होंने महर्षि अरविंद घोष के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि राष्ट्रवादी विचार परिवार आज भी इसी संकल्प को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक एकात्मता को मजबूत करने पर जोर दिया। विक्रम शर्मा ने कहा कि हिन्दू जागरण मंच का प्रयास है कि अखंड भारत संकल्प दिवस का संदेश देश के प्रत्येक राज्य से लेकर गांव और मोहल्ले तक पहुंचे। उन्होंने लोगों से परंपरा, संस्कृति और राष्ट्रीय मूल्यों के संरक्षण के लिए कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिप सदस्य सुबोध कुमार राय, भाजपा जिला उपाध्यक्ष उदय कुमार सिंह, समाजसेवी अभिमन्यु शर्मा एवं शिक्षाविद् मनोज कुमार वर्णवाल ने भी विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महेंद्र चौधरी ने की, जबकि संचालन परवीन सिंह ने किया। मौके पर बीरेंद्र राणा, कुणाल कुमार, महेंद्र कुमार, सुखदेव राय, कृष्णा वर्मा, मुकेश स्वर्णकार, श्रीकांत यादव, सुजीत कुमार, प्रभात कुमार समेत बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता एवं मंच के कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक गौरव के संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया

बीएसएल एवं बोकारो इस्पात नगर के विकास को लेकर प्रभारी निदेशक से मिला चैंबर का प्रतिनिधिमंडल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के एक प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष मनोज चौधरी के नेतृत्व में बोकारो इस्पात संयंत्र के प्रभारी निदेशक प्रियरंजन से मुलाकात कर बोकारो इस्पात संयंत्र एवं बोकारो इस्पात नगर के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के प्रारंभ में अध्यक्ष मनोज चौधरी ने बोकारो इस्पात संयंत्र के विस्तारीकरण परियोजना के शुभारंभ की दिशा में हुई प्रगति के लिए प्रभारी निदेशक को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बोकारो इस्पात प्रबंधन को संयंत्र एवं नगर क्षेत्र में उपलब्ध अतिरिक्त भूमि का समुचित एवं योजनाबद्ध उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए, ताकि भूमि के अतिक्रमण पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। साथ ही, लंबे समय से खाली पड़े भवनों का उपयोग सुनिश्चित कर उन्हें राजस्व सृजन का माध्यम बनाया जाना चाहिए, जिससे प्रबंधन को होने वाली राजस्व हानि को रोका जा सके। चैंबर के महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने मांग की कि बोकारो इस्पात संयंत्र की प्लांट लेवल कमेटी में बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए, ताकि स्थानीय व्यापार एवं उद्योग जगत की समस्याओं एवं सुझावों को प्रभावी ढंग से समिति के समक्ष रखा जा सके। उन्होंने बियाडा की औद्योगिक इकाइयों के लिए विशेष एवं स्पष्ट नीति बनाने की मांग करते हुए कहा कि विस्तारीकरण परियोजना में स्थानीय औद्योगिक इकाइयों की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। स्थानीय इकाइयों को कम से कम 10 लाख रुपये तक के विशेष कार्यादेश उपलब्ध कराने तथा पी.पी.एस. के माध्यम से स्थानीय इकाइयों से वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद की क्षमता बढ़ाते हुए उन्हें अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने का आग्रह किया गया। चैंबर प्रतिनिधिमंडल ने बोकारो इस्पात नगर के व्यावसायिक-सह-आवासीय भूखंडों के संबंध में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित करने की मांग भी रखी। प्रतिबंधित व्यापार के अंतर्गत आवंटित भूमि एवं भवन के तीनों तलों के आधार पर शुल्क निर्धारित करने के बजाय वास्तविक उपयोग के अनुरूप क्षेत्रफल का निर्धारण कर शुल्क लेने की व्यवस्था लागू करने का सुझाव दिया गया। प्रतिनिधिमंडल ने बोकारो के शहरी क्षेत्र में साफ-सफाई एवं सीवेज व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुचारू बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। चैंबर की ओर से कहा गया कि वर्तमान में शिकायत दर्ज होने के बाद कई बार निगरानी एवं लगातार प्रयास करने के पश्चात ही समस्याओं का समाधान हो पाता है। इसलिए शिकायतों के त्वरित निष्पादन के लिए प्रभावी मॉनिटरिंग एवं जवाबदेही की व्यवस्था आवश्यक है। प्रभारी निदेशक प्रियरंजन ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए सभी विषयों पर खुले मन से विचार-विमर्श किया तथा विभिन्न समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने बताया कि बोकारो इस्पात संयंत्र एवं शहर के विकास से संबंधित कई परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है और शीघ्र ही इनके सकारात्मक परिणाम धरातल पर दिखाई देने लगेंगे। उन्होंने स्थानीय औद्योगिक एवं व्यावसायिक इकाइयों को समुचित कार्यादेश उपलब्ध कराने की दिशा में भी सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। चैंबर प्रतिनिधिमंडल ने आशा व्यक्त की कि प्रबंधन एवं स्थानीय उद्योग-व्यवसाय जगत के बीच बेहतर समन्वय से बोकारो इस्पात संयंत्र के विस्तारीकरण के साथ-साथ बोकारो शहर के विकास को भी नई गति मिलेगी। मौके पर ई डी एम.एम. एवं अनूप कुमार दत्ता ई डी वर्क्स शामिल रहे।

बीएसएल में प्रबंध प्रशिक्षुओं की तकनीकी बैच का स्थानीय इंडक्शन प्रशिक्षण शुरू

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र में प्रबंध प्रशिक्षुओं (तकनीकी) - बैच-2026 के स्थानीय इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन-सह-संवाद सत्र 26 अगस्त 2026 को मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में आयोजित किया गया। इस बैच में कुल 21 प्रबंध प्रशिक्षु शामिल हैं, जिनमें से 17 बोकारो इस्पात संयंत्र, 3 माइंस तथा 1 एसआरयू में अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। इस अवसर पर बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी के साथ अधिशासी निदेशक (एसआरयू), अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन), अधिशासी निदेशक (माइंस), अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन), अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं), अधिशासी निदेशक (संकार्य), अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं), कार्यकारी अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) ने सभी का स्वागत किया तथा स्थानीय इंडक्शन प्रशिक्षण के अंतर्गत सात सप्ताह तक आयोजित किए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों की रूपरेखा से अवगत कराया। निदेशक प्रभारी ने अपने संबोधन में नव-नियुक्त प्रबंध प्रशिक्षुओं को कार्यस्थल पर सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। उन्होंने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की दिशा में सेल द्वारा किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित करते हुए सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर दिया। साथ ही, सेल में चल रही आधुनिकीकरण एवं विकास पहलों से युवाओं के लिए उत्पन्न हो रहे नए अवसरों पर चर्चा करते हुए सभी प्रशिक्षुओं के उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की कामना की। संवाद सत्र के दौरान बीएसएल के वरिष्ठ नेतृत्व ने नव-नियुक्त प्रबंध प्रशिक्षुओं के साथ संवाद स्थापित करते हुए अपने अनुभव साझा किए और उन्हें निरंतर ज्ञानार्जन, नवाचार तथा उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान सेल एवं बोकारो इस्पात संयंत्र में चल रही आधुनिकीकरण एवं विस्तार परियोजनाओं के साथ-साथ उन्नत तकनीकों के बढ़ते अनुप्रयोग और भविष्य की संभावनाओं पर भी विचार साझा किए गए। स्थानीय इंडक्शन प्रशिक्षण के माध्यम से नव-नियुक्त प्रबंध प्रशिक्षुओं को संयंत्र की कार्य-संस्कृति, सुरक्षा मानकों, कार्यप्रणालियों एवं रणनीतिक प्राथमिकताओं से परिचित कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संक्षिप्त समाचार

समस्याओं के समाधान को लेकर बीएसएल निदेशक प्रभारी से मिले जियाडा के अधिकारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बुधवार को जियाडा, बोकारो प्रक्षेत्र के क्षेत्रीय उपनिदेशक मनोज कुमार एवं सहायक विकास पदाधिकारी सन्नी कुमार ने बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन से उनके कार्यालय कक्ष में मुलाकात की। इस दौरान जियाडा उद्यमियों से जुड़े विभिन्न विषयों, समस्याओं के समाधान तथा बीएसएल की विभिन्न परियोजनाओं में कार्य आवंटन बढ़ाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान जियाडा अधिकारियों ने 49 वीं एवं 50वीं पीएलसी के अनुपालन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया। साथ ही बीएसएल की ब्राउनफील्ड विस्तार परियोजना में जियाडा के उद्यमियों को अधिक से अधिक कार्य आवंटित करने तथा पीपीएस वर्क सहित अन्य कार्यों में कार्य आवंटन बढ़ाने का आग्रह किया। आगामी सब-पीएलसी एवं पीएलसी के आयोजन का भी अनुरोध किया। इस पर बीएसएल निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने स्टील प्लांट के विस्तार एवं आधुनिकीकरण परियोजनाओं में जियाडा उद्यमियों को अधिक से अधिक कार्य के अवसर उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने आगामी सब-पीएलसी आवंटन के लिए हेड, ईडी (एमएम) को एजेंडा तैयार करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारा (एकेआइसी) की प्रगति पर भी चर्चा की गई। इस पहल को औद्योगिक विकास एवं स्थानीय उद्यमियों के लिए नए अवसरों की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया गया।

कुमार अमित ने इस्पात मंत्री को लिखा पत्र

परीक्षा परिणाम शीघ्र घोषित कराने की मांग

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, सेल द्वारा 05 जुलाई 2026 को आयोजित कनीय प्रबंधक आंतरिक पदोन्नति परीक्षा-2026 का परिणाम अब तक घोषित नहीं होने पर भाजपा नेता एवं भारतीय उद्योग मजदूर संघ के महामंत्री कुमार अमित ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए केन्द्रीय इस्पात मंत्री को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। श्री अमित ने पत्र में कहा कि उक्त परीक्षा के दो माह बीत जाने के बाद भी परिणाम घोषित नहीं होने से सेल के बोकारो सहित सभी संयंत्रों में कार्यरत लगभग 8000 परीक्षार्थी कर्मचारियों में असमंजस, अनिश्चितता और प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर शंका उत्पन्न हो रही है। यह आंतरिक पदोन्नति परीक्षा सीधे कर्मचारियों के कैरियर ग्रोथ, मनोबल और कार्य-प्रेरणा से जुड़ी है। परिणाम में विलंब से न केवल कर्मचारियों के पदोन्नति के अवसर प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि सेल की कार्यशैली, दक्षता, पारदर्शिता और निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े कर रहे हैं। श्री अमित ने केन्द्रीय मंत्री से मांग की है कि परीक्षा परिणाम यथाशीघ्र घोषित कराया जाए, विलंब के तकनीकी/प्रशासनिक कारणों की समीक्षा हो, सफल अभ्यर्थियों की पदोन्नति की समय-सीमा स्पष्ट की जाए एवं आगे के लिए परीक्षा कैलेंडर पूर्व में हीं निर्धारित कर उसे गम्भीरता पूर्वक लागू किया जाए। कुमार अमित ने कहा कि सेल एक महारत्न कंपनी है और इसके कर्मचारियों का मनोबल ही कंपनी की उत्पादकता का आधार है।

सदर अस्पताल में दो मरीजों की सफल ऑथोर्पेडिक सर्जरी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सदर अस्पताल, बोकारो में दो मरीजों का सफल ऑथोर्पेडिक सर्जरी की गई। पहले मामले में चास निवासी 24 वर्षीय अंकित मिश्रा को बाएं हाथ में चोट लगने के बाद दर्द, सूजन एवं हाथ चलाने में कठिनाई की शिकायत के साथ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जांच में बाएं हाथ की हड्डी में फ्रैक्चर पाया गया। आवश्यक जांच के बाद उनकी सफलतापूर्वक ऑथोर्पेडिक सर्जरी की गई। दूसरे मामले में चास निवासी 54 वर्षीय मीरा देवी को चोट लगने के बाद दाएं हाथ की कोहनी में दर्द, सूजन एवं हाथ चलाने में कठिनाई की शिकायत थी। जांच में दाएं हाथ में फ्रैक्चर पाया गया। आवश्यक जांच के पश्चात उनकी भी सफलतापूर्वक सर्जरी की गई। दोनों मरीजों की सर्जरी ऑथोर्पेडिक सर्जन डॉ. अमित द्वारा की गई, जबकि एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. सौरभ सांख्यायन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ऑपरेशन के दौरान दोनों मरीजों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी गई तथा किसी प्रकार की महत्वपूर्ण जटिलता नहीं हुई। ऑपरेशन के बाद दोनों मरीजों की स्थिति स्थिर है। उन्हें पोस्ट-ऑपरेटिव निगरानी में रखा गया तथा आगे की चिकित्सा एवं देखभाल ऑथोर्पेडिक टीम की सलाह के अनुसार जारी है। सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने सफल सर्जरी के लिए चिकित्सकीय टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल में मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अस्पताल की टीम निरंतर प्रयासरत है।

विधायक जयराम महतो के समर्थन में उतरे बाबूलाल

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बरवाअड्डा थाना प्रभारी और डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो के बीच हुआ विवाद अब पुलिस और जनप्रतिनिधि के टकराव से आगे बढ़कर सियासी मुद्दा बन गया है। झारखंड पुलिस एसोसिएशन ने विधायक पर थाना प्रभारी के साथ कथित तौर पर अभद्र भाषा और धमकी देने का आरोप लगाते हुए माफी की मांग की है। वहीं जयराम महतो ने माफी मांगने से साफ इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है। विधायक ने पूरे मामले को लेकर विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर कहा है कि वह सदन के निर्वाचित सदस्य हैं और विधायकों की गरिमा एवं अधिकारों की रक्षा करना विधानसभा अध्यक्ष का संवैधानिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि वह कानून से ऊपर होने का दावा नहीं करते। यदि उनके खिलाफ गंभीर अपराध के पर्याप्त साक्ष्य हैं तो कानून अपना काम करे, लेकिन बिना पर्याप्त तथ्य और जांच के प्राथमिकी दर्ज करना उचित नहीं है। जयराम महतो के अनुसार, 21 अगस्त को उन्हें गणेश दास नामक व्यक्ति के पुलिस हिरासत में मारपीट की सूचना मिली थी। इसी मामले की जानकारी लेने वह बरवाअड्डा थाना पहुंचे थे। उनका दावा है कि उन्होंने आरोपी को छोड़ने या पुलिस कार्रवाई रोकने के लिए कोई दबाव नहीं बनाया। वहीं पुलिस एसोसिएशन का आरोप है कि विधायक ने व्हाट्सएप कॉल पर थाना प्रभारी से गाली-गलौज और धमकी दी तथा समर्थकों के साथ थाने पहुंचकर अभद्र व्यवहार किया।

बीएसएल के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में 'रणनीति- बिजनेस गेम्स' प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र के मुख्य सभागार, कॉन्फ्रेंस हॉल संख्या-01 एवं कॉन्फ्रेंस हॉल संख्या-04 में दो दिवसीय 'रणनीति -बिजनेस गेम्स' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस बौद्धिक एवं रणनीतिक प्रतियोगिता में बीएसएल के अलावा एसआरयू, माइंस एवं कोलियरीज की कुल 40 टीमों के अधिशासी प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मुख्य महाप्रबंधक एवं उप महाप्रबंधक सहित एआईएमए , नई दिल्ली के वरिष्ठ अधिकारियों ने सहभागिता करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा और इसके उद्देश्यों पर विस्तृत प्रकाश डाला। प्रतियोगिता के पहले दिन 20-20 टीमों के बीच रणनीतिक मुकाबले कराए गए, जिनमें से उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर कुल 16 टीमों ने अगले स्तर में प्रवेश किया। दूसरे दिन के कड़े एवं रोचक सत्रों के उपरांत बीएसएल की चार टीमों ने शीर्ष स्थान हासिल किए। प्रतियोगिता में हॉट स्ट्रिप मिल (एचएसएम) एवं सीएमएम-सीटीएस के राहुल रंजन पांडा (वरीय प्रबंधक), राहुल सिंह (उप महाप्रबंधक) एवं ओवैस अहमद (वरीय प्रबंधक) की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। नगर-सेवा (विद्युत) एवं मानव संसाधन के आशुतोष कुमार (वरीय प्रबंधक), जय किशन साहू (वरीय प्रबंधक) एवं रूपमनी लाल खेर (उप महाप्रबंधक) की टीम द्वितीय स्थान पर रही। आईएण्डए एवं मानव संसाधन के कुणाल प्रसाद (सहायक महाप्रबंधक), गौतम कुमार (उप महाप्रबंधक) एवं राहुल कुमार (वरीय प्रबंधक) की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि वित्त एवं लेखा विभाग के आयुष केडिया (प्रबंधक), सौरव कुमार अग्रवाल (प्रबंधक) एवं गीतेश पोद्दार (सहायक महाप्रबंधक) की टीम चतुर्थ स्थान पर रही। कार्यक्रम के समापन सत्र पर सभी विजेता प्रतिभागियों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि इस प्रकार की रणनीतिक प्रतियोगिताएं अधिकारियों में सूक्ष्म निर्णय क्षमता, समस्या समाधान कौशल तथा टीम भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में अत्यंत प्रभावी सिद्ध होती हैं। जटिल व्यावसायिक चुनौतियों का सिम्युलेशन आधारित समाधान खोजने का यह प्रयास न केवल मानव पूंजी के संवर्धन को गति प्रदान करता है, बल्कि संयंत्र के समग्र परिचालन में रणनीतिक दक्षता और नवाचार को बढ़ावा देने की बीएसएल की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है।

रक्षाबंधन व सावन पर आरबीआर पाठशाला में महिलाओं-बच्चियों के लिए मेहंदी कार्यक्रम का आयोजन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रक्षाबंधन एवं सावन के पावन अवसर पर महिलाओं और बच्चियों के बीच त्योहार की खुशियां बांटने तथा आपसी मेल-जोल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आरबीआर पाठशाला की ओर से बुधवार को निःशुल्क मेहंदी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम नवाडीह स्थित वेलकम होटल एंड बैंक्वेट हॉल में आयोजित हुआ। इसमें पाठशाला से जुड़ी महिलाओं और बच्चियों के साथ आसपास की सोसाइटी की महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं और बच्चियों ने अपने हाथों में आकर्षक मेहंदी लगवाई। पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा। महिलाएं और बच्चियां विभिन्न डिजाइनों की मेहंदी के साथ त्योहार की खुशियां साझा करती नजर आईं। आरबीआर पाठशाला की निदेशक स्वाति सुमन ने कहा कि सावन और रक्षाबंधन जैसे पर्व प्रेम, भाईचारे और खुशियां बांटने का संदेश देते हैं। इसी उद्देश्य से महिलाओं और बच्चियों के लिए निःशुल्क मेहंदी कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि आरबीआर पाठशाला शिक्षा के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जोड़ने का प्रयास कर रही है। कार्यक्रम में सुस्मिता महतो, प्रियंका गुप्ता, सोनी सिन्हा, नीलम सिन्हा, गुलशन कुमारी, डॉली देवी, आकांक्षा, प्रियांशी, वैष्णवी चौहान, ऋतु पांडेय, सीमा शर्मा और नीतू चौहान समेत कई महिलाओं एवं बच्चियों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम त्योहार के उत्साह के साथ समाज में प्रेम और एकता को भी बढ़ावा देते हैं।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर 25 खिलाड़ियों को विधायक राज सिन्हा करेंगे सम्मानित

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाई जाती है। इस अवसर पर धनबाद विधायक राज सिन्हा अपने आवास पर 25 खिलाड़ियों को सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम शनिवार को दोपहर 3:30 बजे आयोजित होगा। राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी तारकनाथ दास ने बताया कि सम्मानित होने वाले खिलाड़ियों में 12 दिव्यांग खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर धनबाद का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि धनबाद में पहली बार दिव्यांग खिलाड़ियों को इस तरह सम्मानित किया जा रहा है। तारकनाथ दास ने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ियों ने शारीरिक चुनौतियों को पीछे छोड़ते हुए खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उनका सम्मान समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ-साथ अन्य युवाओं और खिलाड़ियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस का उद्देश्य देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना, युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता पैदा करना है। खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और संघर्ष करने की क्षमता विकसित करने का भी महत्वपूर्ण साधन है। उन्होंने बताया कि मेजर ध्यानचंद ने 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक में भारतीय हॉकी की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। उनकी जयंती पर खिलाड़ियों का सम्मान खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में सराहनीय पहल है।

तेनुघाट डैम में आत्महत्या करने के इरादे से उतरी थी नाबालिग, तेज बहाव देख कांपी रूह

पुलिस और डैम प्रबंधन ने सभी 6 गेट बंद कर बचाई नाबालिग की जान

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कहते हैं, जाको राखे साइयां, मार सके न कोय। इसका जीता-जागता उदाहरण बुधवार को तेनुघाट डैम में देखने को मिला, जहां मौत को गले लगाने आई एक नाबालिग युवती को खुद यमराज भी नहीं ले जा सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार बोकारो जिले की एक नाबालिग युवती घर में हुए पारिवारिक कलह से आहत होकर आत्महत्या करने के इरादे से तेनुघाट डैम पहुंची थी। गुस्से और गम में वह सीधे पानी मे उतर गई। लेकिन जैसे ही वह तेज बहाव में गई, मौत का मंजर देख उसकी रूह कांप गई। आत्महत्या का इरादा पल भर में बदल गया। जान बचाने के लिए वह किसी तरह पानी के बीच उभरी एक बड़ी चट्टान पर चढ़कर बैठ गई। चारों तरफ मौत का सैलाब, एवं लगभग 6000 क्यूसेक प्रति सेकंड की रफ्तार से बहता पानी और बीच में फंसी एक अकेली लड़की। इसी दौरान डैम पर घूम रहे कुछ लोगों की नजर उस पर पड़ी तो उनके होश उड़ गए। लड़की तेज धार के बीच फंसी है का शोर पूरे डैम परिसर में गूंज उठा। सूचना मिलते ही तेनुघाट पुलिस और तेनुघाट बांध प्रमंडल के अधिकारियों में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि उस समय डैम के 5 रेडियल और 1 अंडर स्लुइस गेट खुले हुए थे और नदी में पानी का भयंकर बहाव हो रहा था। अधिकारियों ने बिना एक सेकंड गंवाए बड़ा फैसला लिया और आनन-फानन में डैम के सभी 6 गेट बंद करा दिए। पानी का बहाव कम होते ही प्रशासन ने स्थानीय लोगो की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। कड़ी की मशक्कत के बाद युवती को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। फिलहाल युवती सुरक्षित है और पुलिस उससे पूछताछ कर परिजनों से संपर्क कर रही है।

ज्योति सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, पेटरवार में सावन महोत्सव का आयोजन

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बेरमो अनुमंडल स्थित पूज्य तपस्वी श्री जग जीवन जी महाराज ज्योति सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, पेटरवार में सावन महोत्सव 'ऋतु रानी' प्रतियोगिता का आयोजन धूम धाम से किया गया। इस महोत्सव का शुभारम्भ माताओं द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर के किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'ऋतु रानी' (सावन क्वीन) प्रतियोगिता रही, जिसमें स्थानीय तथा सुदूरवर्ती क्षेत्र की दर्जनों महिलाओं और युवतियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। पूरा प्रांगण हरे परिधानों, चूड़ियों और सावन के गीतों से गुंजायमान रहा। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने पारंपरिक गीत, मेहँदी प्रतियोगिता और आरती थाल सज्जा प्रतियोगिता साथ ही अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए सावन के गीतों और लोकनृत्य की प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में उपस्थित एवं निर्णायक के रूप में बुंडू पंचायत की मुखिया निहारिका सुकृति, पंचायत समिति सदस्य रश्मि कुमारी, शालिनी सिंगला, संगीता सिन्हा थीं। मौके पर विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव कुमार संजय सिन्हा, उपाध्यक्ष रविकांत सिंगला, प्रधानाचार्य रमेश कुमार उपाध्याय एवं सदस्य नेहा साव की उपस्थिति सराहनीय रही। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में मेहंदी प्रतियोगिता रहा जिसमें सभी प्रतिभागियों ने पारंपरिक हरे श्रृंगार और सावन थीम वाले परिधानों में अपना परिचय दिया। द्वितीय चरण में आरती थाल सज्जा प्रतियोगिता का शानदार प्रदर्शन किया। इस कड़े मुकाबले के बाद, निर्णायकों ने विजेता माताओं को इस वर्ष की 'ऋतु रानी' (सावन क्वीन) का ताज पहनाया। इसके साथ ही उपविजेता माताएं प्रथम रनर-अप रहीं। विजेता को मुकुट पहना कर एवं आकर्षक उपहारों से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य आयोजक मातृ भारती के प्रमुख कुमारी अर्पणा सिन्हा, बिनीता कुमारी सिन्हा, संध्या देवी, सुप्रिया पारीक, नेहा कुमारी, स्वाती कुमारी ने बताया कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य भारतीय संस्कृति और परंपराओं को सहेजना तथा महिलाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम का समापन वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के सुअवसर पर सामूहिक वन्देमातरम गायन के साथ हुआ।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145865
7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com